{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 23 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 03
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,529.08
निफ्टी	-	23,329.00
सोना	-	1,62,138
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	95.58

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

संसद के इतिहास में नया रिकॉर्ड : 40 दिन बाद भी मॉनसून सत्र जारी, राजनीतिक वीथिका में अटकलें तेज

महिला आरक्षण बिल लाने की है तैयारी में सरकार!

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के 40 दिन बाद भी मानसून सत्र का औपचारिक सत्रावसान नहीं हुआ है। संसद के दोनों सदनों का इतने लंबे समय तक औपचारिक रूप से समाप्त न होना अपने आप में असामान्य स्थिति है। पूर्व लोकसभा महासचिव पीडीटी आचारी के मुताबिक, दोनों सदनों के 40 दिन तक स्थगित रहने का यह नया रिकॉर्ड है।

आमतौर पर कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद कुछ ही दिनों में राष्ट्रपति की ओर से सत्रावसान की अधिसूचना जारी हो जाती है। बजट सत्र भी 18 अप्रैल को समाप्त हुआ था और 20 अप्रैल को उसका औपचारिक सत्रावसान हो गया था। ऐसे में इस बार 40 दिन तक प्रक्रिया लंबित रहने ने संसद के अगले कदम को लेकर राजनीतिक चर्चाएं बढ़ा दी हैं।

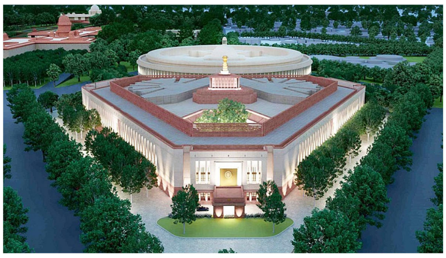

सत्रावसान नहीं होने से क्या संकेत?

सत्रावसान नहीं होने का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सरकार को किसी नए सत्र की औपचारिक शुरुआत किए बिना संसद के मौजूदा सत्र से जुड़ी संवैधानिक स्थिति बरकरार रहती है। इसी वजह से यह सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार किसी महत्वपूर्ण विधायी पहल के लिए मौजूदा स्थिति का इस्तेमाल करना चाहती है। हालांकि सरकार की ओर से अभी तक यह आधिकारिक रूप से घोषित नहीं किया गया है कि इस देरी का संबंध महिला आरक्षण कानून में प्रस्तावित बदलाव से है।

महिला आरक्षण कानून पर क्यों बढ़ी चर्चा?

2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करने की प्रक्रिया को लेकर सरकार की संभावित रणनीति पर चर्चा तेज है। पिछले बजट सत्र में भी इस दिशा में प्रस्ताव लाने की कोशिश की गई थी, लेकिन पर्याप्त संख्या बल नहीं होने के कारण बात आगे नहीं बढ़ सकी। विवाद का एक बड़ा बिंदु जनसंख्या आधारित परिसीमन है। दक्षिण भारत के कुछ दलों को आशंका है कि परिसीमन के बाद लोकसभा में उनके राज्यों का प्रतिनिधित्व घट सकता है। इसी राजनीतिक चिंता को दूर करने के लिए सीटों में समान अनुपात से वृद्धि का प्रस्ताव चर्चा में रहा है।

असली अड़चन परिसीमन से जुड़ी

महिला आरक्षण कानून का मौजूदा ढांचा परिसीमन और उसके बाद होने वाली जनगणना से जुड़ा हुआ है। इसलिए यदि सरकार 2029 के चुनाव से पहले आरक्षण लागू करने की दिशा में आगे बढ़ती है तो परिसीमन, राज्यों के प्रतिनिधित्व और लोकसभा सीटों की संख्या जैसे मुद्दे साथ-साथ सामने आएंगे। यही वजह है कि महिला आरक्षण का सवाल केवल महिलाओं के लिए सीट आरक्षित करने तक सीमित नहीं रह गया है। इसके साथ उत्तर-दक्षिण प्रतिनिधित्व, लोकसभा के आकार और आगामी चुनावी गणित जैसे संवेदनशील मुद्दे भी जुड़े हैं।

40 दिन की देरी ने बढ़ाया सस्पेंस

13 अगस्त को सदनों की कार्यवाही समाप्त होने के बाद अब 40 दिन गुजर चुके हैं, लेकिन सत्रावसान की अधिसूचना नहीं आई है। यह देरी सामान्य संसदीय प्रक्रिया की तुलना में काफी लंबी है। फिलहाल दो बातें अलग-अलग रखनी जरूरी हैं-सत्रावसान में असामान्य देरी एक तथ्य है, जबकि इसे महिला आरक्षण संशोधन लाने की तैयारी से जोडऩा अभी राजनीतिक अटकल है। सरकार की औपचारिक घोषणा के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मौजूदा स्थिति का इस्तेमाल किसी विशेष विधायी प्रस्ताव के लिए किया जाना है या नहीं।

एससी-एसटी एक्ट से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

कार्यवाही शुरू करने से पहले प्रशासनिक जांच जरूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई के दौरान माना कि एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट-1989 के तहत सरकारी कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने से पहले प्रशासनिक जांच जरूरी है। कोर्ट ने इस कड़े कानून के तहत तमिलनाडु के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस और एक सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ चल रही कार्रवाई को रद्द कर दिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने जननिप्रिया और एक अन्य शख्स की अपील पर सुनवाई की। बेंच ने कहा कि मामले में स्पेशल कोर्ट ने एससी/एसटी एक्ट की धारा 4 के प्रावधान के उलट, बिना किसी प्रशासनिक जांच के एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

एससी/एसटी एक्ट में की गई थी कार्यवाही

कोर्ट ने कहा कि चूंकि एससी/एसटी एक्ट की धारा 4 के प्रावधान के तहत जरूरी प्रशासनिक जांच नहीं की गई थी, इसलिए कार्यवाही जारी रखने का कोई कारण नहीं था। अपीलकर्ताओं के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट की धारा 18ए के तहत कार्यवाही की गई थी। जानकारी दे दें कि तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में फर्स्ट एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज के आदेश के आधार पर, 18 दिसंबर 2025 को त्रिची जिले के पुथानाथम पुलिस थाने में एससी/एसटी एक्ट की धारा 4 और आईपीसी की धाराओं 161ए और 167 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। साथ ही दो लोगों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत शिकायत दर्ज कराई गई थी।

जांच में एसआई ने पाया था मामला झूठा

सब-इंस्पेक्टर ने शुरुआती जांच की और पाया कि यह मामला झूठा है; आरोप सिर्फ एक सिविल विवाद के बाद जवाब देने के लिए लगाए गए थे। डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस ने सब-इंस्पेक्टर की शुरुआती जांच को मंजूरी दे दी और कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद शिकायतकर्ता क्रिमिनल प्रोसीजर कोड- 1973 की धारा 156(3) के तहत स्पेशल कोर्ट गया।

इसके बाद स्पेशल कोर्ट की ओर किया रुख

शिकायतकर्ता ने स्पेशल कोर्ट में एक और याचिका दायर की, जिसमें एससी/एसटी एक्ट की धारा 4 के तहत ड्यूटी में लापरवाही का आरोप लगाया गया। इस पर स्पेशल कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया, जिसे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई, जहां हाई कोर्ट ने मामले में दखल देने से इनकार कर दिया, इसके बाद अपीलकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

खास खबर

स्मार्टफोन स्क्रीनगार्ड के लिए बीआईएस रजिस्ट्रेशन जरूरी

नई दिल्ली। सरकार ने स्मार्टफोन स्क्रीन गार्ड्स के लिए बीआईएस रजिस्ट्रेशन जरूरी कर दिया है। इस नए फैसले का सीधा असर बाजार में बिकने वाले खराब क्वालिटी के स्क्रीन गार्ड्स पर पड़ेगा। अब कंपनियों को बीआईएस के टेस्ट में पास होने के बाद ही इन्हें बेचने की इजाजत मिलेगी। केंद्र सरकार ने स्मार्टफोन यूजर्स की सेफ्टी और स्क्रीन गार्ड्स की क्वालिटी बेहतर करने के लिए यह कदम उठाया है। मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, स्मार्टफोन स्क्रीन गार्ड्स के लिए तय किए गए नए बीआईएस मानक 1 अप्रैल, 2027 से देशभर में लागू कर दिए जाएंगे। इसका मतलब है कि 2027 के बाद बिना बीआईएस रजिस्ट्रेशन और बिना तय मानकों वाले स्क्रीन गार्ड्स की बिक्री पर रोक रहेगी।

आईआईटी बॉम्बे हॉस्टल से सीलिंग फैन हटेंगे

मुंबई। आईआईटी बॉम्बे में बीटेक स्टूडेंट साहिल रविंद्र वाकोडे की मौत के बाद कैंपस और हॉस्टल में लगे सीलिंग फैन हटाकर वॉल फैन लगाने का फैसला लिया गया है। कैंपस में वॉल फैन पहुंचने की तस्वीर सोशल मीडिया पर भी वायरल हुई है। सूत्रों के मुताबिक, पंखे बदलने पर चर्चा जुलाई में एक छात्र की मौत के बाद शुरू हुई थी। 18 सितंबर को साहिल की मौत के बाद इस फैसले को लागू किया गया। साहिल की मौत को लेकर छात्रों का प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी है। छात्र संस्थान में जवाबदेही, पारदर्शिता, छात्र कल्याण और मेंटल हेल्थ की व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ आईआईटी बॉम्बे फैकल्टी फोरम ने आरोपी प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला का समर्थन किया है। वहीं आईआईटी दिल्ली और आईआईटी मद्रास की फैकल्टी भी प्रोफेसर के बचाव में आगे आए हैं।

लापरवाही पर एअर इंडिया का कर्मचारी सस्पेंड

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने एअर इंडिया के हब-एंड-स्पोक इमिग्रेशन प्रक्रिया में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की है। गलती सामने आने के बाद एअर इंडिया के कर्मचारी को निलंबन कर दिया है। जांच में पाया गया कि कर्मचारी ने यात्रियों को तय रास्ते से नहीं जाने दिया, जिससे एयरपोर्ट सुरक्षा में चूक हुई। मंत्री ने साफ कहा कि एयरपोर्ट की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। दरअसल, यह पूरा मामला 3 इटालियन नागरिकों से जुड़ा है। तीनों 4 सितंबर को अमृतसर से दिल्ली आए और बिना किसी इमिग्रेशन जांच के दिल्ली एयरपोर्ट से सीधे म्यूनिख चले गए।

40 लाख की रिश्वत मामले में फरार आईआरएस अधिकारी ऋषिकेश से गिरफ्तार

देहरादून। सीबीआई ने बड़े एक्शन में 40 लाख की कथित रिश्वत के मामले में फरार चल रहे आईआरएस अधिकारी विनय कुमार कंथेटी को उत्तराखंड के ऋषिकेश से गिरफ्तार किया है। कंथेटी महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त के तौर पर तैनात थे। उन्हें एक पत्थर खदान कंपनी से जुड़े जीएसटी और रॉयल्टी के मामले को सुलझाने के लिए रिश्वत मांगने का आरोप है। यह मामला दरअसल 1.50 करोड़ रुपये की अवैध रिश्वत की मांग से शुरू हुआ था, जो कि बातचीत के बाद 40 लाख रुपये पर तय किया गया। जांच एजेंसी ने 27 अगस्त को एक जाल बिछाकर कस्टम्स हाउस एजेंट नरिंदर राजपूत को कंथेटी और सीजीएसटी के सुपरिटेंडेंट राकेश कुमार सिन्हा की ओर से कथित तौर पर 40 लाख रुपये लेते रंगेहाथ पकड़ा था।

सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर दवाओं की कीमत पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की कीमतों में भारी अंतर को लेकर सख्त टिप्पणी की है। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि एक कैंसर दवा निर्माता कंपनी रिटेलर को करीब 2,700 रुपये में दवा बेच रही है, जबकि उसी दवा का पैकेट पर अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी 27,000 रुपये तक दर्ज है। इस पर कोर्ट ने इसे मरीजों के साथ 'दिनदहाड़े डकैती' जैसा बताया।

अदालत ने कहा कि कीमत में करीब दस गुना का अंतर समझ से परे है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि जब अस्पताल ऐसी दवाएं ऊंची एमआरपी पर खरीदते हैं और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत भुगतान लेते हैं, तो इसका आर्थिक बोझ अंतत: सरकारी खजाने और करदाताओं पर पड़ता है। सुनवाई के दौरान अदालत ने दवा कीमतों की निगरानी करने वाले नियामक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए और पूछा कि ऐसे मामलों में निर्णय लेने वाले अधिकारी चुप क्यों हैं। यह मामला आगरा के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ की याचिका से जुड़ा है। याचिका में दवा कंपनियों द्वारा वास्तविक बिक्री मूल्य और एमआरपी के बीच बड़े अंतर का आरोप लगाते हुए मूल्य निर्धारण व्यवस्था की जांच और मरीजों के हित में दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई है। गौरतलब है कि केंद्र के अनुसार ड्रग्स (प्राइस कंट्रोल) ऑर्डर, 2013 के तहत एनपीपीए अनुसूचित दवाओं की अधिकतम कीमत तय करता है। फरवरी 2026 में सरकार ने बताया था कि 131 कैंसर दवा फॉर्मुलेशन के लिए एनपीपीए सीलिंग प्राइस तय कर चुका है।

वंदे मातरम् न गाने पर सजा के प्रावधान को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली । वंदे मातरम् को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। अदालत ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कर्नाटक संगीत के गायक टी. एम. कृष्णा ने 2026 में किए गए कानून संशोधन और गृह मंत्रालय के उन निर्देशों को चुनौती दी है, जिनमें आधिकारिक कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के सभी छह अंतरों के गायन से जुड़ी व्यवस्था की गई है।

सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि यदि कोई व्यक्ति धार्मिक विश्वास या अंतरात्मा के आधार पर वंदे मातरम् नहीं गाता है, तो केवल इस आधार पर उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। अदालत ने 1986 के बिजो एमैनुअल मामले में दिए गए फैसले का भी उल्लेख किया। उस मामले में धार्मिक मान्यताओं के कारण राष्ट्रगान नहीं गाने वाले छात्रों को संरक्षण दिया गया था, जबकि वे सम्मान में खड़े रहते थे।

अदालत ने फिलहाल यह तय करने से इनकार किया कि राष्ट्रीय गीत के रूप में वंदे मातरम् के दो अंतरे गाए जाएं या सभी छह। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में मुख्य रूप से यह देखेगी कि किसी नागरिक के अंतरात्मा या धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार पर आपराधिक दंड का असर क्या पड़ता है।

यह याचिका 2026 में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में किए गए संशोधन के खिलाफ है।

सजा पूरी कर चुके विदेशी नागरिकों को अस्थायी निरुद्ध केंद्र में करें स्थानांतरित- हाईकोर्ट

शिलॉन्ग। मेघालय हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि सजा पूरी होने के बावजूद अब भी कारागारों में बंद सभी विदेशी नागरिकों को 28 सितंबर तक एक अस्थायी निरुद्ध केंद्र में स्थानांतरित किया जाए। अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह आदेश मुख्य न्यायाधीश रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति डब्ल्यू डिएंगदोह की खंडपीठ ने उन विदेशी नागरिकों की हिरासत से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है।

राज्य सरकार की ओर से दाखिल स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक करीब 30 विदेशी नागरिक अपनी सजा पूरी कर चुके हैं, लेकिन अब भी हिरासत में हैं। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि सरकार ने लैतुमखरा, शिलॉन्ग स्थित एमबीओएसई छात्रावास को अस्थायी निरुद्ध केंद्र के रूप में चिह्नित किया है। इससे पहले कोर्ट ने इस उद्देश्य के लिए नोंगस्टोइन में एक भवन के इस्तेमाल के प्रस्ताव पर असंतोष जताया था।

रिपोर्ट के मुताबिक तीन मंजिला छात्रावास में छह शयनकक्ष में करीब 60 बिस्तर हैं और इसे वर्तमान में हिरासत में रखे गए विदेशी नागरिकों के लिए पर्याप्त माना है। केंद्र में पर्याप्त सुरक्षा एवं प्रशासनिक कर्मी, चिकित्सा कर्मचारी, सीसीटीवी कैमरे और अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध होंगे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि विदेशी नागरिकों को जल्द से जल्द और किसी भी स्थिति में 28 सितंबर तक इस केंद्र में स्थानांतरित किया जाए।

कोलकाता की विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कोर्ट को बताया कि चार मामलों में निर्वासन के आदेश जारी किए जा चुके हैं और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि सजा पूरी कर चुके लेकिन अब भी जेल में बंद अन्य विदेशी नागरिकों के मामलों में भी उचित कदम उठाए जाएंगे। कोर्ट को बताया कि दो कैदी म्यांमा, दो नाइजीरिया और एक बांग्लादेश का नागरिक है, जो पांच साल से ज्यादा समय से हिरासत में है।

खंडपीठ ने राज्य सरकार और एफआरआरओ से यह भी जानकारी मांगी कि सजा पूरी होने के बावजूद हिरासत में रखे गए विदेशी नागरिकों को मुआवजा देने की प्रक्रिया क्या होगी। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को उस दिन व्यक्तिगत रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

ट्राई की सख्ती : कंपनियों को बिना डेटा वाले प्लान का देना होगा विकल्प

अब सस्ते होंगे रिचार्ज, मिलेगी पूरी वैलिडिटी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कम आय वाले दूरसंचार उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ट्राई ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को कम वैधता वाले केवल वॉइस कॉल और एसएमएस प्लान पेश करने का निर्देश दिया है। इन प्लान में उचित टैरिफ कटौती भी करनी होगी। इस निर्णय से उन उपभोक्ताओं को अधिक किफायती और लचीले रिचार्ज विकल्प मिलेंगे, जिन्हें डेटा सेवाओं की आवश्यकता नहीं है।

ट्राई ने अपने दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (तेरहवां संशोधन) विनियम, 2026 में यह बात कही है। इस कदम से उपभोक्ताओं को अपनी आवश्यकताओं और वित्तीय क्षमता के अनुसार रिचार्ज करने के अधिक विकल्प मिलेंगे। नए ढांचे के तहत, सेवा प्रदाताओं को 30 दिन और उससे कम की वैधता अवधि वाले केवल वॉइस और एसएमएस एसटीवी (विशेष टैरिफ वाउचर) पेश करने होंगे। इसके साथ ही, वर्तमान में वॉइस, एसएमएस और डेटा के लिए दिए जा रहे एसटीवी की वैधता अवधि के अनुरूप टैरिफ में उचित कमी भी करनी होगी।

यूपी, उत्तराखंड और बंगाल की 12 राज्यसभा सीटों पर 16 अक्टूबर को चुनाव

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की कुल 12 राज्यसभा सीटों पर 16 अक्टूबर को चुनाव होंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक, इनमें उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की 1 सीट शामिल है, जबकि पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव होगा। चुनाव का नोटिफिकेशन 29 सितंबर को जारी होगा और 6 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के 7, सपा के 1 और बसपा के 1 मौजूदा सदस्य का कार्यकाल खत्म हो रहा है। वहीं, पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा की सीट 11 सितंबर से खाली है। मौजूदा विधानसभा संख्या के आधार पर भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के 8 और सपा के 2 सीटें जीतने की स्थिति में होने की बात कही गई है। इससे बसपा का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व खत्म हो सकता है। उत्तराखंड में भाजपा सांसद नरेश बंसल का कार्यकाल खत्म हो रहा है और पार्टी के सीट बरकरार रखने की स्थिति में होने की बात कही गई है। पश्चिम बंगाल में रुक्मिणी मल्लिक के इस्तीफे के बाद एक सीट खाली हुई है, जिस पर उपचुनाव होगा। वोटिंग और मतगणना 16 अक्टूबर को होगी।

कुछ ना कहना

त्यौहारी हवाई किराए पर सरकार का रुख स्पष्ट

कोई सीमा नहीं, पर उचित दर रखने की सलाह

नई दिल्ली। आगामी त्यौहारों के सीजन में हवाई यात्रा करने की योजना बना रहे यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने साफ किया कि सरकार त्यौहारों के मौसम के लिए हवाई किराए पर कोई ऊपरी सीमा तय नहीं करेगी। हालांकि, उन्होंने एयरलाइंस से किराए को उचित और यात्रियों के लिए वहनीय रखने का आग्रह किया है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विमानन कंपनियों की परिचालन लागत बढ़ गई है, जिसका मुख्य कारण विमान ईंधन (एटीएफ) की बढ़ती कीमतें हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट को एटीएफ की कीमतों में वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि एटीएफ किसी भी एयरलाइन की परिचालन लागत का 40 से 43 प्रतिशत हिस्सा होता है, और इसमें मामूली वृद्धि भी सीधे तौर पर टिकट की कीमतों को प्रभावित करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वृद्धि केवल त्यौहारों के कारण नहीं, बल्कि वैश्विक संकट की वजह से है। उड़ान योजना के अगले चरण के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर करने के दौरान नायडू ने कहा कि सरकार एयरलाइंस के साथ लगातार संवाद में रहती है और उनके साथ नियमित बैठकें भी करती है। उन्होंने दोहराया कि एयरलाइंस को त्यौहारों के समय में किराए को इसतरह के स्तर पर बनाए रखना चाहिए जिससे यात्री लाभान्वित हो सकें।

आईआईटी बॉम्बे के बाहर छात्र की मौत पर प्रदर्शन, कार्यकर्ता हिरासत में

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई के मुख्य द्वार के बाहर प्रदर्शनरत रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) और भारत मुक्ति मोर्चा के कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यह प्रदर्शन 22 वर्षीय छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में न्याय और दोषी प्रोफेसर पर कार्रवाई की मांग को लेकर हो रहा था।

ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र वाकोडे 18 सितंबर को अपने छात्रावास के कमरे में मृत मिला था। अधिकारियों के अनुसार, इससे कुछ घंटे पहले उन्हें परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन के जरिए चैटजीपीटी का इस्तेमाल करते पकड़ा गया था। वाकोडे की मौत के बाद छात्रों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के प्रदर्शनों के कारण संस्थान ने प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को प्रशासनिक मामलों के डीन पद से हटाया था। डूला के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और जातिगत भेदभाव से संबंधित मामला दर्ज हुआ है। वाकोडे के परिवार की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने डूला के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भारत मुक्ति मोर्चा और बाद में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के कार्यकर्ता बिना अनुमति के एकत्र हुए थे। उन्हें तुरंत हटाकर एहतियातन हिरासत में लिया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पवई पुलिस थाने ले जाया गया। प्रदर्शनकारी वाकोडे के लिए न्याय और कुछ मांगों को लेकर नारे लगा रहे थे।

इस बीच, आईआईटी मुंबई के छात्रों में इन प्रदर्शनों को लेकर मिली-जुली राय है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र ने संस्थागत स्तर पर जातिगत भेदभाव के आरोपों को खारिज किया, लेकिन प्रोफेसर डूला जैसे कुछ संकाय सदस्यों की कठोर नीतियों को लेकर छात्रों की शिकायतों को माना है। छात्र ने कहा कि परिसर के बाहर जारी प्रदर्शनों की अब जरूरत नहीं है, क्योंकि संस्थान के निदेशक छात्रों की 18 प्रमुख मांगें पहले ही स्वीकार कर चुके हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि अब भी प्रदर्शन कर रहे लोग बाहरी राजनीतिक समूहों से प्रभावित हो सकते हैं। प्रदर्शनों के मद्देनजर परिसर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इससे पहले, सोमवार को भी पुलिस ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था जो छात्र की आत्महत्या को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

जनसुनवाई में 123 आवेदकों ने बताई अपनी व्यथा

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिये समस्या के समाधान के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 22 सितम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर कुमार उत्सव की अध्यक्षता में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री नन्दुश्री शीमा, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक ने आवेदकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 123 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर पहुँचे।

कृषि विषय प्रारंभ करने की मांग

जनसुनवाई में बैहर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बिठली के सरपंच एवं ग्रामवासी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिठली में कृषि विषय प्रारंभ कराने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि विद्यालय के अधिकांश विद्यार्थी कृषि परिवारों से जुड़े हैं और इस विषय में उनकी विशेष रुचि है। कृषि विषय शुरू होने से विद्यार्थियों को आधुनिक खेती, सिंचाई, मृदा संरक्षण एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी मिलेगी। अतः उन्होंने विद्यालय में कृषि विषय शुरू करने की अनुमति एवं आवश्यक व्यवस्था करने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

जन्मतिथि सुधरवाने की मांग

खैरलांजी विकासखंड अंतर्गत ग्राम सावरी की पूनम बनोटे अपने पिता स्व. सुरेश बनोटे की संबल कार्ड में दर्ज जन्मतिथि सुधारने की मांग लेकर आयी थी। पूनम का कहना था कि उनके पिता की वास्तविक जन्मतिथि स्कूल दस्तावेजों के अनुसार 16 जुलाई 1968 है, जबकि संबल कार्ड में उम्र अधिक दर्ज है। जन्मतिथि में अंतर के कारण संबल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है और जनपद पंचायत स्तर से आवेदन निरस्त कर दिया गया। अतः शीघ्र जन्मतिथि सुधार कर संबल योजना का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में श्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

छः माह से नहीं मिला मानदेय

बैहर विकासखंड की ग्राम पंचायत कंदई निवासी सुनिता उइके को समग्र आईडी के दूसरे जिले में प्रदर्शित होने की शिकायत लेकर आयी थी। उसने बताया कि उसकी समग्र आईडी भोपाल नगर पालिका में दिख रही है, जबकि पंचायत सचिव द्वारा ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन अनुरोध दर्ज किया गया है। समग्र आईडी सत्यापन नहीं होने के कारण उसे मध्यान्ह भोजन रसोईया के कार्य का करीब छह माह से मानदेय नहीं मिला है। अतः शीघ्र समग्र आईडी में सुधार कराया जाए। इस प्रकरण में डीईओएम को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

प्रकाश व्यवस्था बाधित हो रही

जनसुनवाई में नगरीय क्षेत्र बालाघाट के बोरीखेत बावनथड़ी गेस्ट क्षेत्र के खंभा क्रमांक इक-13/2 पर लगी स्ट्रीट लाइट की विद्युत लाइनिंग खराब होने से प्रकाश व्यवस्था बाधित होने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि विद्युत लाइनिंग खराब होने से रात के समय अंधेरा रहता है जिससे स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अतः शीघ्र लाइनिंग एवं बल्ब कनेक्शन की मरम्मत की जाए। इस प्रकरण में सीएमओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बकाया मजदूरी दिलाई जाये

जनपद पंचायत परसवाड़ा के निवासी ठेकेदार नरेंद्र गिरी गोस्वामी बस स्टैण्ड शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं शौचालय सह सभा मंच निर्माण कार्य में लगी श्रमिकों की बकाया मजदूरी का भुगतान कराने की मांग लेकर आये थे। नरेंद्र का कहना था कि निर्माण कार्य के दौरान श्रमिकों की 03 लाख 48 हजार रुपए की मजदूरी की राशि शेष है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का ग्राउंड फ्लोर पूर्ण हो चुका है, जबकि फर्स्ट फ्लोर व सभा मंच का कार्य अभी जारी है। नरेंद्र ने बकाया मजदूरी का भुगतान शीघ्र कराने की मांग की, ताकि शेष निर्माण कार्य समय पर पूरा कराया जा सके। इस प्रकरण में में जनपद सीईओ परसवाड़ा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

6 माह बाद भी सीमांकन नहीं हुआ

लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम नगपुरा के हीरालाल मेहरबान आवेदन प्रस्तुत करने के छह माह बाद भी सीमांकन नहीं होने की शिकायत लेकर आये थे। हीरालाल का कहना था कि उसने 05 जनवरी 2026 को भूमि सीमांकन के लिए तहसील कार्यालय लालबर्रा में आवेदन प्रस्तुत किया था किंतु राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी द्वारा टालमटोल किए जाने से उसे बार-बार तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उसने मामले में उचित एवं वैधानिक कार्यवाही कर भूमि का सीमांकन कराने की मांग की है। इस प्रकरण में लालबर्रा तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

लाडली बहना आवास योजना का लाभ दिलाया जावे

किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम खैरवाही निवासी कौशिका बावनकर मुख्यमंत्री लाडली बहना आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। कौशिका ने बताया कि बाढ़ के कारण उसका पुराना मकान जीर्ण-शीर्ण होकर गिर गया था, जिसके बाद परिवार ने कर्ज लेकर मकान का कुछ हिस्सा बनाया है। उसने आवास निर्माण के लिए योजना के तहत राशि स्वीकृत कर सहायता प्रदान करने की मांग की है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं।

कालोनाइजरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

लामता के बैगपुर रोड स्थित कॉलोनी के रहवासियों ने जनसुनवाई में कॉलोनीनाइजरों पर सुविधाएँ का झांसा देकर प्लॉट बेचने की शिकायत की। उनका कहना था कि प्लॉट बिक्री के समय सड़क, बिजली, नाली, गार्डन, पेड़ और मंदिर जैसी सुविधाएं देने का भरोसा दिलाया गया था। किंतु अब तक कॉलोनी में न तो सड़क की समुचित व्यवस्था हुई और न ही बिजली सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर संबंधित कॉलोनीनाइजरों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इस प्रकरण में एसडीएम बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

परिवार पेंशन नहीं मिल रही है

तिरोड़ी निवासी विमला बाई बैस पति की मृत्यु के बाद परिवार पेंशन नहीं मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। विमला बाई ने बताया कि पेंशन भुगतान आदेश में उनका नाम गलत दर्ज होने के कारण बैंक द्वारा पेंशन जारी नहीं की जा रही है। नाम सुधार के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज एवं शपथपत्र जिला पेंशन कार्यालय में जमा करने के बावजूद अब तक पेंशन शुरू नहीं हुई है। उसने बताया कि उसकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है अतः परिवार पेंशन शीघ्र शुरू की जाए। इस प्रकरण में जिला पेंशन अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

हरदौली नाले से अवैध रेत भरकर ले जा रहा ट्रैक्टर पकड़ाया-दो आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए हरदौली नाले से रेत भरकर ले जा रहे एक ट्रैक्टर को पकड़ा। इस मामले में ट्रैक्टर चालक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं खनिज संबंधी प्रावधानों के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है। तिरोड़ी पुलिस के अनुसार 22 सितंबर को सहायक उपनिरीक्षक रघुनाथ पटले हमराह आरक्षक विकास सोलंकी के साथ पेट्रोलिंग पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हरदौली नाले से एक व्यक्ति अवैध रूप से ट्रैक्टर में रेत भरकर ले जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने प्रधान आरक्षक लालजीन चुकी सहित स्टाफ को साथ लेकर हरदौली मेन रोड पर पहुंचकर घेराबंदी की। कुछ देर बाद हरदौली नाले की ओर से एक नीले रंग का महिन्द्रा कंपनी का ट्रैक्टर एवं रेत से भरी ट्रॉली आती दिखाई दी। पुलिस ने चालक को रोककर पूछताछ की। चालक ने अपना नाम रुपलाल बागड़े 35 वर्ष बोरकहरा थाना तिरोड़ी निवासी बताया। ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरी रेत के संबंध में रॉयल्टी पूछे जाने पर चालक कोई रॉयल्टी प्रस्तुत नहीं कर सका मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित होने के कारण पुलिस द्वारा पंचनामा तैयार कर ट्रैक्टर-ट्रॉली को चालक सहित थाना लाया गया। पूछताछ में चालक रुपलाल बागड़े ने पुलिस को बताया कि चन्द्रशेखर उर्फ शेखर पुष्पतोड़े के कहने पर वह हरदौली नाले से रेत भरकर बोरकहरा की ओर ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी रुपलाल बागड़े के कब्जे से रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, चाबी एवं मोबाइल फोन जप्त किया। पूछताछ के आधार पर दूसरे आरोपी चन्द्रशेखर उर्फ शेखर पुष्पतोड़े 26 वर्ष बोरकहरा निवासी को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार उसके द्वारा ट्रैक्टर से हरदौली नाले से रेत चोरी कर बोरकहरा लाने के लिए रुपलाल को कहे जाने की बात सामने आई। पुलिस ने उसके कब्जे से ट्रैक्टर की चाबी तथा मोबाइल फोन भी विधिवत जप्त किया। तिरोड़ी पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध धारा 303(2), 317(5), बीएनएस 2023, धारा 53(1) मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 1996 तथा धारा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम 1952 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की विवेचना की जा रही है। पुलिस की इस कार्यवाही को क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है।

Government of Madhya Pradesh
Higher Education Department,
Government College Lanji, Distt. Balaghat, Pin- 481222

Tender Notice- NITNo:- 2026_HED_537484_1
RFQNo:-679/2026/Sports Item Lanji

GOVERNMENT DEGREE COLLEGE, LANJI DISTT. BALAGHAT, PIN- 481222, DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION GOVERNMENT OF MADHYAPRADESH invites Request for Bid for Procurement of Goods - Supply, Installation, Testing, Commissioning of Sports Items bid proposal to college. Interested bidders are requestedto view the mptender.gov.in e-Portal for the Bid Information from 21/09/2026 onwards. Last date of Submission on 13/10/2026.

Principal
Government College Lanji, Distt. Balaghat Higher Education Department

बच्चों की प्रतिभा और सपनों को मंच दे रहा सेवा संकल्प अभियान- गौरव पारधी

२५ करोड़ बच्चों के सपनों का भारत अभियान के तहत विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के २५ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं भाषण जैसी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इसी राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत ज्योतिफुले विद्यालय कटंगी में छात्र छात्राओं के द्वारा तैयार की गई चित्रकलाओं का विधायक गौरव सिंह पारधी ने अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थियों के विचार भी सुने।

विधायक गौरव सिंह पारधी इस राष्ट्रव्यापी अभियान में मध्यप्रदेश के प्रदेश सह संयोजक की भूमिका में भी सक्रिय रूप से जुड़े हैं। बच्चों ने अपने चित्रों और भावनों के माध्यम से भारत के भविष्य विकास और अपने सपनों को अभिव्यक्त किया। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के २५ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने का माध्यम बन रहा है। २५ करोड़ बच्चों के सपनों का भारत जैसी पहल के जरिए विद्यार्थियों को अपने सपनों और विचारों को व्यक्त करने का मंच मिल रहा है, क्योंकि यही बच्चे आने वाले समय में देश के विकास की जिम्मेदारी संभालेंगे। विधायक पारधी ने कहा कि विद्यार्थियों की कल्पनाओं और प्रतिभा में भारत के भविष्य की झलक दिखाई देती है। ऐसे आयोजनों से बच्चों की छिपी प्रतिभा सामने आती है। विधायक ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, पालकों, शिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सहयोगियों को शुभकामनाएं देते हुए अभियान से जुड़े वरिष्ठजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा संकल्प अभियान १७ सितंबर से १७ अक्टूबर २०२६ तक आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत देशभर के विद्यालयों में २५ करोड़ बच्चों के सपनों का भारत पहल के तहत १७ सितंबर से ७ अक्टूबर तक चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। विद्यालय स्तर पर चयनित श्रेष्ठ चित्रों एवं पोस्टरों की जिला स्तरीय प्रदर्शनियां २६ सितंबर से २ अक्टूबर के बीच आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सतीन्द्र अग्रवाल, शिवकांत बिसेन, मंडल अध्यक्ष मुकेश चौकसे,नील सिंह ठाकुर, के एल चौधरी एवं टिकाराम बाघमारे सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन बनी सरपंच की परेशानी का कारण, फर्जी शिकायतों का आरोप

शंकरपिपरिया की महिला सरपंच पहुंचीं जनसुनवाई, लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन ने आमजन की समस्याओं को सीधे प्रशासन तक पहुंचाने और उनके निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन नंबर 181 शुरू किया है, लेकिन खैरलांजी क्षेत्र की ग्राम पंचायत शंकरपिपरिया की महिला सरपंच ने इसी व्यवस्था के कथित दुरुपयोग को लेकर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई है। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए सरपंच लता मनीष पारधी ने आरोप लगाया कि पंचायत के कामकाज को प्रभावित करने की नीयत से कुछ लोगों द्वारा लगातार सीएम हेल्पलाइन में शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं। उनका कहना है कि यदि पंचायत में वास्तव में कोई अनियमितता होती है तो शिकायत करना ग्रामीणों का अधिकार है और उसका नियमानुसार निराकरण भी किया जाना चाहिए, लेकिन यदि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रामीणों के मोबाइल का उपयोग कर उनके नाम से शिकायतें दर्ज कराई जाएं तो यह पंचायत प्रतिनिधियों को परेशान करने का माध्यम बन जाता है। सरपंच ने अपने आवेदन में बताया कि ग्राम पंचायत शंकरपिपरिया में वह सरपंच और अनिता बिसेन सचिव के रूप में पंचायत का संचालन कर रही हैं। उनके अनुसार ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम तीजटेकाड़ी के कुछ लोगों द्वारा पंचायत के कामकाज को लेकर लगातार शिकायतें की जा रही हैं। आरोप है कि कुछ ग्रामीणों के मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर उनके नाम से सीएम हेल्पलाइन में शिकायतें दर्ज कराई गई। सरपंच का कहना है कि कुछ नामों से एक से अधिक शिकायतें दर्ज होने की जानकारी भी सामने आई है। शिकायतों में पंचायत बंद रहने सहित अन्य आरोप लगाए गए, जबकि सरपंच के अनुसार पंचायत नियमित रूप से संचालित होती है। उन्होंने यह भी बताया कि 19 अगस्त को ग्राम सभा का आयोजन भी किया गया था। बाद में जब संबंधित शिकायतकर्ताओं से उनके नाम से दर्ज शिकायतों के संबंध में जानकारी ली गई तो कुछ लोगों ने कथित तौर पर बताया कि उनका मोबाइल फोन किसी अन्य व्यक्ति ने लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। महिला सरपंच ने कहा कि पंचायत क्षेत्र में विकास कार्य कराए जा रहे हैं, लेकिन लगातार शिकायतें किए जाने और कार्यस्थल पर विवाद की स्थिति पैदा होने से पंचायत का काम प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि तीज टेकाड़ी में विकास कार्यों के दौरान भी कई बार विवाद की स्थिति बनती है, जिससे पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों को परेशानी उठानी पड़ती है। सरपंच का कहना है कि महिला जनप्रतिनिधि होने के नाते वह अपनी जिम्मेदारी के अनुसार पंचायत का संचालन और विकास कार्य कराने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन बार-बार होने वाली कथित शिकायतों के कारण मानसिक दबाव की स्थिति बन रही है। उन्होंने कहा कि गलत कार्य होने पर सीएम हेल्पलाइन में शिकायत का निराकरण किया जा सकता है, लेकिन यदि शिकायत ही गलत तरीके से किसी के नाम पर कर दी जाए तो इससे होने वाली मानसिक प्रताड़ना का निराकरण कैसे होगा। सरपंच लता मनीष पारधी ने कलेक्टर से मांग की है कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और शिकायतकर्ताओं के बयान, संबंधित मोबाइल नंबर तथा उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि शिकायतें वास्तव में संबंधित लोगों ने दर्ज कराई थीं या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उनके मोबाइल का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यदि जांच में शिकायतें फर्जी अथवा जानबूझकर गलत तरीके से दर्ज कराना प्रमाणित होता है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए, ताकि पंचायत के विकास कार्यों में अनावश्यक बाधा और विवाद की स्थिति समाप्त हो सके। अब इस शिकायत पर प्रशासन की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के पीछे वास्तविक शिकायतकर्ता कौन है और लगाए गए आरोपों की हकीकत क्या है।

JOB VACANCY
WE ARE HIRING
- RECEPTION - SALARY 5000+
- SURVEYOR - SALARY 15000+
- AREA MANEGER - SALARY 20000+
- ELECTRONIC TECHNICIAN - SALARY 10000+

- CONTACT -
9826181028, 9232652868

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य के लिये
युवक - 01 पद
युवती - 02 पद
संपर्क- पायोनियर फाइनेंस
आम्बेडकर चौक, बालाघाट
मो. 9425448121

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं धनेन्द्र बाहेश्वर पिता श्री फागूलाल बाहेश्वर निवासी वार्ड न. 13 बेलगांव पोस्ट खारी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र का निवासी हूं।

यह कि मुझे जिला परिवहन कार्यालय बालाघाट से ड्राईविंग लाइसेंस जारी किया गया है उसमें त्रुटिवश मेरे नाम की स्पेलिंग में DHAMENDRA दर्ज हो गया है जबकि मेरे नाम की सही स्पेलिंग DHANENDRA है और यही नाम मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य समस्त अभिलेखों में दर्ज है।

अतः सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में मेरे नाम की स्पेलिंग सुधार कर सही स्पेलिंग DHANENDRA BAHESHWAR का उल्लेख किया जावे जो कि सत्य एवं सही है।

धनेन्द्र बाहेश्वर
DHANENDRA BAHESHWAR
ग्राम-बेलगांव पोस्ट खारी तह. लालबर्रा
जिला बालाघाट म.प्र.

आवश्यकता है
मेडिकल स्टोर हेतु
एक मेडिकल स्टोर के लिए योग्य एवं अनुभवी फार्मासिस्ट की आवश्यकता है
-योग्यता-
B.Pharma/D.Pharma
स्थान-बालाघाट
इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें
मो.- Jasmeet Singh
7470608744, 9630359874

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

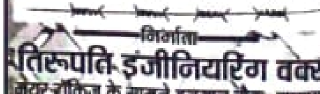

-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मेयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो.- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

ई-अटेंडेंस से मैदानी वन कर्मचारियों को मुक्त करने पर वन कर्मचारी संघ ने जताया आभार

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। मध्यप्रदेश वन विभाग में ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता को लेकर मैदानी वन कर्मचारियों के बीच बनी असमंजस की स्थिति अब दूर हो गई है। वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ

की मांग और मैदानी कर्मचारियों की व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए वनक्षेत्रपाल, उपवनक्षेत्रपाल, वनपाल एवं वनरक्षकों को एप्लीकेशन के माध्यम से ई-अटेंडेंस की व्यवस्था से मुक्त रखने के आदेश जारी किए गए हैं।बताया गया कि करीब दो माह पूर्व वन विभाग के समस्त कर्मचारियों के लिए ई-अटेंडेंस अनिवार्य किए जाने के आदेश जारी हुए थे। मैदानी वन कर्मचारियों ने इसका विरोध करते हुए बताया था कि वन क्षेत्रों में नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या के कारण नियमित रूप से एप पर उपस्थिति दर्ज करना व्यवहारिक रूप से कठिन है।

वर्दी में रीलबाजी पर डीजीपी का सख्त फरमान

पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के बाद अब जिले में आदेश के अमल पर टिकी नजर, थानों से लेकर पुलिस कार्यालयों तक दिख रहा ट्रेंड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में सरकारी पद और सरकारी संसाधनों को सोशल मीडिया की चमक-दमक का हिस्सा बनाने का चलन तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है। पिछले लंबे समय से शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा कार्यालय, शासकीय वाहनों और अपने पद से जुड़े संसाधनों के साथ फोटो-वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। शिक्षा विभाग हो, पुलिस विभाग हो या अन्य कोई शासकीय विभाग, सोशल मीडिया पर सरकारी पद और संसाधनों की झलक दिखाकर रील बनाने का सिलसिला लगातार दिखाई दे रहा है। हालांकि पुलिस विभाग ने अब इस बढ़ती रीलबाजी पर रोक लगाने के लिए बाकायदा गाइडलाइन जारी कर दी है, लेकिन सवाल यह है कि बालाघाट में इसका पालन आखिर कब और किस स्तर पर होगा। मध्यप्रदेश पुलिस के डीजीपी कैलाश मकवाणा द्वारा हाल ही में पुलिसकर्मियों के लिए सोशल मीडिया उपयोग को लेकर 24 बिंदुओं की गाइडलाइन जारी की गई है। इसमें ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया के उपयोग से लेकर वर्दी में फोटो-वीडियो बनाने, रील तैयार करने और शासकीय कार्यों से जुड़े दस्तावेजों अथवा गतिविधियों को सोशल मीडिया पर साझा करने सहित विभिन्न बिंदुओं को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। गाइडलाइन का मूल उद्देश्य पुलिस की वर्दी, पद और विभागीय संसाधनों के अनावश्यक सोशल मीडिया प्रदर्शन पर नियंत्रण रखना है। इसके बावजूद बालाघाट जिले में अलग-अलग थानों पर पुलिसकर्मियों द्वारा वर्दी में रील और फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए जाने की तस्वीरें और वीडियो लगातार सामने आते रहे हैं। महिला पुलिसकर्मी हों या पुरुष पुलिसकर्मी, अधिकारी हों या कर्मचारी,

सोशल मीडिया पर वर्दी के साथ रील बनाने का चलन पूरी तरह थमता नजर नहीं आ रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से लेकर साइबर सेल, यातयात थाना और जिले के अलग-अलग थानों तक सोशल मीडिया पर सक्रिय पुलिसकर्मियों की मौजूदगी देखी जा सकती है। दरअसल पुलिस की वर्दी को आमजन विश्वास, अनुशासन और सम्मान का प्रतीक मानता है। यही कारण है कि वर्दी में बनाई गई कोई भी रील अथवा फोटो सामान्य सोशल मीडिया पोस्ट की तुलना में कहीं अधिक तेजी से लोगों तक पहुंचती है। इसी बढ़ती पहुंच ने कुछ पुलिसकर्मियों को सोशल मीडिया पर अपनी अलग पहचान बनाने और व्यूज बटोरने का रास्ता भी दे दिया है। जिले के अलग-अलग थानों में ऐसे पुलिसकर्मियों की चर्चा है, जो अपने व्यक्तिगत सोशल मीडिया अकाउंट अथवा चैनल के माध्यम से लगातार कंटेंट अपलोड कर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि जब पुलिस मुख्यालय स्तर से सोशल मीडिया उपयोग को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं, तो क्या बालाघाट पुलिस भी इन निर्देशों को जमीन पर उतारने के लिए ठोस कदम उठाएगी। यातायात पुलिस से जुड़े सोशल मीडिया चैनल के वीडियो और रीलों की पहुंच तेजी से बढ़ने की चर्चा के बीच अब निगाहें बालाघाट पुलिस और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा पर टिकी हैं कि डीजीपी की गाइडलाइन के बाद जिले में किस तरह की कार्रवाई और निगरानी व्यवस्था लागू की जाती है। गाइडलाइन जारी होने के बाद अब मामला केवल रील बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देखने का विषय बन गया है कि विभागीय आदेशों का पालन किस स्तर तक कराया जाता है। क्या वर्दी में सोशल मीडिया रीलबाजी पर वास्तव में अंकुश लगेगा, क्या व्यक्तिगत सोशल मीडिया चैनलों की गतिविधियों की निगरानी होगी और क्या सरकारी संसाधनों तथा पद की गरिमा को सोशल मीडिया कंटेंट से अलग रखा जाएगा , इन सवालों का जवाब आने वाले दिनों में बालाघाट पुलिस की कार्रवाई से ही सामने आएगा।

यूपीआई पर अतिरिक्त शुल्क का व्यापारियों ने किया विरोध

पहले बनाई कैशलेस व्यवस्था, अब वापस कैश व्यापार पर ला रही सरकार ?

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। डिजिटल भुगतान व्यवस्था के तहत यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित शुल्क को लेकर व्यापारियों में असंतोष बढ़ने लगा है। इसी क्रम में मंगलवार को कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की बालाघाट जिला इकाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 2 हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लगाने के निर्णय को लागू नहीं करने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के बाद अब उस पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जाना छोटे कारोबारियों के लिए परेशानी बढ़ाने वाला कदम होगा।

छोटे व्यापारियों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

ज्ञापन के माध्यम से कैट पदाधिकारियों ने कहा कि छोटे दुकानदार और कारोबारी पहले से ही डिजिटल माध्यम से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। ऐसे में यूपीआई भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगने से उनके कारोबार की लागत बढ़ सकती है और इसका असर व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ेगा।

निर्णय पर पुनर्विचार की मांग

व्यापारी प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगाए जाने संबंधी निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए और इसे वापस लिया जाए। उनका कहना है कि डिजिटल भुगतान आम उपभोक्ताओं और व्यापारियों के लिए सुविधाजनक माध्यम बन चुका है। इस पर अतिरिक्त शुल्क लागू होने से छोटे व्यापारियों और ग्राहकों दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

इसलिए व्यापारी कर रहे विरोध

व्यापारियो के नाराज होने की वजह-यूपीआई पेमेंट पर लगने वाला नया शुल्क है।दरअसल सरकार ने 15 अक्टूबर से दो हजार रुपए से ज्यादा के पर्सन टु मर्चेंट यूपीआई पेमेंट पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाने का फैसला किया है।इसी फैसले के विरोध में व्यापारियों नो- यूपीआई डे का ऐलान किया है।दरअसल एमडीआर वह फीस है जो दुकानदार को डिजिटल पेमेंट लेने पर चुकानी पड़ती है। यह ग्राहक की जेब से नही कटती। अगर कोई ग्राहक दुकान पर पांच हजार रुपए का यूपीआई पेमेंट करता है,तो दुकानदार को पूरे पांच हजार रुपए मिल जाते हैं। इसके बाद बैंक या पेमेंट सिस्टम इस राशि पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर काटता है। पांच हजार का 0.4 प्रतिशत यानी बीस रुपए। यह बीस रुपए दुकानदार को अलग से चुकाने पड़ते हैं।75 हजार रुपए या उससे ज्यादा के लेन-दे पर यह चार्ज सीधे 300 रुपए तय कर दिया गया है।कैट पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारी संगठन लगातार डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए काम करता रहा है। इसलिए सरकार को ऐसा कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए, जिससे व्यापारियों में असुविधा अथवा असंतोष की स्थिति पैदा हो

त्यौहार के सीजन में बड़ा झटका

व्यापारियों का मानना है कि एमडीआर को लेकर यह फैसला ठीक फेस्टिवल सीजन में लिया गया है। गणेशोत्सव से लेकर नवरात्र, दशहरा और दिवाली तक बाजार में सबसे ज्यादा रौनक रहती है। इस दौरान टू-व्हीलर, फोर-व्हीलर,ज्वेलरी और कपड़े जैसी हर चीज जमकर बिकती है।उनके मुताबिक अकेले दिवाली के समय करीब एक हजार करोड़ रुपए का कारोबार होता है।कार बुकिंग हो या ज्वेलरी खरीदारी,दोनों में पेमेंट अक्सर दो हजार रुपए से ज्यादा का होता है। अगर चार सदस्यों वाला परिवार नए कपड़े खरीदे, तो बिल आठ से दस हजार रुपए तक पहुंच जाता है। ग्राहक ऑनलाइन पेमेंट देगा,तो व्यापारियों को उसपर 300 रुपए तक का चार्ज चुकाना पड़ेगा।

आंदोलन की भी दी चेतावनी

व्यापारियों ने ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी कि यदि प्रस्तावित शुल्क व्यवस्था को वापस नहीं लिया गया तो संगठन आगे आंदोलन का रास्ता अपनाने पर विचार करेगा। पदाधिकारियों के अनुसार शुल्क लागू होने की स्थिति में व्यापारी यूपीआई के माध्यम से होने वाले लेन-देन को कम करने अथवा सीमित करने के लिए मजबूर हो सकते हैं।उन्होंने केंद्र सरकार से व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित शुल्क व्यवस्था को लागू नहीं करने और पूर्व की व्यवस्था बनाए रखने की मांग की है।

एमडीआर शुल्क के निर्णय को वापस ले सरकार

कैट जिला अध्यक्ष भवानीशंकर टेकड़ीवाल एवं यज्ञेष लालू चावड़ा ने बताया कि संगठन लंबे समय से व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम और सेमिनार आयोजित करता रहा है। व्यापारियों को ऑनलाइन भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया, लेकिन अब यूपीआई लेन-देन पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव व्यापारियों के हितों के विपरीत है।इस दौरान कैट के जिला सचिव गणेश अग्रवाल, जिला संगठन मंत्री दिलीप कारडज्ञ, जिला प्रचार सचिव मनोज श्रीवास, जिला सहसचिव कपिल जैन, दीपक गुप्ता, दीपक जैन, विमल खंडेलवाल, संजय संतवानी, जितेंद्र वर्मा, खुशराज बनोटे, बरसात चौबे सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

पांच साल भोजन बनाया, अब काम से हटाया, रोजगार के लिए जनसुनवाई में पहुंचीं महिलाएं

उकवा के एकलव्य छात्रावास में भोजन व्यवस्था से हटाए जाने का आरोप, महिलाओं ने वार्डन और शिक्षकों पर लगाए मनमानी के आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उकवा क्षेत्र के ग्राम पोंडी की आधा दर्जन से अधिक महिलाएं रोजगार से जुड़ी अपनी समस्या लेकर 22 सितंबर को बालाघाट कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचीं। महिलाओं ने बताया कि सागर आजीविका महिला स्व-सहायता समूह के माध्यम से वे एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा के कन्या छात्रावास में करीब पांच वर्षों से छात्राओं के लिए भोजन तैयार करने का काम कर रही थीं, लेकिन पिछले कुछ महीनों से अचानक उन्हें इस कार्य से हटा दिया गया। महिलाओं का कहना है कि बिना कोई लिखित आदेश दिखाए उन्हें यह कहकर काम बंद करवा दिया गया कि ऊपर से आदेश आया है और अब भोजन व्यवस्था के लिए नई नियुक्ति की जाएगी। समूह की सदस्य रुखसार अली ने बताया कि छात्रावास के वार्डन मोहित शर्मा तथा शिक्षक अनिल और संजय राय की ओर से उन्हें काम बंद करने की जानकारी दी गई थी। महिलाओं के अनुसार उन्हें बताया गया था कि अब छात्रावास में भोजन तैयार करने के लिए नई व्यवस्था की जाएगी और प्रशिक्षित एवं पढ़े-लिखे कर्मचारियों को रखा जाएगा। महिलाओं का आरोप है कि उन्हें हटाने के कुछ समय बाद छात्रावास में दोबारा भोजन बनना शुरू हो गया और स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों को काम पर रख लिया गया। ऐसे में उनका सवाल है कि यदि वास्तव में ऊपर से नई व्यवस्था को लेकर कोई आदेश आया था तो उन्हें उसका आदेश क्यों नहीं दिखाया गया और पांच वर्षों से काम कर रहे उनके समूह को हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से क्यों नहीं अपनाई गई। महिलाओं ने आरोप लगाया कि उन्हें हटाए जाने के पीछे किसी स्पष्ट शासकीय आदेश के बजाय छात्रावास प्रबंधन की मनमानी जिम्मेदार है। उनका कहना है कि पांच वर्षों से इसी काम से मिलने वाली आय से उनके परिवारों का गुजारा चल रहा था, लेकिन अचानक रोजगार छिन जाने के बाद उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। महिलाओं ने जनसुनवाई में आवेदन देकर पूरे मामले की जांच कराने, उन्हें भोजन व्यवस्था के कार्य में दोबारा अवसर देने तथा यदि उनके स्थान पर नई व्यवस्था की गई है तो उसकी प्रक्रिया और नियमों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। महिलाओं का कहना है कि वे किसी विवाद के बजाय नियमानुसार अपना रोजगार वापस चाहती हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच से ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। मामले को लेकर जिले के आदिवासी छात्रावासों की व्यवस्था देख रही अधिकारी शकुंतला डामोर से दूरभाष पर पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होनें हर बार की तरह इस बार भी फोन रिसीव नही । अब जनसुनवाई में महिलाओं द्वारा दिए गए आवेदन के बाद यह देखना होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या जांच करता है और पांच वर्षों से छात्रावास में भोजन व्यवस्था का काम कर रही महिला समूह को हटाने के पीछे वास्तविक कारण क्या था। फिलहाल रोजगार से वंचित महिलाओं ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है।

संभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता में बालाघाट की बेटियों का शानदार प्रदर्शन

फाइनल में डिंडोरी को 3-0 से हराकर मिनी वर्ग में बनीं विजेता

10 खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जबलपुर में 21 सितंबर को आयोजित संभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता के मिनी वर्ग में बालाघाट की बेटियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में बालाघाट की टीम ने डिंडोरी को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से पराजित कर प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता साबित की।बालाघाट जिले की ओर से कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट, गोंगलाई की छात्राओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। टीम की खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और खेल कौशल का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले में भी खिलाड़ियों ने शुरू से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए डिंडोरी की टीम पर दबाव बनाए रखा और 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। टीम की इस उपलब्धि पर सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर, जिला प्रधाधिकारी डी.के. मेश्राम, प्राचार्य श्रीमती सुनीता बोरकर सहित संस्था के समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों एवं टीम के प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।संस्था के पीटीआई श्री कमल किशोर तेलासे ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर टीम की 10 खिलाड़ियों का चयन विभागीय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए किया गया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 23 सितंबर को शहडोल में किया जाएगा। बालाघाट की खिलाड़ियों के चयन से विद्यालय एवं जिले में खुशी का माहौल है।

जबलपुर और उमरिया के बीच खिताबी भिड़ंत का फाइनल आज

रोमांचक मुकाबले में भोपाल को हराकर जबलपुर फाइनल में पहुंचा, उमरिया ने बालाघाट को 5-2 से दी शिकस्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय शहीद चंद्रशेखर एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान में हॉकी बालाघाट एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 23 सितंबर बुधवार को जबलपुर और उमरिया के बीच दोपहर 2.30 बजे से खेला जाएगा। हॉकी खिलाड़ी हीरालाल नागोसे एवं मेशराम शरणागत की स्मृति में आयोजित इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले को लेकर खेलप्रेमियों में खासा उत्साह है। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर सत्यम कुमार, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, एसडीएम गोपाल सोनी, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, हॉकी मध्यप्रदेश उपाध्यक्ष विजय वर्मा सहित अन्य अतिथि मौजूद रहेंगे। प्रतियोगिता की विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। टूर्नामेंट के तीसरे दिन 22 सितंबर को दो क्वार्टर फाइनल और दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। सुबह हुए पहले क्वार्टर फाइनल में जबलपुर और नरसिंहपुर के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें जबलपुर ने 3-2 गोल से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे क्वार्टर फाइनल में उमरिया ने गोंदिया को 6-2 गोल से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। इसके बाद हुए पहले सेमीफाइनल में भोपाल और जबलपुर आमने-सामने रहे। भोपाल ने पहले मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन दूसरे हाफ में जबलपुर ने जोरदार वापसी करते हुए तीन गोल दागकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहने के बाद पेनाल्टी शूटआउट में जबलपुर ने 7-6 से जीत दर्ज करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। इस मुकाबले में अंपायर की भूमिका राजेश सेवईवार और विनोद साव ने निभाई। दूसरे सेमीफाइनल में उमरिया और बालाघाट की टीमें आमने-सामने रहीं। इस मुकाबले में उमरिया ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए बालाघाट को 5-2 गोल से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह बुधवार को होने वाले फाइनल में जबलपुर और उमरिया के बीच खिताब के लिए सीधी टक्कर होगी। आयोजन समिति ने खेलप्रेमी दर्शकों से अधिक से अधिक संख्या में मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। तीसरे दिन के मुकाबलों के दौरान उत्पानसिंह ठाकुर, सुशील वर्मा, रमेश उके, सुधांशु तिवारी, रमेश इंगले, राजकुमार शांडिल्य सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। प्रतियोगिता के दौरान शहर के प्रसिद्ध धुमाल वादक रामजी एवं उनके साथियों द्वारा धुमाल की मधुर धुनों से अतिथियों का स्वागत और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। इस हॉकी टूर्नामेंट में बालाघाट की दो टीमों के अलावा डीएचए जबलपुर, नागपुर एकेडमी, रायसेन, भोपाल, नरसिंहपुर, डीएचए सिवनी, बैतूल, गोंदिया, भंडारा और उमरिया की टीमों ने हिस्सा लिया। चार दिनों तक चल रही इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार एवं कलात्मक हॉकी का प्रदर्शन किया, जिसके चलते कई मुकाबले रोमांचक रहे। अब प्रतियोगिता का अंतिम मुकाबला जबलपुर और उमरिया के बीच होगा, जिसके बाद विजेता टीम के हाथों में टूर्नामेंट की ट्रॉफी होगी।

रानीकुठार-देवगांव मार्ग पर पुलिया की टूटी रेलिंग, दे रही हादसों को न्योता

आवागमन में राहगीरों को हो रही भारी परेशानी, कभी भी घटित हो सकती है बड़ी दुर्घटना, मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रानीकुठार से देवगांव को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित पुलिया इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरे का सबब बनी हुई है। पुलिया की सुरक्षा रेलिंग कई जगहों से क्षतिग्रस्त होकर टूट चुकी है जिससे हर समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। जबकि यह मार्ग दो ग्रामों को ही नही जोड़ता है बल्कि दर्जनों आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए आवागमन का मुख्य रास्ता है। इस मार्ग से रोजाना स्कूली बच्चें एवं कालेज पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी एवं ग्रामीणजन लालबर्रा मुख्यालय आते है। साथ ही यह मार्ग कंजई होते हुए लालबर्रा से सिवनी हाईवे मार्ग को जोड़ता है। लेकिन पुलिया की रेलिंग टूट जाने से पुल कमजोर होने से आवागमन करने वाले को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रेलिंग का मरम्मत कार्य करवाने के संबंध में जिम्मेदारों को अवगत भी करवा दिया गया हैं। लेकिन उनके द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

रात के अंधेरे में बढ़ जाता है खतरा

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत रानीकुठार से देवगांव पहुंच मार्ग के बीच से नाला गुजरा है, नाले के ऊपर सड़क विभाग के द्वारा विगत वर्ष पूर्व डामरीकरण सड़क के साथ ही पुलिया का निर्माण किया गया है। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से पुलिया के दोनों ओर सीमेन्ट की रेलिंग भी बनाई गई थी। लेकिन यह कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण रेलिंग टूट चुकी है। साथ ही पुलिया के दोनों ओर किनारे से मिट्टी का कटाव भी हो गया है, अगर तेज गति से दुपहिया एवं चौपहिया वाहन गुजरते है। जिससे बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता है। वहीं पुलिया पर सुरक्षा रेलिंग न होने के कारण विशेषकर रात के समय और स्थिति बेहद खतरनाक हो जाती है। मार्ग पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था न होने के कारण दुपहिया, चौपहिया वाहनों के पुलिया से नीचे खाई में गिरने का खतरा हर पल बना रहता है, अगर वे अनियंत्रित होते है तो सीधे नाले में 20 से 25 फीट नीचे गिर सकते है। वहीं बारिश या कोहरे के मौसम में यह स्थिति और अधिक विकराल रूप ले लेती है, पूर्व में दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि टूटी रेलिंग को लेकर कई बार संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस तरह प्रशासन की उदासीनता के चलते किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। जबकि पुलिया की रेलिंग टुटने के साथ ही पुलिया भी कमजोर हो चुका है, ओवरलोड़ वाहन के गुजरने से कंपन करता है, जिससे पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो सकता है। इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से टूट चुकी रेलिंग का मरम्मत कार्य या फिर नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की है। ताकि राहगीर एवं ग्रामीणजन सुरक्षित आवागमन कर सके।

डोंकरबंदी के बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा हुई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत डोंकरबंदी स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति की गत दिवस वार्षिक आमसभा संपन्न हुई। यह कार्यक्रम श्रीमती धनेश्वरी गौतम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। वहीं आमसभा की शुरूआत में आमसभा में 1 से 8 क्रमांक के विषयों पर बिन्दुवार विचार-विमर्श किया, जिसे संस्था प्रबंधक बीके राणा द्वारा प्रस्तुत किया गया। साथ ही संस्था द्वारा अनुमानित बजट एवं संस्था से संबंधित संपूर्ण गतिविधियों की विस्तृत जानकारी सदस्यों के समक्ष रखी। साथ ही संस्था द्वारा संचालित सभी योजनाओं की जानकारी देते हुए योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है। कार्यक्रम के दौरान कृषि विस्तार अधिकारी आंचल खोब्रागढ़े ने किसानों को फसलों में लगने वाली बीमारियों, कीट नियंत्रण तथा दवाओं के सही एवं संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक किया। वहीं पीएमएफबीवाई के प्रतिनिधि जितेन्द्र जिजोते ने किसानों को 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बुट्टा ह. के सरपंच चंद्रकिशोर बघेले, एफएल चौहान, मूलचंद चौहान, नेतलाल चौधरी, देवीलाल चौरे, गोडेगांव के एल.एल. बोपचे,

अभिमन्यु अंगूरे, प्रमोद सपाटे, बाबूलाल टेम्भरे, अशोक ठाकरे, रेखलाल ठाकरे, हिरकंता पटले, धनसिंह पटले, ओमनारायण रहांगडाले, संस्था कर्मचारी रामकरण भगत, संजय रहांगडाले, तेजराम परते, अमित खोखले, ईश्वरदयाल सलामे, सम्पत राउत, मोरेश्वर सोनेवाने, भिवेन्द्र आमाडारे, अंजीलाल नगपुरे सहित बड़ी संख्या में कृषक सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा के लालबर्रा मंडल अध्यक्ष बने दिनेश पंचेश्वर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष की सहमति, जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे की अनुशंसा से भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष यशवंत लिल्हारे के द्वारा दिनेश पंचेश्वर को लालबर्रा मंडल के भाजपा किसान मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्री पंचेश्वर के भाजपा किसान मोर्चा लालबर्रा मंडल अध्यक्ष बनने पर उनके शुभचिंतकों में हर्ष की लहर व्याप्त है। वहीं नवनियुक्त भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिनेश पंचेश्वर ने बताया कि शीर्षक नेतृत्व ने जो दायित्व सौंपा है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर किसानों के हित में काम किया जायेगा। दिनेश पंचेश्वर के भाजपा किसान मोर्चा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं देने वालों में पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन, जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, वेदनसिंह ठाकुर, कन्हैया चौहान, योगेश लिल्हारे, हितेश ठाकरे, सत्येन्द्र दमाहे, राजेन्द्र परिहार, अरूण गौतम, रूपचंद मानेश्वर, हुकुमचंद पंचेश्वर, टेकचंद माने, भेजेन्द्र रहांगडाले, आशीष खैरवार, बालकृष्ण पंचेश्वर, गुलशन नागेश्वर, निखिल मानेश्वर, अरूण पंचेश्वर, दुर्गाप्रसाद टेंभरे, गणेश मात्ते, हिमालय टेंभरे, हेमेन्द्र क्षीरसागर, बोनेश्वर बिसेन, तानसेन देशमुख, कमलेश तिवारी, व्यंकट राहंगडाले, मनोज यादव, संजू अवधिया, प्रशांत जैन, विजय पटले, अनिल बिसेन, मोहन गौतम, डॉ. खोजलाल सेलोकर, लालचंद मानेश्वर, संतोष बघेल सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल है।

नेवरगांव वा. शास. उमावि. में विभिन्न प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. स्थित शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत'

विषय पर सोमवार को निबंध, भाषण प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देश के प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की संस्था प्रभारी प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और कला के माध्यम से 'मेरे सपनों का भारत' की सुंदर झलक पेश की। वहीं उपस्थित गणमान्य नागरिकों, अतिथियों एवं संस्था के शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सुखराम भगत, बिसनु पारधी, मदनलाल भगत, गुलेन्द्र भगत, अंजना बोपचे, बीके मेहरा, श्रीमती लक्ष्मी पटले सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विघ्नहर्ता लंबोदर महाराज की आराधना जारी

नगर मुख्यालय सहित क्षेत्र में भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया जा रहा गणेशोत्सव पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में प्रथम पू'य विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी की आराधना का दस दिवसीय पर्व गणेशोत्सव भक्तिभाव एवं धूमधाम के साथ मनाया जा रहा। साथ ही गणेशोत्सव पर्व पर चहुंओर गणपति बप्पा मोरिया के जयकारों के गुंज सुनाई दे रही है। नगर मुख्यालय स्थित मंडी परिसर, अमोली स्थित देवी मंदिर, माँ सतबहनी मंदिर चौक लालबर्रा, मजार लालबर्रा, पनबिहरी सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर समितियों के द्वारा पंडालों में विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर लंबोदर महाराज की आराधना की जा रही है। साथ ही रोजाना विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। इस 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व पर भगवान श्रीगणेश के दर्शन करने के लिए श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है और सार्वजनिक गणेशोत्सव समितियों में आगामी 24 सितंबर को हवन-पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके बाद आस्था और भक्तिभाव के साथ प्रतिमाओं को नदी, नहर व तालाबों में विसर्जित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व का समापन किया जायेगा।

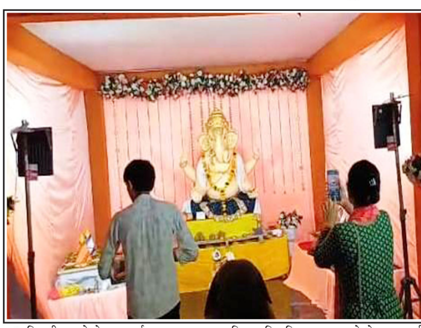

मानपुर में भगवान श्रीगणेश की हुई महाआरती

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित आखर चौक में सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के द्वारा गत दिवस प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। वहीं पर्व के दौरान रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। सोमवार की रात 8 बजे भगवान श्रीगणेश की महाआरती की गई एवं श्रध्दालुओं ने भगवान श्रीगणेश से आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। गणेशोत्सव पर्व के दौरान प्रतिदिन सुबह एवं रात में 8 बजे भगवान श्रीगणेश की आरती की जाती है। जिसमें श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है जिससे पूरे ग्राम में भक्तिमय माहौल निर्मित हो गया है। चर्चा में सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व श्रध्दा, उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार की रात में भगवान श्रीगणेश की महाआरती की गई और श्रध्दालुजन इस महाआरती कार्यक्रम में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित किये। साथ ही यह भी बताया कि पर्व के दौरान रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

ढोल ग्यारस पर भगवान लक्ष्मीनारायण की निकली शोभायात्रा

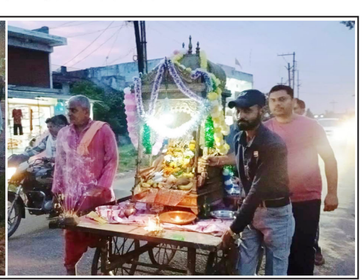

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर व राम मंदिर से संयुक्त रूप से 22 सितंबर को शाम 6 बजे ढोल ग्यारस पर्व के मौके पर भगवान लक्ष्मीनारायण (ठाकुर जी) व भगवान श्रीराम-लक्ष्मण की शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बजरंग मंदिर से ढोल ग्यारस के पावन अवसर पर शाम 6 बजे बैंड-बाजे के साथ भगवान लक्ष्मीनारायण (ठाकुर जी) की शोभायात्रा निकाली गई जो सर्वप्रथम राममंदिर पहुंची। जहां से भगवान राम-लक्ष्मण की शोभायात्रा को सम्मिलित किया गया तत्पश्चात यह शोभायात्रा संयुक्त रूप से नगर के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए सर्राटी नदी पहुंची। जहां जल विहार एवं विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। जिसके बाद यह शोभायात्रा वापस मंदिर पहुंची और भगवान को उनके स्थल पर विराजमान किया गया। जिसके बाद नदी से लाये गये जल से जलाभिषेक कर आरती की गई एवं प्रसादी वितरण किया गया। इस शोभायात्रा के दौरान भक्तजनों के द्वारा अपने-अपने घरों के सामने यात्रा को रोककर पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ अर्जित किया। बजरंग मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ढोल ग्यारस पर्व के अवसर पर बजरंग मंदिर एवं राम मंदिर से संयुक्त रूप से भगवान लक्ष्मीनारायण की शोभायात्रा निकाली गई। जो नगर मुख्यालय का भ्रमण करते हुए जल विहार करते हुए सर्राटी नदी में पूजन-अर्चन कर जल लाकर मंदिर में जलाभिषेक किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में महिला-पुरूष श्रध्दालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिये एवं पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ अर्जित किया है। इस अवसर पर श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

लोहारा के एकीकृत शास. मा. शा. में आयोजित हुई चित्रकला प्रदर्शनी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लोहारा स्थित एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला में 'सेवा से संकल्प' अभियान के अंतर्गत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम व चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के मुख्य आतिथ्य, पूर्व सरपंच नितिन ट`ेभर`, अनुसूचित जाति मोर्चा खमरिया मंडल के अध्यक्ष महेन्द्र अंबादे के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार की सुंदर चित्रकलाएं बनाई गई, जिनकी भव्य प्रदर्शनी लगाई गई। वहीं

अतिथियों के द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन कर ब'चों की प्रतिभा की सराहना की। वहीं चित्रकला प्रदर्शनी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों के हाथों पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे ने बच्चों को स्व'छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु शाला में आरओ लगाने की घोषणा की है। साथ ही शिक्षकों से बच्चों को अ'छी शिक्षा प्रदान करने के साथ ही शासन की योजना का लाभ दिलवाने एवं बच्चों को अ'छी पढ़ाई कर ने प्रेरित किया। वहीं कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने संबोधित करते हुए बच्चों को ध्यान लगाकर पढ़ाई करने, नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा माता-पिता व गुरूजनों का आदर करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर संस्था के प्रधानपाठक सत्यप्रकाश डोंगरे, शिक्षक हरिप्रसाद देशमुख, शिक्षिका श्रीमती आशा ठाकरे, श्रीमती तोषिया बिसेन एवं श्रीमती सरिता देशमुख सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जलविहार की भव्य शोभायात्रा हर्षोल्लास के साथ निकली

विभिन्न मंदिरों की झांकियों ने मोहा श्रद्धालुओं का मन, बड़ी संख्या में शामिल हुए धर्मप्रेमी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। डोल ग्यारस पर्व के अवसर पर 22 सितंबर को नगर में धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल रहा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के विभिन्न मंदिरों से भगवान को डोल में विराजित कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शाम करीब 4 बजे श्रीराम मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों, चौक चौराहों एवं गलियों से होते हुए वार्ड क्रमांक [illegible] स्थित बड़ी नहर पहुंची, जहां विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद भगवान का जलविहार कराया गया। इसके पश्चात सभी डोल पुनः अपने अपने मंदिर पहुंचे, जहां भगवान को विराजित कर आरती एवं पूजा अर्चना की गई और श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। डोल ग्यारस के अवसर पर नगर के मंदिरों से निकली भगवान की शोभायात्रा और बड़ी नहर में हुए जलविहार के दौरान पूरे नगर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर मंदिर समितियों के पदाधिकारी, सदस्य श्रद्धालु एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

6 मंदिरों के डोल बने आकर्षण का केंद्र

डोल ग्यारस पर श्रीराम मंदिर, [illegible] हनुमान [illegible] मंदिर, श्रीकृष्ण मंदिर [illegible], लक्ष्मीनारायण मंदिर, पंचायती मंदिर एवं [illegible] मंदिर से भगवान के डोल निकाले गए। श्रीराम मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा के दौरान क्रमशः अन्य मंदिरों से भी भगवान के डोल इसमें शामिल होते गए। [illegible]

जगह जगह स्वागत पश्चात् हुआ जलविहार

शोभायात्रा के दौरान नगर वासियों ने जगह जगह डोल को रोककर भगवान की पूजा अर्चना की और दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। [illegible]

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने लिया आशीर्वाद

शोभायात्रा के नगर भ्रमण के दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने अपने कार्यालय के सामने भगवान के डोल का स्वागत किया। उन्होंने भगवान की पूजा अर्चना कर नगर क्षेत्र एवं प्रदेश में सुख शांति और समृद्धि की कामना की। [illegible]

विधायक विवेक पटेल शोभायात्रा में हुए शामिल

डोल ग्यारस की शोभायात्रा में वारासिवनी विधायक विवेक पटेल भी अपने कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। उन्होंने भगवान कृष्ण की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की तथा श्रद्धालुओं के साथ शोभायात्रा में डोल उठाकर नगर भ्रमण किया।

भागवत कथा मनुष्य के हृदय में भक्ति, विवेक और वैराग्य को जगाती है-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। [illegible]

[illegible]

किसानों के आवागमन मार्ग से अतिक्रमण हटाने की मांग

भंडारबोड़ी के किसानों ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। [illegible]

[illegible]

धान की फसल में माऊ बीमारी का बढ़ता प्रकोप, किसान चिंतित

फसल की पत्तियां पड़ रही लाल, किसानो ने उचित मार्गदर्शन एवं मुआवजे की करी मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। [illegible]

धान की फसले बीमारी से हो रही प्रभावित

[illegible]

[illegible]

कृषि विभाग के अधिकारियों का नही मिल रहा मार्ग दर्शन-दशरथ बिसेन

[illegible]

शिकायत करे तो सुनने वाला कोई नहीं फसल बर्बाद हो गई-बृजलाल बिसेन

[illegible]

नपा जनता दरबार के माध्यम से नगर वासियों की समस्या का कर रहे समाधान- प्रदीप जायसवाल

गरीब वर्ग ने मकानो के पटटे के लिये जनप्रतिनिधि व अधिकारियों से लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। [illegible]

[illegible]

चुनाव जिताकर दिया आशीर्वाद तो विकास करना जरूरी-विवेक पटेल

ग्रामीणों को पक्की सड़क की मिली सौगात, ग्रामीणो ने विधायक पटेल का किया आभार व्यक्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। [illegible]

[illegible]

छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों?

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक विरोध होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब राजनीतिक संवाद का केंद्र नीतियों और जनसमस्याओं से हटकर व्यक्तियों पर टिप्पणियों, आरोपों, कटाक्षों और उपहास तक सीमित होने लगे तो लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। वर्तमान में भारत की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक दल रचनात्मक विरोध की जगह अनुचित आरोप प्रत्यारोप की परिधि में लगातार सक्रिय हैं। इस प्रकार की राजनीति देश के लोकतंत्र के उत्थान का मार्ग बिलकुल भी तैयार नहीं कर सकती।अभी कुछ पूर्व इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से जुड़ा मिमिक्री विवाद इसका ताजा उदाहरण है। कार्यक्रम का मूल विषय विद्यार्थियों की समस्याओं, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिल्ली उडाने पर ही केंद्रित होकर रह गया। आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के समक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर सवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे सवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बन गया। विपक्ष की ओर से इसे राजनीतिक व्यंग्य और अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में देखा गया। क्या अभिव्यक्ति इस प्रकार की होना चाहिए, कदापि नहीं।यहां प्रश्न केवल मिमिक्री का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखने के बजाय व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास को अधिक स्थान मिलना चाहिए? राजनीति में व्यंग्य कोई नई बात नहीं है। लोकतंत्र में व्यंग्य सत्ता से सवाल पूछने का माध्यम भी रहा है। नेता, सरकारें और नीतियां आलोचना के विषय बनती रही हैं। लेकिन व्यंग्य और व्यक्तिगत अवमानना के बीच एक महीन रेखा होती है। राजनीतिक विरोध कितना तीखा हो, यह राजनीतिक परिस्थितियां तय कर सकती हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा और व्यवहार की मर्यादा का प्रश्न हमेशा बना रहता है। इंदौर की घटना में भी यही बहस सामने आई। इस पूरे प्रसंग से एक बड़ा सवाल जरूर निकलता है कि क्या विद्यार्थियों के मंच पर विद्यार्थियों के मूल प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है, तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए। इन सवालों के उत्तर भी उसी गंभीरता से मांगे जाने चाहिए। विपक्ष यदि सरकार की शिक्षा नीति से असहमत है तो उसे आंकड़ों के साथ अपना पक्ष रखना चाहिए। सरकार यदि विपक्ष के आरोपों को गलत मानती है तो उसे आंकड़ों और तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक बहस का रास्ता है।

भारत ने खोला वैश्विक बाजारों का नया अध्याय! एफटीए से भारत की वैश्विक आर्थिक छलांग!

न्यूजीलैंड 20 अक्टूबर 2026 से नए बाजारों तक वैश्विक व्यापार में बजा भारत का डंका! -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के व्यापार व्यवस्था में बढ़ते शुल्क,बदलती आपूर्ति श्रृंखलाओं और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण नया अध्याय 20 अक्टूबर 2026 से खुलने जा रहा है।20 सितंबर 2026 तक भारत नेअपने विभिन्न व्यापारिक साझेदारों के साथ अनेक मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं इनमें श्रीलंका,दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र के सदस्य देश,सिंगापुर, आसियान के दस देश,दक्षिण कोरिया, जापान,मलेशिया, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया तथा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के चार देश शामिल हैं,वहीं ब्रिटेन, ओमान,न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ जैसे हालिया समझौते हस्ताक्षर अथवा अंतिम क्रियान्वयन प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों में हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इन समझौतों का सकारात्मक प्रभाव भारतीय निर्यातकों को बड़े विदेशी बाजारों में कम शुल्क के साथ प्रवेश, निवेश के नए अवसर,आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता, रोजगार तथा भारतीय विनिर्माण और सेवाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ने के रूप में सामने आया है।भारत -ऑस्ट्रेलिया समझौते के बाद वस्त्र, औषधि रसायन और कृषि सहित कई क्षेत्रों में लाभ दर्ज हुआ है।वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में जब संरक्षणवाद, शुल्क वृद्धि,आपूर्ति श्रृंखला का पुनर्गठन और भू-राजनीतिक तनाव अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित कर रहे हैं, तब एफटीए भारत को अनेक बाजारों से जोड़कर जोखिमों को फैलाने और निर्यात के लिए वैकल्पिक रास्ते बनाने में मदद कर सकते हैं लेकिन इन्हें स्वत: लाभ का सौदा मानना भी उचित नहीं होगा,क्योंकि आयात बढ़ने, घरेलू उद्योग पर प्रतिस्पर्धात्मक दबाव, सीमा शुल्क राजस्व में कमी और व्यापार घाटे जैसी चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं।इसलिए भारत के लिए एफटीए की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि बाजार पहुंच का लाभ वास्तविक निर्यात, निवेश, उत्पादन, रोजगार और तकनीकी क्षमता में कितना बदलता है। साथियों बात अगर हम भारत -न्यूजीलैंड 20 अक्टूबर 2026 से लागू होने वाला समझौते एफटीए की करें तो 27 अप्रैल 2026 को हस्ताक्षरित यह समझौता 20 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होने वाला है।न्यूजीलैंड की संसद ने 16 सितंबर को इसे लागू करने के लिए आवश्यक विधायी प्रक्रिया पूरी करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया,जिसके बाद समझौते के प्रभावी होने का रास्ता और स्पष्ट हुआ।मुक्त व्यापार समझौता मूलत: ऐसा व्यापारिक प्रबंध है,जिसके अंतर्गत दो देश एक-दूसरे के उत्पादों पर लगने वाले सीमा शुल्क को कम या समाप्त करते हैं और वस्तुओं, सेवाओं, निवेश तथा पेशेवरों की आवाजाही के लिए बाजार तक पहुंच आसान बनाते हैं।भारत के लिए इसका महत्व केवल निर्यात बढ़ाने तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारतीय उद्योग, छोटे कारोबार, किसानों, रोजगार, निवेश, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाला व्यापक समझौता है। भारत सरकार के अनुसार, न्यूजीलैंड भारत से आने वाले सभी उत्पादों को शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच देगा, जबकि भारत न्यूजीलैंड के लगभग 95 प्रतिशत द्विपक्षीय व्यापार मूल्य को समेटने वाले उत्पादों पर शुल्क में कमी अथवा समाप्ति की व्यवस्था कर रहा है। साथियों, इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता भारतीय निर्यातकों के लिए न्यूजीलैंड के बाजार का लगभग पूरी तरह खुलना है कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते, इंजीनियरी सामान, औषधि, रसायन, प्रसंस्कृत खाद्य और श्रम-प्रधान उद्योगों को इससे नए अवसर मिल सकते हैं।सीमा शुल्क समाप्त होने से भारतीय उत्पादों की न्यूजीलैंड के बाजार में पहुंच लागत कम हो सकती है और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ सकती है।विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि बड़े उद्योगों की तुलना में छोटे निर्यातकों के लिए शुल्क और परिवहन लागत का प्रभाव अधिक होता है। सरकार ने भी इस समझौते में छोटे और मध्यम उद्यमों तथा महिला उद्यमियों को विशेष महत्व दिए जाने की बात कही है। यदि भारतीय कंपनियां गुणवत्ता, समय पर आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने में सफल रहती हैं, तो न्यूजीलैंड का बाजार उनके लिए केवल वर्तमान निर्यात बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि आगे दूसरे विकसित बाजारों में प्रवेश की प्रतिष्ठा और अनुभव हासिल करने का मंच भी बन सकता है। साथियों, कृषि क्षेत्र में भी समझौते का स्वरूप संतुलित रखने की कोशिश दिखाई देती है।भारत ने न्यूजीलैंड के बाजार को व्यापक रूप से खोलने के बदले अपने संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया है।दूध,क्रीम,पनीर, दही और अन्य प्रमुख दुग्ध उत्पादों के साथ कई संवेदनशील कृषि वस्तुओं को शुल्क रियायतों से बाहर रखा गया है।प्याज, चीनी मसाले,खाद्य तेल और कुछ अन्य संवेदनशील वस्तुओं को भी संरक्षण सूची में रखा गया है।दूसरी ओर, लकड़ी ऊन,भेड़ के मांस और कच्ची खाल जैसे उत्पादों पर शुल्क समाप्त करने अथवा घटाने की व्यवस्था की गई है, जिससे भारतीय उद्योगों को कुछ आवश्यक कच्चे माल अधिक प्रतिस्पर्धी लागत पर मिल सकते हैं। इस प्रकार समझौते में एक ओर निर्यात के लिए अवसर खोले गए हैं तो दूसरी ओर घरेलू किसान और संवेदनशील उद्योगों के लिए सुरक्षा कवच भी रखा गया है। साथियों, इस समझौते का दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ निवेश है। न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यदि यह निवेश वास्तविक परियोजनाओं में परिवर्तित होता है तो विनिर्माण,आधारभूत ढांचे, नवाचार,कृषि उत्पादकता, आधुनिक तकनीक और रोजगार के क्षेत्र में इसके प्रभाव दिखाई दे सकते हैं।समझौते में कौशल और पेशेवरों की आवाजाही को भी महत्व दिया गया है।पांच हजार तक कुशल भारतीयों के लिए अस्थायी रोजगार मार्ग, युवाओं के लिए कार्य-अवकाश व्यवस्था तथा विद्यार्थियों और कुशल स्नातकों के लिए अध्ययन के बाद काम के अवसर भारतीय प्रतिभाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव के नए रास्ते खोल सकते हैं।स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, योग, शिक्षा, पर्यटन और खेल जैसे क्षेत्रों में सहयोग भी भारत की सेवाक्षेत्रीय क्षमता को बढ़ाने में सटिका से सहायक हो सकता है। साथियों, इसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर कई स्तरों पर पड़ सकता है।निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा आय बढ़ सकती है,उत्पादन का विस्तार हो सकता है और श्रम-प्रधान उद्योगों में रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं।यदि न्यूजीलैंड से आने वाला निवेश उत्पादन क्षमता और आधारभूत ढांचे में लगता है तो घरेलू आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिल सकती है। छोटे और मध्यम उद्यमों को विदेशी खरीदारों तक सीधी पहुंच मिलने से उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को अपनाने की प्रेरणा मिल सकती है। साथ ही भारतीय किसानों के लिए सेब, कीवी और मनुका शहद जैसे क्षेत्रों में उत्पादकता सहयोग तथा तकनीकी ज्ञान के अवसर भी सटिका से समझौते का हिस्सा हैं। साथियों शेयर बाजार पर इसका प्रभाव प्रत्यक्ष से अधिक क्षेत्र-विशेष के माध्यम से दिखाई दे सकता है।जिन भारतीय कंपनियों का न्यूजीलैंड में निर्यात बढ़ सकता है, उनके लिए लागत घटने और बाजार विस्तार की संभावना सकारात्मक मानी जा सकती है।कपड़ा, चमड़ा, जूते,इंजीनियरी,औषधि, प्रसंस्कृत खाद्य और कुछ सेवा क्षेत्रों की कंपनियां नए अवसरों की तलाश कर सकती हैं। हालांकि शेयर बाजार केवल किसी एक समझौते से संचालित नहीं होता। ब्याज दरें,वैश्विक मांग, कच्चे तेल की कीमत, मुद्रा विनिमय दर,विदेशी निवेश और व्यापक भू-राजनीतिक परिस्थितियां भी बाजार को प्रभावित करती हैं। इसलिए इस समझौते को बाजार में तत्काल और सार्वभौमिक तेजी की गारंटी मानना उचित नहीं होगा। इसका वास्तविक प्रभाव कंपनियों के निर्यात आंकड़ों, लाभ, नए आदेशों और सटीकता से निवेश के वास्तविक प्रवाह में दिखाई देगा।साथियों भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के दृष्टिकोण से भी यह समझौता महत्वपूर्ण है।भारत अब केवल बड़ा उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि विश्वसनीय उत्पादन और निर्यात साझेदार के रूप में अपनी पहचान मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। न्यूजीलैंड जैसे विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश के साथ व्यापक व्यापारिक समझौता भारत की आर्थिक कूटनीति की बढ़ती सक्रियता को दर्शाता है। भारत हाल के वर्षों में अनेक व्यापारिक साझेदारों के साथ समझौतों को आगे बढ़ा रहा है। सरकारी अभिलेखों के अनुसार भारत ने 16 मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं; हालांकि नए समझौतों में से कुछ 20 सितंबर 2026 तक अभी लागू होने की अंतिम कानूनी प्रक्रिया में थे। इसलिए केवल संख्या बताकर सभी को सक्रिय समझौते कहना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा।इसी व्यापक व्यापार कूटनीति में कनाडा के साथ प्रस्तावित समझौते की बातचीत भी महत्वपूर्ण है। भारत और कनाडा के बीच अगले दौर की व्यापार वार्ता 5 अक्टूबर 2026 से शुरू होने वाली है। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया को गति मिलने की संभावना है। इसका अर्थ है कि भारत एक साथ अनेक विकसित और उभरते बाजारों में अपनी व्यापारिक पहुंच बढ़ाने की सटीकता से कोशिश कर रहा है। साथियों फिर भी मुक्त व्यापार समझौते को केवल लाभ का दस्तावेज मानना उचित नहीं होगा। सीमा शुल्क कम होने से सरकारी राजस्व पर प्रभाव पड़ सकता है, आयात बढ़ने पर कुछ घरेलू उद्योगों पर प्रतिस्पर्धात्मक दबाव आ सकता है और यदि निर्यात की तुलना में आयात अधिक तेजी से बढ़े तो व्यापार घाटे की चुनौती सामने आ सकती है। इसके अलावा निर्यातकों को मूल-स्थान संबंधी नियम, गुणवत्ता मानक, प्रमाणन और विदेशी बाजार की नियामकीय आवश्यकताओं का पालन करना होगा। केवल शुल्क समाप्त हो जाने से निर्यात अपने आप नहीं बढ़ता; उत्पादन की गुणवत्ता, कीमत, आपूर्ति की विश्वसनीयता और वैश्विक मांग भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते की असली परीक्षा 20 अक्टूबर 2026 को इसके लागू होने के बाद शुरू होगी। समझौते ने भारतीय उत्पादों के लिए न्यूजीलैंड का बाजार खोला है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

साइबर अपराध का बढ़ता जाल और हमारी छोटी सी लापरवाही

-कांतिलाल मांडोत

डिजिटल सुविधा ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसी सुविधा के साथ साइबर अपराध का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, इंटरनेट खरीदारी और ऑनलाइन निवेश ने लेन-देन को सरल किया है तो दूसरी ओर साइबर अपराधियों को भी दूर बैठे लोगों तक पहुंचने का रास्ता दिया है। संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 30 अगस्त 2019 से 28 नवंबर 2024 तक 53.93 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं और इनसे करीब 31,594 करोड़ रुपए की ठगी की राशि जुड़ी थी। वित्तीय साइबर अपराध इन शिकायतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा थे। शिकायतों की बढ़ती संख्या बताती है कि खतरा कितना बड़ा है। लेकिन शिकायत, प्राथमिकी और वास्तविक अपराध के आंकड़ों को एक ही मानना उचित नहीं होगा। साइबर अपराध में कई शिकायतें जांच के अलग-अलग चरणों से गुजरती हैं और प्राथमिकी दर्ज होने की प्रक्रिया अपराध की प्रकृति तथा उपलब्ध साक्ष्यों पर निर्भर करती है। फिर भी शिकायतों की विशाल संख्या यह स्पष्ट करती है कि नागरिकों को जागरूक करने और पुलिस की साइबर जांच क्षमता बढ़ाने की जरूरत लगातार बढ़ रही है। साइबर ठगी का सबसे बड़ा हथियार तकनीक से ज्यादा इंसान का भरोसा और जल्दबाजी है। अपराधी कभी बैंक कर्मचारी बनकर, कभी पुलिस अधिकारी बनकर, कभी निवेश सलाहकार बनकर और कभी नौकरी या किसी सरकारी योजना के नाम पर संपर्क करते हैं। वे पहले विश्वास पैदा करते हैं और उसके बाद व्यक्ति से ऐसी जानकारी या भुगतान हासिल करने की कोशिश करते हैं जिससे उसके खाते से पैसा निकाला जा सके। निवेश के नाम पर होने वाली ठगी इसका बड़ा उदाहरण है। कोटा में सामने आए कॉल सेंटर मामले में पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फर्जी वेबसाइट के माध्यम से निवेशकों को बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाया और उनसे अधिक रकम लगाने के लिए प्रेरित किया। ऐसे मामलों में फर्जी लाभ दिखाकर भरोसा पैदा किया जाता है और जब पीड़ित बड़ी रकम लगा देता है तो संपर्क समाप्त कर दिया जाता है। यहां ग्राहक की सावधानी बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर निवेश करना, संदिग्ध वेबसाइट पर भरोसा करना, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करना या किसी संदेश में दिए लिंक को बिना जांचे खोलना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। सरकार और बैंक समय-समय पर चेतावनियां जारी करते हैं, लेकिन केवल चेतावनी जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी उन चेतावनियों को गंभीरता से पढ़ना और व्यवहार में उतारना होगा। किसी भी व्यक्ति को अपना पासवर्ड, पिन, एक बार इस्तेमाल होने वाला सत्यापन कोड या बैंक खाते की गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं देनी चाहिए। अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई आवेदन डाउनलोड नहीं करना चाहिए। निवेश से संबंधित प्रस्ताव मिलने पर संबंधित संस्था की आधिकारिक वेबसाइट से उसकी पुष्टि करनी चाहिए। बहुत कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का दावा अपने आप में सावधानी बरतने का संकेत है। सरकारी साइबर सुरक्षा सलाह में भी संदिग्ध निवेश प्रस्तावों, फर्जी वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से आने वाले निवेश संदेशों से सावधान रहने को कहा गया है।

साइबर अपराध को रोकने की जिम्मेदारी केवल नागरिकों की नहीं है। सरकार, पुलिस, बैंक, दूरसंचार कंपनियों और डिजिटल भुगतान संस्थाओं को भी अपनी-अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभानी होगी। साइबर अपराध में समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। ठगी के तुरंत बाद सूचना मिलने पर संबंधित वित्तीय संस्थाओं तक जानकारी पहुंचाकर रकम को रोकने की संभावना बढ़ सकती है।

भारत सरकार का राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल नागरिकों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है और वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के लिए 1930 हेल्पलाइन उपलब्ध है। पोर्टल पर शिकायत करते समय घटना की सही और पूरी जानकारी तथा उपलब्ध साक्ष्य देना महत्वपूर्ण बताया गया है।

यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन वित्तीय ठगी हो जाए, तो उसे शर्म या डर के कारण चुप नहीं बैठना चाहिए। तुरंत 1930 पर सूचना देनी चाहिए और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत करनी चाहिए। बैंक या संबंधित भुगतान संस्था को भी तत्काल सूचित करना चाहिए। लेन-देन का विवरण, संदेश, मोबाइल नंबर, वेबसाइट का पता, भुगतान की रसीद और अन्य उपलब्ध प्रमाण सुरक्षित रखने चाहिए। आधिकारिक व्यवस्था के अनुसार शिकायत के बाद उसे आगे दर्ज और ट्रैक भी किया जा सकता है। सरकार की जवाबदेही का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा पुलिस की क्षमता बढ़ाना है। साइबर अपराध की जांच सामान्य अपराधों से अलग तकनीकी विशेषज्ञता मांगती है। पुलिस बल के शुरुआती प्रशिक्षण में साइबर सुरक्षा को पर्याप्त महत्व मिलना चाहिए। राज्यों की साइबर इकाइयों को प्रशिक्षित अधिकारी, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है। अलग-अलग राज्यों में बैठे अपराधियों के नेटवर्क को पकड़ने के लिए पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच तेज सूचना आदान-प्रदान भी आवश्यक है।

साइबर अपराध की शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई और प्राथमिकी के संबंध में स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। शिकायतकर्ता को यह पता होना चाहिए कि उसकी शिकायत किस अधिकारी के पास है और उसकी स्थिति क्या है। राष्ट्रीय पोर्टल पर शिकायत की स्थिति देखने की सुविधा उपलब्ध है तथा उचित प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर संबंधित राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के नोडल अधिकारी से संपर्क की व्यवस्था भी है।

साइबर अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए केवल एक-दो आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। जिस व्यक्ति ने फोन किया, जिस खाते में पैसा गया, जिसने फर्जी वेबसाइट बनाई और जिसने लोगों का आंकड़ा उपलब्ध कराया, इन सभी कड़ियों की जांच जरूरी है। इसी से अपराध की पूरी श्रृंखला सामने आएगी। अंततः साइबर सुरक्षा सरकार और जनता की साझा जिम्मेदारी है। सरकार को मजबूत शिकायत व्यवस्था, प्रशिक्षित पुलिस, त्वरित वित्तीय कार्रवाई और लगातार जनजागरूकता सुनिश्चित करनी होगी। नागरिकों को भी यह समझना होगा कि मोबाइल पर आया हर संदेश सच नहीं होता और फोन करने वाला हर व्यक्ति वही नहीं होता जिसका वह परिचय देता है।

डिजिटल दुनिया में सबसे मजबूत सुरक्षा सावधानी है। लालच में जल्दबाजी नहीं, डर में कोई भुगतान नहीं, अनजान व्यक्ति को गोपनीय जानकारी नहीं और संदिग्ध लिंक पर बिना जांचे भरोसा नहीं। यदि ठगी हो भी जाए तो चुप्पी नहीं, तत्काल शिकायत जरूरी है। समय पर की गई सूचना कभी-कभी रकम बचाने के साथ-साथ पूरे साइबर गिरोह तक पुलिस को पहुंचाने में मदद कर सकती है। यही जागरूकता साइबर अपराध के बढ़ते जाल को कमजोर करने का सबसे व्यावहारिक रास्ता है।

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़:चेतावनी सुनें

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-श्रृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ ही नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गई, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत ब?ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी आज: भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए। भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर

सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए सुरक्षित निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरुआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदुकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अकेला कारण नहीं माना जा सकता, भूगर्भीय संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बने। अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता। अब हिमालय में हर सड़क, हर सुरंग, हर बांध, हर पर्यटन परियोजना और हर निर्माण से पहले यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि इससे पहाड़ पर कितना दबाव पड़ेगा और किसी चरम प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसकी कीमत कौन चुकाएगा। समय रहते निगरानी, वैज्ञानिक आकलन, सीमित एवं सुरक्षित निर्माण और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में कदम उठाए गए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाली त्रासदियां केवल प्राकृतिक आपदाएं नहीं होंगी-वे हमारी विकास-दृष्टि की विफलता का परिणाम भी मानी जाएंगी।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सामान्य कारोबार के बीच मंगलवार को खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में भी टिकाव रहा। दलहनों में चना मजबूत बना रहा। किराना जिंसों में शक्कर सुस्ती रही। नारियलों में बाजार मजबूती के रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में कारोबार सामान्य ही रहा। आयातित मालों में हल्की-फुल्की सुर्खी रही। आज के कारोबार में सोया तेल रिफाइंड मालों में 1420-1425 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहन बाजार मजबूती बनाये रहे। दलहनों में चना मजबूत देखा गया। चने में बाजार 6950-7000 रू. प्रति क्विंटल पर रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। नारियलों में लेवाली से बाजार मजबूत रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4720-4800, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1770-1790, मुम्बई 1810, राजकोट तेलिया 2770, सोया साल्वेंट 1360-1365, सोया रिफाइंड 1420-1425, कपास्या 1540, धूलिया 1550, कड़ी 1550,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1780, मुम्बई पाम 1485, मुम्बई सोया 1470,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 5800, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6900-7050, विशाल 6800-6850, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-8400, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाअक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 232000, चॉंदी (99) 231800, टंच 231200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149500,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.58 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ 95.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट क्रूड के ऊंचे स्तरों से नीचे आने और तत्काल आपूर्ति की चिंताएं कम होने से रुपये की शुरुआत सकारात्मक रही। सऊदी अरब द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए निर्यात बढ़ाने और क्षतिग्रस्त ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के आंशिक रूप से बहाल होने की उम्मीदों से बाजार को सहारा मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 95.75 पर खुला और फिर 95.65 के स्तर तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवर को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही करोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 329.91 अंक की गिरावट के साथ 74,529.08 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 85.33 अंक टूटकर 23,329.00 के स्तर पर बंद हुआ। इंडेक्स में आई इस सुस्ती से बाजार में थोड़ी सतर्कता देखी जा रही है। आज सेक्टोरल परफॉर्मेंस पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा नुकसान आईटी सेक्टर को उठाना पड़ा। निफ्टी आईटी इंडेक्स गिरावट के साथ 28,582.10 के लेवल पर बंद हुआ। इसके साथ ही उपभोक्ता उत्पादों में भी बिकवाली हावी रही और निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स गिरकर 45,657.90 पर आ गया। बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी पीएसयू बैंक में और

निफ्टी प्राइवेट बैंक में गिरावट आई। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज भी गिरावट पर बंद हुआ। ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर्स में भी गिरावट रही। निफ्टी ऑटो इंडेक्स फिसलकर 27,085.45 पर बंद हुआ। वहीं हेल्थकेयर और दवा कंपनियों के प्रदर्शन को दर्शाने वाला निफ्टी फार्मा इंडेक्स गिरावट के साथ 26,910.40 के लेवल पर आ गया। इन प्रमुख सेक्टर्स में सुस्ती के कारण पूरे बाजार की रिकवरी पर ब्रेक लगा रहा और प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में आने में विफल रहे। बाजार की इस चौतरफा गिरावट के बीच ही कुछ सेक्टर्स ऐसे भी रहे जहां निवेशकों ने खरीदारी में उत्साह दिखाया। सबसे अच्छी बढ़त मीडिया सेक्टर में देखने को मिली। निफ्टी मीडिया इंडेक्स 1,574.95 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा रियल एस्टेट सेक्टर में भी अच्छी खरीदारी दर्ज की गई, जिससे निफ्टी रियल्टी इंडेक्स बढ़कर 861.40 के लेवल पर क्लोज हुआ। मेटल सेक्टर में भी हल्की खरीदारी रही और निफ्टी मेटल 0.15% की मामूली बढ़त लेकर 12,992.50 पर बंद हुआ। इन सेक्टर्स में आई तेजी ने बाजार की गिरावट को कुछ हद तक सीमित करने में मदद की। पिछले कुछ दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट आई है।

दिल्ली में पहली बार वैश्विक चावल संग्रह, 200 किस्में होंगी प्रदर्शित

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत अगले महीने अपनी तरह के पहले भारत अंतर्राष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) की मेजबानी करेगा, जहां दुनिया भर से व्यावसायिक महत्व वाली चावल की लगभग 200 किस्मों का एक अनूठा वैश्विक संग्रह प्रदर्शित किया जाएगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को एक ही स्थान पर विभिन्न किस्मों की तुलना करने और संभावित आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान करेगा। इस वैश्विक चावल संग्रह में इटली के आर्बोरियो, थाईलैंड के जैस्मीन व जापान के सुशी चावल से लेकर भारत के बासमती, सुगंधित पारंपरिक अनाज, काले तथा लाल चावल और क्षेत्रीय विशिष्ट किस्में शामिल होंगी। इस प्रदर्शनी का लक्ष्य चावल को सिर्फ एक व्यापारिक जिंस के बजाय, भूगोल, जैव विविधता और खान-पान की परंपराओं से जुड़े एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करना है। भारत की पेशकशों में पूसा बासमती सहित विभिन्न बासमती किस्में और पीआर-11, सोना मसूरी जैसी गैर-बासमती किस्में शामिल होंगी। केरल से नवारा, तमिलनाडु से सीरागा सांबा, मणिपुर से चाक-हाओ काला चावल और महाराष्ट्र से आंबेमोहर जैसी क्षेत्रीय तथा पारंपरिक किस्में भी विशेष आकर्षण होंगी। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के देव गर्ग ने बताया कि यह संग्रह वैश्विक खरीदारों को नए उत्पादों की खोज का एक महत्वपूर्ण जरिया बनेगा।

प्याज ने फिर रुलाया-एक साल में दोगुनी हुई कीमतें, रसोई का बिगड़ा बजट

नई दिल्ली। एजेंसी। देशभर में प्याज की कीमतें एक बार फिर आम आदमी को रुला रही हैं। पिछले एक साल की तुलना में इसकी खुदरा कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, जिससे रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 21 सितंबर को प्याज का औसत खुदरा भाव 54.23 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया, जो महज एक महीने पहले 40.79 रुपए था। थोक बाजार में भी प्याज के भाव आसमान छू रहे हैं, जहां 21 सितंबर को औसत थोक कीमत 4,615.98 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 135 फीसदी अधिक है। इसका असर विभिन्न शहरों में साफ दिख रहा है। दिल्ली में प्याज 53 रुपए, मुंबई में 58 रुपए और चेन्नई में 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है, जबकि एक साल पहले ये कीमतें लगभग आधी थीं। इस बढ़ोतरी के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। महाराष्ट्र में मार्च में हुई बेमौसम बारिश से गर्मियों की प्याज की फसल को बड़ा नुकसान पहुंचा था। इसके अलावा, केंद्रीय एजेंसियों के पास रखे स्टॉक का एक हिस्सा भी खराब हो गया, जिससे बाजार में आपूर्ति प्रभावित हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी भारतीय प्याज की मांग कमजोर बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद घरेलू कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल कीमतों में बहुत बड़ी तेजी की संभावना नहीं है। पिछले एक हफ्ते से भाव लगभग स्थिर हैं। बाजार से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, बीज कंपनियों की खरीद पूरी होने के बाद प्याज के भाव में 5 से 10 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट आ सकती है। लंबी अवधि में, रबी फसल के स्टॉक की खपत और खरीफ फसल की आवक के बीच अगस्त से जनवरी तक उपलब्धता और मांग का अंतर कीमतों पर दबाव डाल सकता है।

मेष- आज का दिन आपके लिए उत्साह और पारिवारिक खुशियों से भरा रहेगा। कॉलेज से जुड़े किसी काम को लेकर भागदौड़ बनी रह सकती है, वहीं घर में किसी मांगलिक आयोजन की तैयारियों में भी आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों का सामाजिक प्रभाव मजबूत होगा और लोग आपकी मददगार प्रवृत्ति की सराहना करेंगे।

वृषभ- आज आपके प्रयासों को सफलता का साथ मिलेगा। किसी को दिए हुए पैसे वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आप उस धन का उपयोग व्यापार को आगे बढ़ाने में कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत कुछ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन आपका समर्पण काम को समय पर पूरा कराने में मदद करेगा। सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय लोगों के लिए बदलाव का समय है।

मिथुन- आज व्यापार में कम प्रयास के बावजूद अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की कमान सौंपी जा सकती है, जिसे आप अपनी मेहनत और समझदारी से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। निजी जीवन में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, जबकि मित्र किसी विषय में आपकी सलाह या सहायता मांग सकते हैं। सरकारी नौकरी की परीक्षा देने वालों को सकारात्मक परिणाम की उम्मीद रहेगी।

कर्क- आज कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और ऑफिस में कोई बड़ा लक्ष्य आपको दिया जा सकता है। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई का तरीका बदलना फायदेमंद रहेगा और इससे बेहतर परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलेगी। रास्ते में किसी जरूरतमंद की सहायता करने का अवसर मिलेगा और आपका मानवीय व्यवहार दिल को संतोष देगा।

सिंह- आज का दिन उतार-चढ़ाव के बीच कई अच्छी संभावनाएं लेकर आएगा। किसी प्रतिष्ठित कंपनी से नौकरी का बड़ा प्रस्ताव मिल सकता है, वहीं व्यापारियों के लिए नई डील पक्की होने और नए ग्राहकों से जुड़ने के योग बनेंगे। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग आपके काम को आसान करेगा। गृहस्थ जीवन में खुशियां बनी रहेंगी और लंबे समय से चली आ रही किसी चिंता से राहत मिल सकती है।

कन्या- आज आप पूरे उत्साह के साथ अपने कामों को आगे बढ़ाएंगे। आपकी वाणी और व्यवहार का असर लोगों पर पड़ेगा, इसलिए बातचीत में मधुरता और विनम्रता बनाए रखना आपके लिए विशेष लाभदायक रहेगा। उद्योग और कारोबार से जुड़े लोगों को अच्छे लाभ के अवसर मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन में आपसी समझ और एकता बनी रहेगी। मित्रों के सहयोग से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। घर में मां के हाथों से बने स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा और उनके साथ आपका भावनात्मक जुड़ाव और गहरा होगा।

तुला- आज आपके लिए राहत और उपलब्धियों का दिन रहेगा। कामकाज में लंबे समय से आ रही अड़चनें दूर होंगी और ऑफिस में आपके प्रयासों की प्रशंसा होगी। कोई नया प्रोजेक्ट मिलने से आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन आप उसे पूरी लगन के साथ पूरा करने में सफल रहेंगे। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा और रिश्तों में अपनापन बढ़ेगा।

वृश्चिक- आज आपका आत्मविश्वास आपको कई महत्वपूर्ण कामों में आगे बढ़ाएगा। बिजली विभाग से जुड़े कर्मचारियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा, जबकि व्यापार करने वाली महिलाओं को कारोबार में प्रगति के नए अवसर मिल सकते हैं। प्रेम संबंधों में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी और एक-दूसरे की भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने का मौका मिलेगा।

धनु- आज परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण बना रहेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने, विशेषकर किसी खूबसूरत हिल स्टेशन की यात्रा की योजना बन सकती है। बड़े-बुजुर्गों की सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होगी और आपके व्यवहार से वे प्रसन्न रहेंगे। नए भवन के निर्माण को लेकर भाइयों के साथ महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है।

मकर- आज आपकी तरक्की देखकर परिवार के लोग गर्व और खुशी महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और नौकरीपेशा लोगों के लिए आय बढ़ने के अवसर बन सकते हैं। निजी कंपनियों में काम करने वालों को पदोन्नति की अच्छी संभावना मिल सकती है। बच्चों के साथ बाहर डिनर करने से घर का माहौल खुशनुमा होगा और उनके चेहरे पर मुस्कान देखकर आपको भी खुशी मिलेगी।

कुम्भ- आज परिस्थितियां काफी हद तक आपके पक्ष में रहेंगी। राजनीति से जुड़े लोगों को किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना चाहिए। अविवाहित लोगों के लिए चल रही रिश्ते की बातचीत आगे बढ़ सकती है और बात पक्की होने की संभावना बन सकती है।

मीन- आज का दिन आपको मानसिक रूप से संतोष और खुशी देने वाला रहेगा। कामकाजी माता-पिता बच्चों के लिए समय निकाल पाएंगे और उनके साथ खेलकर खूबसूरत पल बिताएंगे। गायन से जुड़े लोगों को किसी बड़े प्रोजेक्ट या एल्बम में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकता है। ऑफिस का जरूरी काम समय पर पूरा कर लेने से तनाव काफी कम रहेगा। हालांकि जल्दबाजी में जरूरी सामान भूलने की संभावना है, इसलिए काम से निकलते समय अपनी चीजों पर ध्यान दें।

शब्दजाल - 8399

शब्दजाल में रणजी ट्राफी में तिहरा शतक बनाने वाले 10 नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

सु	रा	मा	त	र	र	अ	ट	गु	क	वि
दी	नी	सू	ह	का	ल	जी	दि	ल	को	ज
वा	र	ल	द	अं	त	त	मा	मो	ल	य
सं	वि	दा	गा	ल	क	वा	हा	ह	व	म
ट	ज	न	ष	व	म	डे	डी.	म्म	सी	चें
दि	य	य	स	जि	स्क	क	इ	द	म	ट
ने	ह	बु	मां	या	म	र	ह	र	जा	श
श	जा	ब	ला	ज	र	सौ	डी.	ट	फ	धी
मों	रे	त	सू	ह	रे	दा	ने	जे.	र	र
गि	ल	च	त्त	र	ट	क	बें	न	गां	थ
या	र	म	न	लां	बा	इ	र	म्हे	ह	धी

विजय मर्चेंट, सुनील गावस्कर, रमन लांबा, संजय मांजरेकर, गुल मोहम्मद, विजय हजारे, वसीम जाफर, दिनेश मोंगिया,अजीत वाडेकर, डी. जे. गांधी

शब्दजाल - 8398 का हल

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डे	र्जु	शि	या	ड़	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	र्जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	रु	अ	प	श
व	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7333

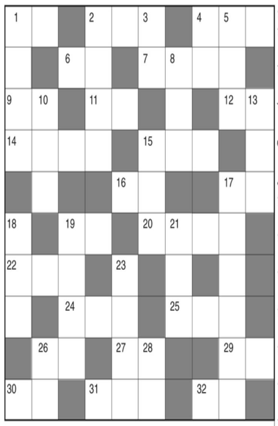

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सॉस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7332

य	स	बॉ	स		स	र	फ	रो	श
हू		बी		ह	त्या		रा	जा	
दी	पा		दे	व		डो	र		अं
	ल	म्हे		स	हे	ली		रा	ज
खा	की		औ		रा		अं	ज	लि
मो		स	र	ग	म			पू	
श	रा	फ	त			प्रि	य	त	मा
		र		मि	ली		श्र		ई
रो	टी		सू	ल		गॅ		खे	ल
	ना	म		न	म	की	न		व

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.38 बजे से
चंद्र	मकर में	वृश्चिक	09.53 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	12.09 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.14 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	16.01 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.33 बजे से
शनि	मीन में	मेष	19.04 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.44 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.42 बजे से
		कर्क	00.56 बजे से
		सिंह	03.12 बजे से
		कन्या	05.24 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 266 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 22.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 09.09 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 16.27 बजे को समाप्त।
करण बव 10.22 बजे तदनन्तर बालव 22.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 00'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872841
जूलियन दिन 2461306.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 11
विशेष वामन व भुवनेश्वरी जयंती, राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः असली गरीब

एक भिक्षुक को दिन भर में जो कुछ मिलता था, उसे वह खा-पीकर समाप्त कर देता था। प्रायः उसे आवश्यकता के अनुसार भिक्षा मिल जाया करती थी। एक दिन उसे उसकी जरूरत से ज्यादा एक पैसा मिल गया। वह सोचने लगा-इसका क्या उपयोग करूं? उसने उस एक पैसे को अपने चीथड़े के कोने में बांध लिया और एक पंडित के पास गया। उसने उनसे पूछा, 'महाराज, मैं अपनी संपत्ति का क्या सदुपयोग करूं?' पंडित जी ने पूछा, 'तुम्हारे पास कितनी संपत्ति है?' उसने कहा, 'एक पैसा।' इस पर पंडित जी चिढ़ गए। उन्होंने कहा, 'जा-जा, तू एक पैसे के लिए मुझे परेशान करने आया है।' वह भिक्षुक निराश नहीं हुआ। वह कई पंडितों के पास गया। कहीं हंसी मिली तो कहीं दुत्कार। किसी सज्जन ने सलाह दी कि पैसा किसी गरीब को दे दो। अब भिक्षुक गरीब की तलाश में चल पड़ा। उसने अनेक भिखारियों से प्रश्न किया कि तुम गरीब हो? परंतु एक पैसे के लिए किसी ने गरीब बनना स्वीकार नहीं किया। तभी भिक्षुक को पता चला कि किसी देश काराजा अपने पड़ोसी राज्य पर चढ़ाई करने जा रहा है। उसने लोगों से पूछा, 'राजा चढ़ाई क्यों कर रहे हैं?' लोगों ने बताया 'धन-संपत्ति प्राप्त करने के लिए।' भिक्षुक को लगा कि राजा बहुत गरीब होगा। तभी तो धन-संपत्ति के लिए मारकाट करने पर आमादा है। क्यों न उसे ही पैसा दे दिया जाए। जब राजा की सवारी उसके पास से गुजरने लगी, तो वह खड़ा हो गया और झटपट अपने चीथड़े में से पैसा निकालकर उसने राजा के हाथ पर डाल दिया। उसने कहा, 'मुझे बहुत दिनों से एक गरीब की तलाश थी। आज आपको पाकर मेरा मनोरथ पूरा हो गया, आप मेरी पूंजी संभालिए।' राजा रुक गया। भिक्षुक ने उसे अपनी कहानी सुनाई तो उसने धावा बोलने का इरादा बदल दिया और सारी फौज के सामने यह बात कबूल की- असली गरीब वह है, जिसके लालच का कोई अंत नहीं।

सूडोकु नवताल- 7642

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7641 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8857

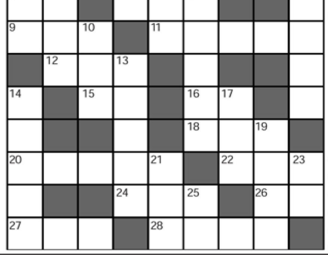

बाएँ से दाएँ

1.अचंभा,आश्चर्य-4
3.अच्छी रुचि,कलात्मक रुचि-3
6.पिता के छोटे भाई,काका-2
7.माह,मास-3
9.धावक(अंग्रेजी-3)
11.नया जीवन,उद्धार होना-5
12.लक्ष्मी,धन की देवी-3
15.बुरी आदत-2
16.पैर,पाँव-2
18.देवमुनि,देवर्षि-3
20.शिकायत करना-5
22.रनिवास-3
24.बेकार,आंवारा-3
26.छोटा टुकड़ा-2
27.अभिनय,कथा मंचन-3
28.सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1.सहसा,अकस्मात-4
2.एक प्रकार की शराब-2
3.प्रतिभाशाली-3
5.मननशील-5
6.चतुर्थ-2
8.नाव खेना-2,3
10.पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13.पैर मारना-5
14.मन की इच्छा-5
17.प्रकार-3
19.टूटना,बिखरना-4
21.पराजित होना, हारना-3
23.चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25.पथ,रास्ता,मार्ग-2

शब्द पहेली -8856 का हल

अ	च	क	न			आ	ब	रु
जू			ब	र	दा	न		ख
बा	ल			वा	दा			सा
	ल	त		ना		म	ग	र
	का	र	ण		क	ल	फ	
ह	र	फ		आ		बा	ल	
बा			दा	वा			त	ह
ला		रा	ह	ज	नी			व
त	मी	ज			र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

चांदनी चौक के राजा के दरबार में उमड़ा भक्तों का सैलाब

हवन-पूजन के बाद हुआ विशाल महाप्रसाद

पद्मेश न्यूज। लांजी। गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जयघोष से मंगलवार को लांजी का चांदनी चौक भक्तिमय हो उठा। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के प्रति श्रद्धा और आस्था का ऐसा नजारा देखने को मिला कि चांदनी चौक के राजा के दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। चांदनी चौक गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित गणेशोत्सव के तहत 22 सितंबर को विशेष हवन पूजन एवं विशाल महाप्रसाद का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।

हवन की आहुति में गूंजे मंगल मंत्र, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने की सुख-समृद्धि की कामना

मंगलवार दोपहर 3 बजे से भगवान श्री गणेश नगर सेठ दगडू सेठ गणराजा (चांदनी चौक के राजा) का विशेष हवन पूजन विधि-विधान से प्रारंभ हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुति अर्पित की। हवन पूजन में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और बप्पा के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हुए परिवार, समाज एवं नगर की सुख-समृद्धि की कामना की। हवन के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जयकारों और मंत्रोच्चार से चांदनी चौक गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

महाप्रसाद के लिए उमड़ा जनसैलाब

हवन पूजन के पश्चात समिति की ओर से विशाल महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया। महाप्रसाद ग्रहण करने के लिए हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी भक्त और नगरवासी पहुंचे। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया और भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद लिया। महाप्रसाद में जीरा फ्राई राइस, दाल तड़का, मिक्स वेज, फ्राई पापड़ एवं गुलाब जामुन सहित विभिन्न व्यंजन श्रद्धालुओं को परोसे गए। समिति सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था संभालते हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

आज निकलेगी बप्पा की शाही विदाई यात्रा

गणेशोत्सव के समापन अवसर पर 23 सितंबर को शाम 4 बजे से चांदनी चौक के राजा की भव्य शाही विसर्जन यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा चांदनी चौक से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए गनेशी तालाब पहुंचेगी। नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालु भगवान श्री गणेश को भावपूर्ण विदाई देंगे। गनेशी तालाब पहुंचने के बाद विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुसार बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। चांदनी चौक गणेश उत्सव समिति श्रद्धा सेवा समर्पण ने समस्त नगरवासियों, श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में शाही विसर्जन यात्रा में शामिल होकर विघ्नहर्ता बप्पा को भावपूर्ण विदाई देने का आग्रह किया है।

विश्व अल्जाइमर दिवस पर गांव-गांव लगे स्वास्थ्य शिविर

वृद्धजनों को बताए स्वस्थ वृद्धावस्था के उपाय

पद्मेश न्यूज। लांजी। संचालनालय आयुष मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देश एवं जिला आयुष अधिकारी बालाघाट के मार्गदर्शन में आगामी 23 सितंबर को वैश्विक आयुर्वेद दिवस के तहत चल रहे जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में 21 सितंबर को विश्व अल्जाइमर दिवस पर क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इस वर्ष वैश्विक आयुर्वेद दिवस की मुख्य थीम Ayurveda for a Healthier Tomorrow यानी स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद रखी गई है। इसी क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) देवलगांव, नंदोरा, करंजा, पालडोंगरी, मोहझरी एवं टेमनी द्वारा विभिन्न ग्रामों में वृद्धावस्था स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। शिविरों में बड़ी संख्या में वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें वृद्धावस्था में होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं, मानसिक स्वास्थ्य, याददाश्त में कमी, दैनिक जीवन में सावधानियां तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली के संबंध में जागरूक किया गया। स्वास्थ्यकर्मियों एवं आयुष विभाग की टीम ने वृद्धजनों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित आहार लेने, पर्याप्त नींद, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व की जानकारी दी। साथ ही उम्र बढ़ने के साथ होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी गई।

बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर किया पौधारोपण

कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय होम्योपैथिक औषधालय लांजी द्वारा प्राथमिक शाला काशीटोला में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बच्चों के स्वास्थ्य की जांच के साथ उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। इसके

बाद विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसी क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बड़गांव, किरनापुर द्वारा भी वृद्धावस्था स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यहां वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श के साथ स्वस्थ वृद्धावस्था को लेकर आवश्यक जानकारी दी गई। आयुष विभाग द्वारा आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित न रहकर बचाव, जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। विभाग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष पद्धतियों और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

सेवा सहकारी समिति लांजी में वार्षिक आमसभा में किसानों से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा सहकारी समिति लांजी में मंगलवार, 22 सितंबर को वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। समिति कार्यालय में आयोजित आमसभा में समिति के वार्षिक कार्यों, वित्तीय स्थिति, आगामी कार्ययोजना और किसानों से जुड़े सहकारी गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। आमसभा में समिति के सदस्यों एवं कृषकों ने सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। आमसभा में संचालक मंडल द्वारा आगामी वर्ष के लिए तैयार किए गए समिति के क्रियाकलापों के अनुमोदन, संपरीक्षा रिपोर्ट एवं वार्षिक प्रतिवेदन पर विचार, शुद्ध लाभ के व्ययन तथा आगामी सहकारी वर्ष के बजट को लेकर चर्चा की गई। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष के कार्य संचालन के दौरान हुए घाटे के कारणों की समीक्षा करने तथा उपविधियों के अनुसार अन्य विषयों पर विचार किया गया। बैठक में वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 के लेखाओं की संपरीक्षा के

लिए संपरीक्षक की नियुक्ति के विषय पर भी चर्चा की गई। समिति के पदाधिकारियों ने सदस्यों को संस्था के कार्य संचालन से संबंधित जानकारी दी तथा सहकारी व्यवस्था को मजबूत बनाने में सदस्यों की सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। आमसभा में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा लांजी के शाखा प्रबंधक आरके हरिनखेड़े, संस्थाप्रबंधक सुभाष रहांगडाले, सहायक प्रबंधक विजय कावड़े, लेखापाल आरएल कचवाहे, कंप्यूटर ऑपरेटर नवल पालीवाल, भृत्य निलता नेवारे, नेतराम सोमनकर, सुरेशकुमार सहारे, जनपद सदस्य दिनेशकुमार लाडे, सरपंच प्रभुदयाल किरमे, लोकेश्वर सातपुते, मनीराम सातपुते, दिलीप सहारे, हेमेन्द्र सहारे, बलीराम बडगैया, राधेश्याम लिल्हारे, कैलाश बोरकर, युवराज किरमे एवं युवराज सहारे सहित समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट स्कूल लांजी में प्रतिभा, उमंग और ज्ञान का संगम

'मेरे सपनों का भारत' में विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मकता, मोगली उत्सव और अभिभावक-शिक्षक बैठक में भी हुई सक्रिय सहभागिता

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देने और उनके व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण, सेवा भावना, देशप्रेम और सामाजिक दायित्वों से जुड़े विचार भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किए, वहीं चित्रों के जरिए अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों में उकेरा। 22 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत बालाघाट के विधायक प्रतिनिधि गौरव बैस ने विद्यार्थियों की चित्रकला का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों के भाषण भी ध्यानपूर्वक सुने तथा उनका उत्साहवर्धन किया। बैस ने कहा कि छात्र जीवन में मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाते हुए अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एनके मेश्राम ने किया। आयोजन प्रभारी शिक्षिका बबिता चौरे एवं शिक्षक रविंद्र नागदेवे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसी क्रम में विद्यालय में उमंग दिवस भी उत्साह के

साथ मनाया गया। मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। उमंग गतिविधि प्रभारी अभिलाषा मौर्य ने 'खुद को जाने' विषय पर गतिविधि आयोजित की, जिसमें निर्मला नागदेवे ने सहयोग किया। गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय में मोगली बाल उत्सव 2026 के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। लिखित प्रश्नोत्तरी में विकासखंड लांजी के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयनित विद्यार्थी जिला स्तरीय मोगली प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इसके अलावा विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, नियमित उपस्थिति, अनुशासन एवं परीक्षा तैयारी पर चर्चा की गई। प्राचार्य डीके फुल्लारे ने कहा कि विद्यार्थी की सफलता के लिए विद्यालय और परिवार का समन्वय जरूरी है। शिक्षकों ने अभिभावकों को विद्यार्थियों की विषयवार प्रगति से अवगत कराया और कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहयोग देने पर चर्चा की। बैठक में एसएमसी अध्यक्ष रेखा शुक्ला, उपाध्याय गायत्री मिसारे, जनप्रतिनिधि दिनेश लाडे, भूतपूर्व छात्र आदित्य नागपुरे सहित शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। आयोजनों से विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल बना रहा।

छात्राओं को सिखाए गये स्वास्थ्य, सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव के तरीके

किशोरियों को पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, जीवन कौशल के साथ कानून और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में मंगलवार को उमंग दिवस के अवसर पर किशोरियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और जीवन कौशल को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम के तहत आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने के साथ ही साइबर अपराध से बचाव और कानून के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उमंग एम्बेसडर गुरवंती सिंगोतिया एवं उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े ने छात्राओं से संवाद करते हुए किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक बदलाव, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, मादक पदार्थों से बचाव, संचारी एवं असंचारी रोग, चोट एवं हिंसा तथा लिंग आधारित भेदभाव जैसे विषयों पर जानकारी दी। छात्राओं को अपनी समस्याओं को बिना झिझक साझा करने, सही निर्णय लेने और कठिन परिस्थितियों में उचित

सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

साइबर अपराध से बचने के बताए तरीके

कार्यक्रम में लांजी पुलिस विभाग से एसआई विधि पाण्डेय ने छात्राओं को साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक एवं जिम्मेदारी से उपयोग करने, अनजान लिंक या संदेश पर प्रतिक्रिया नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल विश्वसनीय व्यक्ति अथवा संबंधित विभाग से सहायता लेने के लिए जागरूक किया। इसके साथ ही छात्राओं को बाल सुरक्षा और कानून से जुड़े प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जीवन कौशल आधारित गतिविधियां, प्रश्नोत्तरी एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। छात्राओं ने इनमें उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य पी.के. भीमटे ने छात्राओं को स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एस.के. बोरकर, ए.के. लटारे, बसंत रामटेके, उमंग एम्बेसडर गुरवंती सिंगोतिया, उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े, एसआई विधि पाण्डेय सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन उच्च माध्यमिक शिक्षक आनंद लटारे ने किया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को अपने स्वास्थ्य, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा अन्य छात्राओं को भी जागरूक करने का संदेश दिया गया। इस दौरान स्वस्थ किशोरी, सुरक्षित किशोरी और सशक्त किशोरी—उज्ज्वल भविष्य की ओर का संदेश दिया गया।

दहेगांव बस स्टैंड पर गूंजा 'गणपति बप्पा मोरया'

हवन-पूजन के बाद भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। लांजी। दहेगांव बस स्टैंड क्षेत्र सोमवार को 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष से गूंज उठा। सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति बस स्टैंड दहेगांव द्वारा गणेशोत्सव के अष्टमी पर्व पर 21 सितंबर को गणेश पंडाल में विधि-विधान से हवन-पूजन कराया गया। हवन में समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। धार्मिक अनुष्ठान के बाद आयोजित भव्य भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसादी ग्रहण की। गणेशोत्सव के दौरान समिति ने धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया। पंडाल में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जस, भजन-कीर्तन सहित अन्य कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वहीं बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर उन्हें भी उत्सव से जोड़ा गया। प्रतियोगिताओं में बच्चों का उत्साह देखते ही बना और पूरे गणेशोत्सव के दौरान पंडाल परिसर में उल्लास का माहौल बना रहा। समिति के सदस्यों ने बताया कि गणेशोत्सव का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भाव की भावना को मजबूत करना भी है। इसी उद्देश्य से धार्मिक कार्यक्रमों के साथ बच्चों और युवाओं की सहभागिता वाले आयोजन किए गए।

हवन में दी आहुतियां, सुख-समृद्धि की कामना

अष्टमी पर्व पर हुए हवन-पूजन में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कीं। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के गांवों और क्षेत्र से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। गणेश प्रतिमा के प्रदाता मनोज घोरमारे सहित समिति के सदस्य चन्द्रभोज मलगाम, मिथुन कावरे, खेमलाल मलगाम, लक्ष्मी चंद मलगाम, चंद्रशेखर मलगाम, रंजीत मलगाम, जितेंद्र कावरे, राकेश मलगाम, रवि चन्दाहे, राकेश पालेवार, धर्मेंद्र कावरे, अजित मलगाम, आकाश पालेवार, विक्की यूके, विशाल यूके, नवनीत पालेवार, रोहित चन्दाहे, नितेश पालेवार, समीर मलगाम, दुर्गेश मलगाम, संजू चन्द्रहे, मनीष चौहान, अजय मलगाम, दिलीप घोरमारे, संदीप मलगाम, विशाल घोरमारे, कुनाल घोरमारे, यासिर पालेवार, अनवर पालेवार, तिलक पालेवार, प्रचेश पालेवार, आयुष गणवीर, भव्य पालेवार, अभिषेक पालेवार, अजय पालेवार, राहुल मलगाम, शुभम मलगाम, प्रदीप मलगाम, रुपेश पालेवार, देवांशू, दिव्यांशु अम्बेडारे, अनिल चंदहे, नीलचंद यूके, पुष्पेंद्र पालेवार, मनीष पालेवार एवं अंशुमन मलगाम सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों में देशभक्ति, रचनात्मकता और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने के उद्देश्य से सोमवार, 21 सितंबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा के प्रांगण में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद सदस्य लांजी महेन्द्र पटले रहे। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष सुरेन्द्र पटले, उपसरपंच चंद्रशेखर जांभुरे, वीरेंद्र घोरमारे एवं मनोज पटले सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'मेरे सपनों का भारत' विषय को अपनी कल्पनाओं और विचारों के माध्यम से कागज पर उकेरा। किसी ने स्वच्छ और विकसित भारत की तस्वीर प्रस्तुत की तो किसी ने शिक्षा, पर्यावरण, तकनीक, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र की प्रगति को अपने सपनों के भारत का आधार बनाया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रभावी ढंग से अपने विचार रखते हुए बताया कि देश के विकास में युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका है। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कृतियों का मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अतिथियों ने अवलोकन कर मूल्यांकन किया। इसके बाद भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के विचार, प्रस्तुति एवं विषय की समझ के आधार पर मूल्यांकन किया गया। मुख्य अतिथि महेन्द्र पटले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों और विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य विद्यार्थियों के हाथों में है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रहित की भावना के साथ आगे बढ़ते हुए देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के उपरांत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य एस. के. नारनौरे ने अतिथियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एम. के. गुर्दे एवं उमेश लिल्हारे ने किया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

शराबबंदी को लेकर अब घोटी की महिलाओं का हल्लाबोल

गेहलाटोला-जानाटोला में अवैध शराब बिक्री बंद कराने की मांग

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव तहसील में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ ग्रामीण महिलाओं का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। भडंगा, कलपाथरी और मुंडीपार के बाद अब ग्राम पंचायत घोटी के वार्ड क्रमांक 1 अंतर्गत गेहलाटोला एवं जानाटोला की महिलाओं और ग्रामवासियों ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ आवाज बुलंद की है।

गांव में कथित रूप से चल रही अवैध शराब बिक्री को तत्काल बंद कराने तथा संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने की मांग को लेकर ग्रामवासियों ने 22 सितंबर को गोरेगांव पुलिस स्टेशन, तहसील कार्यालय तथा जिलाधिकारी कार्यालय, गोंदिया में सामूहिक निवेदन प्रस्तुत किया। निवेदन

के माध्यम से गांव को जल्द से जल्द शराबमुक्त करने की मांग की गई है।

ग्रामीणों के अनुसार गेहलाटोला एवं जानाटोला क्षेत्र में अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है। उनका कहना है कि ऐसी गतिविधियों से गांव के सामाजिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और परिवारों के सामने आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका बनी हुई है। विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं में इसको लेकर नाराजगी है।

विशेष सभा में शराब बिक्री बंद करने का सर्वसम्मत निर्णय

इस मामले को लेकर 20 सितंबर 2026 को भंगाराम चौक, गेहलाटोला में विशेष सभा आयोजित की गई थी। सभा में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, युवा एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित हुए। बैठक में गांव में कथित अवैध शराब बिक्री के विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के बाद अवैध शराब बिक्री बंद कराने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

ग्रामवासियों ने कहा कि गांव में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के भविष्य तथा परिवारों के हित को ध्यान में रखते हुए शराबबंदी के प्रयासों को प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। इस पहल में सम्राट महिला ग्रामसंघ, दारूबंदी समिति, ग्राम पंचायत पदाधिकारी, तंटामुक्त समिति, पुलिस पाटील तथा समस्त महिला-पुरुष ग्रामवासियों ने एकजुट होकर सहभागिता की।

पुलिस निरीक्षक ने कार्रवाई का दिया आश्वासन

सामूहिक निवेदन के दौरान गोरेगांव पुलिस निरीक्षक वैशाली ढाले ने गेहलाटोला एवं जानाटोला क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के संबंध में आवश्यक कार्रवाई जल्द से जल्द किए जाने का आश्वासन ग्राम की महिलाओं को दिया।

ग्रामवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की उचित जांच कर अवैध शराब बिक्री की पुष्टि होने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही गांव में अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाकर शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में प्रशासन सहयोग करे।

मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण को लेकर भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक हुई

आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठन ने बूथ स्तर पर तैयारियों पर दिया जोर

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आगामी चुनावों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी की ओर से संगठनात्मक तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से 21 सितंबर को गोरेगांव स्थित भाजपा कार्यालय में तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी एवं अद्यतन बनाने तथा पात्र मतदाताओं के नाम सुनिश्चित करने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं का शीघ्र पंजीयन, मतदाता सूची में दर्ज दोहरे नामों की जांच एवं आवश्यक सुधार, साथ ही स्थानांतरित मतदाताओं से संबंधित प्रविष्टियों को अद्यतन करने के विषय पर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया गया।

आगामी चुनावों की पृष्ठभूमि में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए बूथ स्तर पर आवश्यक कार्यवाही, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां और आपसी समन्वय पर भी चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से पात्र नागरिकों को मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराने तथा मतदाता सूची में आवश्यक सुधार के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सीताताई रहांगडाले, पूर्व विधायक हेमंतजी पटले, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष पंकज रहांगडाले, मंडल अध्यक्ष अनंतजी ठाकरे, जिला उपाध्यक्ष संजयजी वारेवार, पंचायत समिति गोरेगांव की सभापति श्रीमती चित्रकलाताई चौधरी सहित भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी, बूथ प्रमुख एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने तथा बूथ स्तर पर बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया। साथ ही आगामी गट ग्राम पंचायत चुनावों को देखते हुए गोरेगांव भाजपा संगठन भी अपनी तैयारियों को मजबूत करता हुआ नजर आ रहा है। बैठक के माध्यम से कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों के साथ-साथ संगठनात्मक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया।

आमगांव में झमाझम बारिश से बदला मौसम

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव तहसील में मंगलवार, 22 सितंबर को दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली और गरज-चमक के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। जोरदार बारिश से वातावरण में ठंडक घुल गई। पिछले कई दिनों से उमस और गर्मी से परेशान नागरिकों को बारिश से बड़ी राहत मिली।

तेज बारिश के कारण शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर कई स्थानों पर पानी जमा हो गया। निचले इलाकों में जलभराव होने से नागरिकों को कुछ समय तक परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, सड़कों पर पानी जमा होने से यातायात प्रभावित होने की भी स्थिति बनी।

बारिश से किसानों की उम्मीदें जगीं

खरीफ फसलों के लिए यह बारिश महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बारिश से खेतों में खड़ी फसलों को फायदा होने की उम्मीद किसानों ने जताई है। हालांकि, यदि बारिश का जोर लगातार बना रहा तो निचले क्षेत्रों की फसलों के साथ नदी-नालों और जलस्त्रोतों पर भी असर पड़ने की आशंका है।

23-24 सितंबर को भी बारिश के आसार

भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार विदर्भ में आगामी दिनों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। 23 और 24 सितंबर को विदर्भ के कुछ हिस्सों में तेज बारिश की संभावना जताई गई है।

नदी-नालों से दूर रहने की अपील

बारिश को देखते हुए नागरिकों से अनावश्यक रूप से नदी, नाले अथवा तेज बहाव वाले पानी के नजदीक नहीं जाने की अपील की गई है। निचले इलाकों में रहने वाले नागरिकों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

एलोरा-देव्हाडा मार्ग पर मौत का खतरा

लाखों की लागत से बना सीमेंट मार्ग कुछ ही महीनों में जर्जर; जगह-जगह बड़ी दरारें, गिट्टी उखड़ने से हादसों का खतरा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा तहसील के एलोरा से देव्हाडा को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग की हालत निर्माण के कुछ ही महीनों बाद बदहाल हो गई है। लाखों रुपए की लागत से बनाए गए सीमेंट मार्ग पर जगह-जगह बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। कई स्थानों पर सीमेंट उखड़ने से गिट्टी बाहर आ गई है। सड़क की इस स्थिति को लेकर स्थानीय नागरिकों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की है।

यह मार्ग तिरोड़ा-गोंदिया मुख्य मार्ग से जुड़ा होने के कारण प्रतिदिन सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही रहती है। मार्ग पर स्कूल और कॉलेज भी स्थित हैं, जिससे बड़ी संख्या में विद्यार्थी इसी सड़क से आवागमन करते हैं। सड़क के बीचोंबीच पड़ी गहरी दरारें दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का कारण बन रही हैं। रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है।

मोबाइल कैमरे में कैद हुई बदहाली

स्थानीय नागरिक सोनू परिहार, कछेवानी ने सड़क की बदहाल स्थिति को मोबाइल कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल किया है। उन्होंने पोस्ट के माध्यम से एलोरा-देव्हाडा मार्ग की स्थिति पर ध्यान आकर्षित किया है। इसके बाद नागरिकों में प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है।

हादसे के बाद जागेगा प्रशासन?

नागरिकों का सवाल है कि जब जनता के टैक्स के पैसों से सड़क का निर्माण किया गया है तो निर्माण के कुछ ही समय बाद सड़क की ऐसी हालत कैसे हो गई? नागरिकों ने सवाल उठाया कि क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी?

जांच कर ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों ने सार्वजनिक निर्माण विभाग से तत्काल सड़क का निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच कराने, क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कराने तथा यदि निर्माण में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

23-24 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में चिंतन शिविर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की दो दिवसीय चिंतन बैठक 23 और 24 सितंबर को आयोजित होगी। यह बैठक सेवा तीर्थ में होगी, जहां प्रधानमंत्री कार्यालय भी स्थित है। इसमें पूरी मंत्रिपरिषद शामिल होगी। बैठक का मुख्य फोकस शासन में सुधार, नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन और विकसित भारतञ्च2047 के लिए आगे की प्राथमिकताएं तय करने पर रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में सरकारी योजनाओं की प्रगति, नीतियों के क्रियान्वयन, समयबद्ध तरीके से कार्यक्रमों को पूरा करने, मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल और नागरिकों को प्रभावी जनसेवाएं उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

विश्वकर्मा स्मारक परिसर में बनेगा सभामंडप

विधायक राजकुमार बडोले ने किया भूमिपूजन; रू7 लाख की लागत से होगा निर्माण, ग्रामीणों को मिलेगी सुविधा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के खोडशिवनी गांव स्थित श्री भगवान विश्वकर्मा स्मारक परिसर में ?7 लाख की निधि से मंजूर सभामंडप निर्माण कार्य का भूमिपूजन अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा पूर्व मंत्री इंजि. राजकुमार बडोले के हाथों किया गया।

सभामंडप के निर्माण से स्मारक परिसर में सामाजिक, धार्मिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए ग्रामीणों को सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। परिसर के विकास की दृष्टि से इस निर्माण कार्य को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भूमिपूजन कार्यक्रम में पंचायत समिति सभापति चेतन वडगाये, जिला परिषद सदस्य निशाताई तोडासे, पंचायत समिति सदस्य डॉ. रुखीराम वाढई, सरपंच गंगाधर परशुरामकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के तहसील अध्यक्ष डॉ. अविनाश काशिवार, पुलिस पाटील संगठन के राज्य उपाध्यक्ष भृंगराज परशुरामकर, उपसरपंच सत्यवान नेवारे, पुलिस पाटील मनोज शेंडे, ग्राम पंचायत सदस्य आशिष टेंभुर्णे, इंदूबाई परशुरामकर, चांगुनाबाई टेंभुर्णी, दुर्गाताई कापगते, लोहार समाज तहसील संगठन अध्यक्ष अनिल बावणे सहित समाजबंधु, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने का आश्वासन

कार्यक्रम के दौरान समाजबंधुओं एवं ग्रामीणों ने विकास कार्य के लिए विधायक राजकुमार बडोले का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक बडोले ने क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता देकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रयास करने की बात कही।

सभामंडप निर्माण से ग्रामीणों को विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आवश्यक सुविधा उपलब्ध होगी। विकास कार्य शुरू होने पर उपस्थित ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन दुर्योधन बावणे ने किया।

तिरोड़ा-नागपुर रेल मार्ग पर अज्ञात युवक का शव

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा तहसील के गुमाधावड़ा रेलवे फाटक के पास एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राथमिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि गोंदिया से नागपुर की ओर जा रही ट्रेन से गिरने के कारण युवक की मौत हुई होगी।

जानकारी के अनुसार, गुमाधावड़ा गांव के रेलवे फाटक क्रमांक 1025/24 से करीब 20 मीटर दूरी पर रविवार सुबह करीब 11.30 बजे शव दिखाई दिया। खैरबोड़ी के पुलिस पाटील युवराज टेंभरे ने घटना की जानकारी तिरोड़ा पुलिस को दी। मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। उसने चेक शर्ट और काले रंग का लोअर पहन रखा था। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

तिरोड़ा पुलिस ने इस मामले में मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक का शव फिलहाल तिरोड़ा उपजिला अस्पताल में रखा गया है। पुलिस द्वारा मृतक की पहचान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पहचान बताने की अपील

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि मृतक के संबंध में किसी को कोई जानकारी हो अथवा वह किसी परिचित व्यक्ति से मेल खाता हो, तो तत्काल तिरोड़ा पुलिस से संपर्क करें।

छोटे रिचार्ज विकल्प बढ़ेंगे, ट्राई ने बदले एसटीवी के नियम

नई दिल्ली/इंदौर। कम अवधि का रिचार्ज चाहने वाले दूरसंचार उपभोक्ताओं को अब अधिक विकल्प मिल सकेंगे। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (13वां संशोधन) विनियमन, 2026 जारी किया है। इसके तहत वॉयस, एसएमएस और डेटा सेवाओं वाले विशेष टैरिफ वाउचर (एसटीवी) में 30 दिन और उससे कम अवधि की प्रत्येक वैधता के अनुरूप विकल्प उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है।

नए नियमों के तहत एसटीवी की वैधता का नवीनीकरण हर माह उसी तारीख को किया जा सकेगा। यदि किसी महीने में वह तारीख उपलब्ध नहीं होगी तो उस महीने की अंतिम तारीख नवीनीकरण की तारीख होगी। इसके साथ ही सेवा प्रदाताओं को निर्धारित अवधि से अधिक वैधता वाला कम से कम एक एसटीवी भी उपलब्ध कराना होगा।

ट्राई के अनुसार, टीसीपीआर के 12वें संशोधन, 2024 के बाद केवल वॉयस और एसएमएस वाले एसटीवी की उपलब्धता सीमित और उनकी वैधता अपेक्षाकृत लंबी देखी गई थी। इससे कम आय वाले उपभोक्ताओं के लिए कम अवधि के किफायती विकल्प सीमित हो गए थे। नए प्रावधानों से उपभोक्ताओं को अपनी जरूरत और आर्थिक क्षमता के अनुसार रिचार्ज चुनने के अधिक विकल्प मिलेंगे। ट्राई ने 7 अप्रैल 2026 को संशोधन का मसौदा जारी कर हितधारकों से सुझाव मांगे थे।

इंदौर में नाइजीरियाई महिला गिरफ्तार, 1.19 करोड़ की ड्रग्स जब्त

इंदौर। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोमवार को इंदौर के तीन इमली चौराहे के पास एक 24 वर्षीय नाइजीरियाई महिला को मादक पदार्थों की खेप के साथ गिरफ्तार किया। उसके बैग से 1.19 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए। इनमें 1,120 ग्राम एम्फेटामाइन, 296 ग्राम एमडीएमए (एक्स्टेसी) और 10 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा शामिल है।

डीआरआई अधिकारियों के अनुसार, खुफिया सूचना के आधार पर टीम ने महिला को उस समय रोका, जब वह तीन इमली के पास पुणे जाने वाली बस में सवार होने की तैयारी में थी। तलाशी के दौरान उसके बैग से अलग-अलग पॉलीथिन में पैक मादक पदार्थ मिले। अधिकारियों ने बरामद सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 1.19 करोड़ रुपए बताई है।

अवैध रेत परिवहन पर एलसीबी की बड़ी कार्रवाई

दो स्थानों पर नाकाबंदी कर 3 आरोपी दबोचे; 2 ट्रैक्टर समेत 15.12 लाख रुपए का माल जब्त

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। अवैध रेत परिवहन के खिलाफ स्थानीय अपराध शाखा (स्थ्रक्च) गोंदिया ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो ट्रैक्टर और करीब 2 ब्रास रेत जब्त की। जब्त सामग्री की कुल कीमत 15 लाख 12 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के निर्देश तथा पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में 21 सितंबर को यह कार्रवाई की गई।

पहली कार्रवाई डुग्गीपार थाना क्षेत्र के सलाईटोला-विटोला मार्ग पर की गई। स्थ्रक्च टीम ने यहां जाल बिछाकर रेत से भरे ट्रैक्टर को पकड़ा। पूछताछ में चालक के पास रेत परिवहन का कोई वैध परमिट नहीं मिला। पुलिस के अनुसार चालक ने रेत उमरझरी नाले से चोरी कर बिक्री के लिए ले जाने की बात स्वीकार की।

कार्रवाई में 7 लाख रुपए का ट्रैक्टर और 6 हजार रुपए की रेत, कुल 7 लाख 6 हजार रुपए का माल जब्त किया गया। मामले में आरोपी उमाकांत मनोहर लंजे (32), निवासी कोहलीटोला, तहसील सड़क अर्जुनी के खिलाफ डुग्गीपार थाने में मामला दर्ज किया गया।

दूसरी कार्रवाई गोंदिया ग्रामीण थाना क्षेत्र के कारंजा-डव्वा मार्ग स्थित रेलवे फाटक के पास की गई। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने रेत से भरा ट्रैक्टर पकड़ा। जांच में सामने आया कि रेत चोरी कर पहले कारंजा के मैदान में छिपाकर रखी गई थी, जिसे बाद में बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। इस कार्रवाई में 8 लाख रुपए का ट्रैक्टर और 6 हजार रुपए की रेत, कुल 8 लाख 6 हजार रुपए का माल जब्त किया गया। मामले में चालक जगदीश कोहले (38) तथा ट्रैक्टर मालिक दिनेश तांडेकर (35), दोनों निवासी कवलेवाड़ा, जिला गोंदिया के खिलाफ गोंदिया ग्रामीण थाने में मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई में पोहवा सोमेंद्रसिंह तुरकर, दीक्षितकुमार दमाहे, भोजराज बहकार, तुलसीदास लुटे, दुर्गेश तिवारी, पोशि सुनील डहाके, निखिल मेश्राम, राकेश इंदूरकर तथा चापोशि विलेश ठाकरे शामिल रहे।

22 मांगों को लेकर आदिवासियों का देवरी में आक्रोश मोर्चा

हजारों महिला-पुरुष, विद्यार्थी और नागरिक सड़कों पर उतरे; एसडीओ कार्यालय पहुंचकर सौंपा मांगों का ज्ञापन

पद्मेश न्यूज ।गोंदिया। गोंदिया जिले के देवरी शहर में मंगलवार को आदिवासी समाज की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर विशाल आक्रोश मोर्चा निकाला गया। मोर्चे में हजारों की संख्या में आदिवासी महिला-पुरुष, विद्यार्थी और नागरिक शामिल हुए। मोर्चा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए उपविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचा, जहां प्रशासन को 22 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया।

आंदोलकारियों ने आदिवासी आश्रमशालाओं और छात्रावासों की व्यवस्था ञ्जक्रञ्जढ्ढ के माध्यम से करने, आदिवासी जमीनों के हस्तांतरण की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा आदिवासी आरक्षण का संरक्षण करने की मांग की। इसके साथ ही अधिसंख्य किए गए अनुसूचित जनजाति के पदों को भरने तथा वनाधिकार और कृषि भूमि से जुड़े लंबित मामलों का तत्काल निपटारा करने की मांग भी उठाई गई।

आश्रमशालाओं में सुविधाओं का मुद्दा

मोर्चे में आश्रमशालाओं में विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाएं, शैक्षणिक सामग्री और उचित निवास व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से रखी गई। आंदोलनकारियों ने महाराष्ट्र के छात्रावासों में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं देने तथा आदिवासी विद्यार्थियों को छात्रावासों में सभी पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश देने की मांग की।

कर्जमाफी और रोजगार की भी मांग

आदिवासी किसानों के लिए कर्जमाफी लागू करने के साथ ही आदिवासी महिला और युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। आंदोलनकारियों ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही इन समस्याओं पर शासन-प्रशासन को तत्काल ठोस कदम उठाने चाहिए। मोर्चे के बाद आदिवासी समाज की ओर से विभिन्न मांगों का ज्ञापन देवरी के उपविभागीय अधिकारी को सौंपा गया। आंदोलनकारियों ने मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आगे आंदोलन तेज करने की भूमिका व्यक्त की।

भारत को अंतिम गेंद पर 2 रन से जीत मिली

सानो। भारत और जापान की पुरुष क्रिकेट के बीच यहां खेले गये ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को बड़ी मुश्किल ने 2 रनों से जीत मिली। जापान के सानों में हुए इस रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद तक संघर्ष चला । यह मुकाबला भारत और जापान के बीच राजनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मारुति-सुजुकी कप के तहत खेला गया था। यह मैच, उम्मीद से कहीं ज्यादा रोमांचक और अप्रत्याशित साबित हुआ। किसी ने नहीं सोचा था कि तीन बार की विश्व चैंपियन भारतीय टीम को एक नई टीम के खिलाफ जीत के लिए इतना संघर्ष करन पड़ेगा।

मैच की शुरुआत ही अप्रत्याशित हालातों का सामान करना पड़ा। चक्रवात और खराब मौसम के चलते मैदान गीला था, जिसने 20-20 ओवर के मुकाबले को केवल पांच-पांच ओवर का किया गया। इन विषम परिस्थितियों में, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए मुश्किलें और बढ़ गईं। पिच धीमी और टर्निंग थी, जिस पर भारतीय बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए जमकर पसीन बहाना पड़ा।

भारतीय टीम पांच ओवर में चार विकेट पर केवल 32 रन ही बना पाई। यह स्कोर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी शीर्ष टीम के लिए बेहद कम माना जाता है। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 12 गेंदों में सबसे अधिक 16 रन बनाये। उनके अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। अभिषेक शर्मा खाता भी नहीं खोल पाए, जबकि संजू सैमसन ने सात गेंदों में नौ और ईशान किशन ने छह गेंदों में सिर्फ तीन रन बनाए। बड़े शॉट्स लगाने की कोशिश में भारतीय खिलाड़ी लगातार विकेट आउट होते गये। इसके बाद जापानी टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी।

जापानी बल्लेबाजों ने भी धीमी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों जैसी गलतियां की पर उन्होंने हर गेंद पर रन बनाये के प्रयास किये। उसने अपने खेल से भारतीय टीम को घुटनों पर आने मजबूर कर दिया। जापान को जीत के लिए आखिरी गेंद पर चौके की जरूरत थी। भारतीय स्पिनरों अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और रवि बिश्नोई ने अपनी फिरकी का जादू बिखेरा और अंतत: जापान के बल्लेबाज चौका लगाने में विफल रहे। भारत ने यह बेहद करीबी मुकाबला जीत लिया, लेकिन इस जीत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारतीय टीम ने इस मैच में एक भी तेज गेंदबाज या मीडियम पेसर का इस्तेमाल नहीं किया, जो शायद परिस्थितियों के अनुकूल एक रणनीति थी। हालांकि, एक मजबूत टीम के रूप में भारत का जापान के खिलाफ इस कदर संघर्ष करना, टीम की आगामी चुनौतियों के लिए एक महत्वपूर्ण सबक हो सकता है।

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने बांग्लादेश को हराकर अपना अभियान शुरु किया

आइची । भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपने अभियान की जीत से शुरुआत करते हुए पहले ही मुकाबले में बांग्लादेश को 42-21 से हराया है। भारतीय टीम ने टोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में खेले गए ग्रुप-ए के अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 42-21 के बड़े अंतर से हराकर अपने इरादे जाहिर कर दिये हैं। इस जीत से तय है कि टीम लगातार तीसरे एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की दावेदार है। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए लगातार आक्रामक रुख अपनाया। भारतीय खिलाड़ियों के अच्छ तालमेल के कारण बांग्लादेश की टीम खेल के किसी भी चरण में ऊपर नहीं आ पायी। खासकर संजू देवी ने रेडिंग में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से टीम को लगातार अंक दिलाए। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबादबा कायम कर लिया था। ऐसे में बांग्लादेशी रेडर्स के लिए बोनस लाइन तक पहुंचना भी कठिन हो गया। भारतीय रेडर्स ने लगातार सफल रेड करते हुए अंक बटोरे। वहीं, डिफेंस में मनीषा कुमारी लेफ्ट कवर से बेहद प्रभावी रहीं, जिन्होंने कई महत्वपूर्ण टैकल किए। अटैक में सोनाली शिंगेट और कप्तान पुष्पा राणा ने भी अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। भारतीय टीम की इस शानदार रणनीति का परिणाम यह रहा कि उन्होंने पहले ही हाफ में बांग्लादेश को ऑलआउट कर दिया और मध्यांतर तक 21-10 की मजबूत और आरामदायक बढ़त बना ली। वहीं दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम के जोश और रणनीति में कोई कमी नहीं आई। संजू देवी और पूजा ने तेजी से हैंड टच के जिरये अंक बटोरे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने हाई लाइन बनाए रखकर बांग्लादेश के रेडर्स पर लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे उन्हें रेड करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस प्रभावी रणनीति के चलते भारत ने एक और ऑलआउट किया और अपनी बढ़त को और मजबूत किया। हालांकि, बांग्लादेशी कप्तान श्राबोनी मौलिक ने अपनी टीम के लिए कुछ अंक जोड़े और उनकी टीम ने वापसी के प्रयास किये पर भारत के डिफेंस से वह अधिक कुछ नहीं कर पायी।

भारत के कुल 42 अंकों में 11 बोनस अंक और चार ऑलआउट अंक शामिल थे, जबकि बांग्लादेश केवल 5 बोनस अंक और एक सुपर टैकल अंक ही जुटा पाई।

जापान के खिलाफ अभिषेक शर्मा हुए गोल्डन डक

सानो। जापान के सानो में भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित ऐतिहासिक टी-20 मैच का आगाज कुछ ऐसा रहा, जिसकी कल्पना शायद ही किसी क्रिकेट प्रशंसक या पंडित ने की होगी। इस विशेष मुकाबले से पहले, हर कोई यही सोच रहा था कि भारतीय टीम अपने अनुभव, प्रतिभा और टी-20 क्रिकेट के जबरदस्त इतिहास के दम पर जापान के अनुभवहीन गेंदबाजों पर हावी होगी। छोटे ग्राउंड का पूरा फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाज रनों का अंबार लगाएंगे और मैच एकतरफा साबित होगा। लेकिन, जब मैच शुरू हुआ तो मैदान पर नजारा बिलकुल उलट था, जिसने सभी को चौंका दिया। भारतीय पारी की पहली ही गेंद पर, युवा और विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा गोल्डन डक का शिकार होकर पवेलियन लौट गए।

स्टोक्स को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए नहीं कहेंगे : फ्लेमिंग

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को संन्यास से वापस लौटने के लिए नहीं कहा जाएगा। फ्लेमिंग ने कहा कि हम स्टोक्स के फैसले का सम्मान करते हुए उसे वापस आने के लिए बिलकुल भी नहीं कहेंगे। इसलिए इस प्रकार की अटकलें नहीं लगायी जानी चाहिये। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्टोक्स अपने फैसले से पूरी तरह संतुष्ट और खुश हैं, इसलिए हमें उनके फैसले पर सवाल नहीं उठाने चाहिये।

गौरलतब है कि पूर्व टेस्ट कप्तान और मैच विजेता खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने इसी साल जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में मिली हार के बाद अचानक ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उनके इस अप्रत्याशित फैसले ने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था और तब से ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। इसमें कहा जा रहा है कि एशेज सीरीज से पहले। इस अनुभवी ऑलराउंडर की मैदान पर मौजूदगी और कप्तानी क्षमता की कमी को देखते हुए उनसे वापसी की अपील की जा सकतती है। वहीं फ्लेमिंग ने हाल ही में इंग्लैंड टेस्ट टीम के मुख्य कोच का पदभार संभाला है। पद ग्रहण करते ही उन्होंने स्टोक्स से मुलाकात की थी, जिसके बाद उन्होंने स्टोक्स की वापसी की संभावनाओं को पूरी तरह से खारिज कर दिया। फ्लेमिंग ने कहा, मैं डरहम गया और बेन स्टोक्स से बात की, जो एक अच्छी बात थी। वह बहुत खुश है और अपने फैसले से पूरी तरह संतुष्ट लग रहा था। मैंने बेन के साथ काफी काम किया है। हमारा रिश्ता बहुत अच्छा है। वह अपने काम से बहुत खुश और सहज दिखते हैं। उन्होंने आगे जोर देकर कहा, मैं उनके फैसले का बहुत सम्मान करता हूं। इसे पलटने और इस पर सवाल उठाने की कोशिश करना गलत है। फ्लेमिंग के इस बयान से साफ है कि वह स्टोक्स के निजी फैसले में हस्तक्षेप करने के पक्ष में नहीं हैं, भले ही टीम को उनकी कितनी भी जरूरत क्यों न हो।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद स्टोक्स अपनी काउंटी टीम डरहम के लिए खेलना जारी रखे हुए हैं और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित बिग बैश लीग (बीबीएल) में एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए भी खेलते दिखेंगे। यह दर्शाता है कि स्टोक्स क्रिकेट खेलना चाहते हैं, लेकिन शायद अंतरराष्ट्रीय स्तर के दबाव और व्यस्त कार्यक्रम से उन्होंने खुद को दूर कर लिया है।स्पष्ट बयानों के बाद, यह अब लगभग तय हो गया है कि बेन स्टोक्स निकट भविष्य में इंग्लैंड के लिए दोबारा सफेद या लाल जर्सी में खेलते नहीं दिखेंगे।

न्यूजीलैंड दौरे के अंतिम दो एकदिवसीय में वैभव और शुभमन को मिल सकता है आराम

क्राइस्टचर्च । भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड दौरे में पांच टी20 मैचों के बाद इतनी ही एकदिवसीय मैच खेलने हैं। ऐसे में कड़े और थकाऊ कार्यक्रम को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और कप्तान शुभमन गिल को अंतिम दो एकदिवसीय मैचों में आराम भी दिया जा सकता है। अक्टूबर से दिसंबर 2026 के बीच होने वाले इस अलग-अलग प्रारुपों वाले दौरे में मैचों के बीच बेहद कम अंतराल के कारण टीम इंडिया को पांच एकदिवसीय मैचों की सीरीज के अंतिम दो मुकाबलों में अपनी कमजोर टीम उतारने पर मजबूर होना पड़ सकता है। इस पूरी स्थिति ने दौरे की योजना और मैचों के क्रम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे भारतीय खेमे में चिंता का माहौल है।

इस दौरे की शुरुआत 22 अक्टूबर 2026 को क्राइस्टचर्च में पहले टी20 मैच से होगी। कुल पांच टी20 मुकाबले 1 नवंबर को हैमिल्टन में समाप्त होंगे। इसके तुरंत बाद, भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे से पांच वनडे मैचों की सीरीज का आगाज होगा। पहला वनडे 4 नवंबर को ऑकलैंड में, दूसरा 7 नवंबर को वेलिंगटन में, तीसरा 10 नवंबर को हैमिल्टन में, चौथा 13 नवंबर को माउंट माउंगानुई में और पांचवां व अंतिम वनडे 15 नवंबर को उसी स्थान पर खेला जाएगा।इस सीरीज में पांचवें एकदिवसीय और पहले टेस्ट मैच के बीच का अंतर काफी कम अंतराल है। 15 नवंबर को अंतिम एकदिवसीय समाप्त होने के ठीक चार दिन बाद, 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में पहला टेस्ट मैच शुरू हो जाएगा, जिसके बाद सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 27 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच क्राइस्टचर्च में आयोजित होगा।

केवल चार दिन के इस छोटे से अंतर के कारण शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे प्रमुख खिलाड़ियों का दोनों प्रारूपों में लगातार खेलना संभव नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लाल गेंद के क्रिकेट के लिए उचित तैयारियों को ध्यान में रखते हुए, इन सभी स्टार खिलाड़ियों को अंतिम दो एकदिवसीय मैचों से आराम दिया जा सकता है, जिससे वे वेलिंगटन पहुंचकर टेस्ट सीरीज के लिए अभ्यास शुरू कर सकें।

कप्तान शुभमन गिल हमेशा टेस्ट क्रिकेट की पुख्ता तैयारियों के पक्षधर रहे हैं, और इस बार उनकी यह नीति एकदिवसीय डे सीरीज की कीमत पर लागू होती दिख रही है। शुभमन के बाहर होने पर उपकप्तान श्रेयस अय्यर को अंतिम दो एकदिवसीय मुकाबलों के लिए टीम की कमान सौंपी जा सकती है। खिलाड़ियों के अलावा, कोचिंग स्टाफ को भी दो हिस्सों में बांटने की नौबत आ गई है। मुख्य कोच गौतम गंभीर समेत अन्य सहायक कोचों में से कुछ अंतिम दो एकदिवसीय मैचों में टीम के साथ रहेंगे, जबकि बाकी टेस्ट टीम के खिलाड़ियों के साथ वेलिंगटन जाकर पहले टेस्ट की तैयारी करेंगे।यह एकदिवसीय सीरीज 2027 विश्व कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही थी। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि यदि टी20 मैचों को एकदिवसीय के बाद आयोजित किया जाता, तो ऐसी स्थिति नहीं आती, क्योंकि टी20 और टेस्ट टीम के खिलाड़ियों में आमतौर पर बहुत कम समानता होती है।

एशियाई खेलों में आज भारतीय खिलाड़ी निशानेबाज, तलवारबाजी सहित कई मुकाबलों में उतरेंगे

नागोया । एशियाई खेल 2026 में मंगलवार को भारत को कई पदक मिल सकते हैं। भारत को खेलों के इस चौथे दिन महिला क्रिकेट के फाइनल में श्रीलंका से खेलना है। इसमें भारतीय टीम स्वर्ण की प्रबल दावेदार है। इसके अलावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम का मुकाबला भी श्रीलंका से होगा। आज निशानेबाज, तलवारबाजी, मुक्केबाजी, कराटे, वुशू, बैडमिंटन और घुड़सवारी में भारतीय एथलीट अपनी चुनौती पेश करेंगे। इस तरह भारत के पास पदक तालिका में अपनी स्थिति बेहतर करने का अच्छा अवसर रहेगा।

अब तक दो रजत पदक अपने नाम कर चुकीं महिला निशानेबाज एलावेनिल वलारिवन आज 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम इवेंट के क्वालिफिकेशन और फिर फाइनल मुकाबले में पार्थ माने के साथ अपनी पदकों की संख्या बढ़ाने के इरादे से उतरेंगी जबकि बैडमिंटन में भी भारतीय खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे। इसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों को अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में जापान से खेलना है।

अभी तक भारत ने कुल छह पदक जीते हैं। जिनमें से चार पदक भारतीय खिलाड़ियों ने तीसरे दिन जीते थे। अब तक उसने निशानेबाजी में ही पदक जीते हैं आज अन्य खेलों में भी उसे पदक मिल

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया

यशबर्धन और विनीत का शानदार प्रदर्शन -सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त मिली

सौराष्ट्र। यशबर्धन चौहान के शतक से भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे मैच को आसानी से जीत लिया। भारतीय टीम की ओर से यशबर्धन ने 103 रन जबकि वीके विनीत ने 87 रन बनाये। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा और उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को 238 रनों पर ही रोक दिया।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 341 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग ने 47 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें कप्तान लक्ष्य रायचंदानी 11 के साथ पहले विकेट के लिए 46 रन की साझेदारी और फिर वीके विनीत के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी की। आर्यवीर बदकिस्मती से रन आउट हो गए। वहीं पहले मैच में 18 गेंदों पर 38 रन बनाने वाले अन्वय द्रविड़ इस मुकाबले में केवल 9 रन ही बना पाये।

इसके बाद यशबर्धन और विनीत ने तीसरे विकेट के लिए 132 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला। यशबर्धन ने केवल 100 गेंदों में 15 चौके और 2 छक्कों की मदद से 122 रन बनाए, जबकि विनीत ने 92 गेंदों पर छह छक्के और चार चौकों के साथ 87 रन बनाये। अंतिम ओवरों में कुशाग्र ओझा ने भी 20 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाए, जिससे भारतीय अंडर-19 टी 341 रन तक पहुंचने में सफल रही। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से थॉमस वासेओ ने 78 रन देकर तीन जबकि पैट्रिक सुलिवन ने 55 रन दे कर दो विकेट लिए।

वहीं 342 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मेहमान टीम को उबरने का अवसर ही नहीं दिया। वापसी का मौका नहीं दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कप्तान जैक चोस्नेक ने सबसे अधिक 81 रन (63 गेंद) बनाए, जबकि मैथ्यू लॉघ (42) और ब्लेक कैटल ने भी पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। अंतत: पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.1 ओवर में 238 रन पर ऑल आउट हो गई। भारतीय गेंदबाजी में चिगुरुपति वेंकट सबसे सफल रहे, जिन्होंने 64 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि काव्या पटेल और यशबर्धन चौहान ने दो-दो विकेट हासिल किए। मोहित उल्वा, मनल चौहान और यशवीर गौड़ को भी एक-एक सफलता मिली।

रोहित जब तक रन बना रहे हैं उन्हें खेलते रहने दें : चेतन शर्मा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम की चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा का कहना है कि कि अनुभवी बल्लेबाज रोहत शर्मा को अभी संन्यास के लिए मजबूर न करते हुए तब तक खेलते रहने देना चाहिये जब तक कि वह रन बना रहे हैं। पिछले करीब एक साल से रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर उन्हें टीम में बनाये रहने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे समय में चेतन ने रोहित का बचाव करते हुए कहा है कि जब तक वह फिट हैं और रन बना रहे हैं, उन्हें एकदिवसीय क्रिकेट खेलना रहने देना चाहिए। चेतन शर्मा के अनुसार उम्र केवल एक नंबर है और उसे चयन का पैमाना नहीं बनाया जा सकता। साथ ही कहा , अगर रोहित शर्मा 2027 विश्व कप खेल सकते हैं, तो इसमें क्या खराबी है? यह बयान रोहित के अगले विश्व कप तक खेलने की संभावनाओं को बल देता है, बशर्ते उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार रहे। शर्मा ने अपनी इस राय को सिर्फ रोहित तक सीमित नहीं रखा, बल्कि विराट कोहली का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, अगर विराट कोहली अभी भी फिट हैं और रन बना रहे हैं, तो उन्हें भी खेलते रहना चाहिए। विराट हमेशा से भारतीय क्रिकेट की अमूल्य संपत्ति रहे हैं। शर्मा का मानना है कि ऐसे दिग्गजों को, जो फिट रहते हुए देश के लिए लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, टीम में बनाए रखना चाहिए।

बेटियों ने रचा इतिहास, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 147 रनों से हराकर एशियाई खेलों में पहला स्वर्ण जीता

नागोया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल मुकाबले में श्रीलंकाई टीम को 147 रनों से हराकर अपना खिताब बरकरार रखने के साथ ही देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम का एशियाई खेलों में ये लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। पिछली बार भी भारतीय महिला टीम ने इन खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इस बार 147 रनों से जीत के साथ ही नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। ये टी20 अंतरराष्ट्रीय में रनों के हिसाब से यह उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत है।

इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति मंधाना के अर्धशतक 79 रन और शेफाली वर्मा के 48 रनों व ऋचा घोष के 49 रनों की सहायता से 20 ओवरों में 3 विकेट पर 216 रन बनाये। भारतीय टीम ने पावरप्ले का पूरा फायदा उठाते हुए शुयआ में ही बिना किसी नुकसान के छह ओवर में 59 रन बना दिये। मंधाना और शेफाली के बीच 99 रन की साझेदारी हुई।

वहीं श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए 217 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए लंकाई टीम केवल 69 रन ही बना पायी। श्रीलंका की ओर से केवल कप्तान चामरी अटापट्टू ही 29 रन व कविशा दिल्हारी 11 रन बना पायी। वहीं अन्य खिलाड़ी एक के बाद एक आउट होती गयीं। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने तीन जबकि शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने दो दो विकेट लिए। ये हार श्रीलंका महिला टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास की सबसे बड़ी हार है। इससे पहले श्रीलंका को 2019 में नॉर्थ सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 132 रनों से सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा था।

इस मुकाबले के साथ ही भारतीय महिला टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी लगातार 8वीं जीत हासिल कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ये इस प्रारूप में भारतीय टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इससे भारतीय टीम ने साल 2018 में बनाए गए लगातार 7 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। गौरतलब है कि श्रीलंकाई टीम ने भारतीय टीम को अंतिम बार 2024 एशिया कप के फाइनल में हराया था, लेकिन उसके बाद से भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ लगातार आठों टी20 मुकाबलों में जीत दर्ज की है।

आज के खेल का आकर्षण मंधाना की 45 गेंद में 79 रन जबकि ऋचा घोष की 22 गेंद में नाबाद 49 रनों की पारी रही।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बालाघाट 481001

दूरभाष क्रमांक - 07632-241377, ई मेल- cmobalaghat@mpurban.gov.in/daynulmbalaghat@gmail.com

क्र./डे-एनयूएलम/दीनदयाल रसोई योजना/8472 बालाघाट, तारीख 22/09/2026

।। निविदा सूचना ।।

नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा रसोई योजना के संचालन हेतु निविदा सूचना ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in/** पर आमंत्रित है। गैर शासकीय/धार्मिक/स्वयंसेवी/कल्याणकारी संस्था/एरिया लेवल फेडरेशन/स्व-सहायता समूह/व्यक्ति जिनका मूल उददेश्य समाज सेवा है और वह स्वेच्छा से दीनदयाल अन्त्योदय रसोई योजना के क्रियान्वयन से जुडना चाहती है। नगर पालिका परिषद बालाघाट, जिला - बालाघाट द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है

क्र	टेंडर आई.डी	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_537885_1	दीनदयाल रसोई योजनांतर्गत रसोई केन्द्र के संचालन हेतु	समयावधि:- 01 वर्ष लागत:- 1800000/-	नि.प्र.मूल्य:- 2000/- EMD:- 50000/-	24.10.2026

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बालाघाट
जिला बालाघाट(म.प्र)

प्रतिमा विसर्जन को लेकर नगर पालिका की व्यापक तैयारी, घाटों का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। गणेश एवं दुर्गा प्रतिमाओं के सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल विसर्जन के लिए नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विशेष व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। व्यवस्थाओं का जायजा लेने नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने एसडीएम गोपाल सोनी, नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ वैनगंगा नदी तट स्थित छोटा पुल विसर्जन घाट का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में इस वर्ष किसी भी तालाब में सीधे प्रतिमा विसर्जन की अनुमति नहीं होगी। प्रतिमाओं का विसर्जन नगर पालिका द्वारा निर्धारित नदी तटों और निर्मित विसर्जन कुंडों में ही किया जाएगा। इसके लिए वैनगंगा तट स्थित छोटा पुल विसर्जन घाट, गायखुरी घाट, जाकपुर घाट, शंकर घाट, वार्ड क्रमांक 1 स्थित ढीमरटोला घाट तथा वार्ड क्रमांक 4 एवं 5 में स्थित नहर क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि अपनी प्रतिमाएँ विसर्जन के लिए केवल इन्हीं निर्धारित स्थलों पर लेकर पहुँचें।

नगर पालिका द्वारा 24, 25 एवं 26 सितंबर को प्रतिमा विसर्जन के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। विसर्जन स्थलों पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगर पालिका का अमला श्रद्धालुओं के सहयोग के लिए उपस्थित रहेगा। कोई भी श्रद्धालु स्वयं नदी में उतरकर प्रतिमा विसर्जन न करे। नगर पालिका एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तैनात गोताखोरों और कर्मचारियों के माध्यम से ही सुरक्षित विसर्जन कराया जाएगा। बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था भी की जा रही है।

पूजन सामग्री, फूल-मालाओं एवं अन्य निर्माल्य के संग्रहण के लिए विसर्जन स्थलों पर अलग से वाहन, टंकियाँ और पात्र रखे जाएँगे। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि निर्माल्य या फूल-मालाएँ पॉलीथिन में भरकर नदी अथवा विसर्जन कुंड में न डालें। निर्धारित पात्रों में एकत्रित निर्माल्य का उपयोग जैविक खाद बनाने में किया जाएगा।

प्रतिमाओं को छोटा पुल विसर्जन घाट तक ले जाने के लिए परिवर्तित मार्ग व्यवस्था भी बनाई जा रही है। अब प्रतिमाएँ पुराने शंकरघाट वाले सीधे मार्ग के स्थान पर गर्रा रेलवे ओवरब्रिज पार करने के बाद बाईं ओर बायपास मार्ग से उतरकर आगे दाईं ओर छोटा पुल की तरफ लाई जा सकेंगी। वैकल्पिक रूप से रेलवे ओवरब्रिज से उतरकर दाईं ओर मुड़ते हुए शंकरघाट से पहले बाईं ओर के मार्ग से छोटा पुल पहुँचा जा सकेगा। यातायात विभाग द्वारा इस संबंध में पृथक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, जिनका पालन करना सभी के लिए आवश्यक होगा।

नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। उन्होंने नागरिकों एवं श्रद्धालु भक्तों से निर्धारित विसर्जन स्थलों का उपयोग करने, यातायात निर्देशों का पालन करने, पॉलीथिन एवं निर्माल्य जलस्रोतों में नहीं डालने तथा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित विसर्जन संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

आस्था भी—स्वच्छता भी, प्रकृति की सुरक्षा भी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ गणेश एवं दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल, वैनगंगा तट स्थित छोटा पुल तथा शंकरघाट वन क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। पूरे क्षेत्र से बड़ी मात्रा में पॉलीथिन एवं अन्य कचरा एकत्रित कर क्षेत्र को पॉलीथिन मुक्त किया गया।

आगामी गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान सभी श्रद्धालुओं से अपील है कि पूजन सामग्री, फूल-मालाएँ एवं अन्य निर्माल्य पॉलीथिन में भरकर वैनगंगा नदी अथवा वन क्षेत्र में न फेंकें। नगर पालिका द्वारा निर्धारित स्थानों पर वाहन, ड्रम एवं पात्र रखे जाएंगे। पूजन सामग्री एवं निर्माल्य इन्हीं पात्रों में डालें, ताकि उससे जैविक खाद बनाई जा सके और पॉलीथिन को नदी एवं वन क्षेत्र में जाने से रोका जा सके।

श्रद्धालु स्वयं नदी में उतरकर प्रतिमाओं का विसर्जन न करें। निर्धारित विसर्जन स्थल पर नगर पालिका कर्मचारियों के सहयोग से ही विसर्जन करें। बड़ी प्रतिमाओं के सुरक्षित विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था भी की जा रही है।

अभियान के दौरान सभी को गीला एवं सूखा कचरा अलग रखने, पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने तथा नदी तट एवं वन क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका की स्वच्छता प्रभारी खुशबू पटेल सहित यामी देरवाल, माही, दिनेश एवं बड़ी संख्या में नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे और अभियान में सक्रिय योगदान दिया।

दिनांक 23 सितंबर को स्थानीय देवी तालाब में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। सभी नगरवासियों से आग्रह है कि अभियान में सहभागी बनकर अपने शहर को स्वच्छ, निर्मल एवं सुंदर बनाने में योगदान दें।

हमने आज इस क्षेत्र को पॉलीथिन मुक्त किया है—इसे इसी तरह स्वच्छ बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भारती सुरजीत सिंह ठाकुर
नगर पालिका अध्यक्ष, बालाघाट

सेवा संकल्प अभियान के तहत हट्टा की ऐतिहासिक बावड़ी में प्रज्वलित हुए 5000 दीप, उत्साह से जगमगाया परिसर

पद्मेश न्यूज़। हट्टा। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के परिपालन में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर 2026 को ऐतिहासिक हट्टा की बावड़ी में एक भव्य एवं अलौकिक दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसेवा, जनभागीदारी, स्वच्छता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में 5000 मिट्टी के दीपक प्रज्वलित किए गए, जिससे पूरा परिसर दीपों की कतारबद्ध रोशनी से जगमगा उठा। यह आयोजन जनपद पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री फिरदौश शाह के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशों में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पात्र हितग्राहियों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना, सेवा एवं विकसित भारत के संकल्प से अधिकाधिक नागरिकों को जोड़ना तथा स्वच्छता का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत शाम 04ः00 बजे से ही अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा दीपों को सजाने और व्यवस्थित करने के साथ हुई। तत्पश्चात सायंकाल 07ः00 बजे उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच 5000 दीपों को एक साथ प्रज्वलित किया गया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल होने वालों में जनपद पंचायत अध्यक्ष फूलचंद सहारे, जनपद सदस्य रंजना वैद्य, तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री फिरदोश शाह, बीपीओ श्री सुरेश श्रीवास्त्री, पटवारी धीरज राय, ब्लॉक समन्वयक (जन अभियान परिषद) वैजन्ती कटरे, महिला बाल विकास पर्यवेक्षक, एडीओ समीक्षा तुमडाम, उपयंत्री मुकेश बारेकर एवं एबीएम तिलकराज परस्ते पंचायत प्रतिनिधिः सरपंच उमेश सोनेकर, उपसरपंच वीरेंद्र बिसेन, पंच सुनीता मिश्रा, पंच अंजना माहुले व अन्य पंचायत सचिव राजेंद्र पिछोडे एवं मंगलेश पटले इसके साथ ही स्व-सहायता समूह (ह्ररू) की दीदियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं तथा बड़ी संख्या में ग्राम के नागरिकों व ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया।

उपस्थित प्रतिनिधियों ने संबोधित करते हुए कहा कि सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचाना और विकास प्रक्रिया में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करना है। दीप प्रज्वलन का यह कार्यक्रम क्षेत्र में सामाजिक एकजुटता, स्वच्छता और सेवा भाव का सशक्त संदेश देता है।

बौद्ध इंटरनेशनल नेटवर्क ने की बौद्ध विरासत के संरक्षण की मांग

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। बौद्ध विरासत एवं ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण की मांग को लेकर मंगलवार को बौद्ध इंटरनेशनल नेटवर्क के नेतृत्व में रैली निकाली गई। अंबेडकर चौक से शुरू हुई रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंची, जहां संगठन की ओर से ज्ञापन सौंपकर बौद्ध धरोहरों के संरक्षण तथा नागपुर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के बौद्ध एवं पाली अध्ययन संस्थान की स्थापना की मांग की गई।ज्ञापन में कहा गया है कि नागपुर स्थित बौद्धकालीन अडम स्तूप तथा भंडारा जिले के पवनी स्तूप जीर्णावस्था में पड़े हुए हैं। पवनी स्तूप पर मंदिर निर्माण किए जाने और वहां खेती किए जाने का उल्लेख करते हुए बौद्ध ऐतिहासिक स्थलों की स्थिति पर चिंता जताई गई है। संगठन का आरोप है कि देशभर में कई बौद्ध धरोहरों को ब्राह्मणीकरण किए जाने का कार्य जारी है, जबकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग इन विरासत स्थलों के संरक्षण के लिए पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहा है।

नागपुर को बौद्ध ज्ञान परंपरा से जोड़ने की मांग

ज्ञापन में कहा गया कि नागपुर केवल एक शहर नहीं, बल्कि आधुनिक बौद्ध पुनर्जागरण की ऐतिहासिक भूमि है। दीक्षाभूमि से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने बौद्ध धम्म को सामाजिक न्याय, प्रज्ञा और मानवतावादी परिवर्तन की दिशा दी। ऐसे ऐतिहासिक शहर में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध एवं पाली विश्वविद्यालय की स्थापना को संगठन ने भारत की बौद्ध ज्ञान-परंपरा को वैश्विक अकादमिक मंच से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।संगठन ने विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को विलंबित, कमजोर अथवा निरस्त किए जाने के किसी भी प्रयास को बौद्ध एवं पाली ज्ञान-विरासत के साथ अन्याय बताया। साथ ही निर्णय प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने, प्रस्ताव को सार्वजनिक करने तथा नागपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बौद्ध-पाली अध्ययन, शोध, अनुवाद एवं सांस्कृतिक संवाद का संस्थान स्थापित करने की मांग की।

दीक्षाभूमि के लिए 20 एकड़ जमीन की मांग

ज्ञापन में दीक्षाभूमि के विकास का मुद्दा भी उठाया गया। संगठन के अनुसार दुनिया भर से बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायी प्रतिवर्ष दीक्षाभूमि पहुंचते हैं, लेकिन पर्याप्त भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण पार्किंग, शौचालय, साहित्य बिक्री केंद्र, बाहर से आने वाले अनुयायियों के ठहरने की व्यवस्था, भिक्षु प्रशिक्षण केंद्र, ट्रेनिंग सेंटर और धम्म प्रचार केंद्र जैसी सुविधाओं की कमी बनी हुई है।ज्ञापन में माता कचहरी की 16.5 एकड़ जमीन तथा कॉटन रिसर्च इंस्टीट्यूट की 3.5 एकड़ जमीन, कुल 20 एकड़ भूमि, दीक्षाभूमि के सर्वांगीण विकास के लिए विधिसम्मत प्रक्रिया से हस्तांतरित करने की मांग की गई है। बताया गया कि संबंधित भूमि का मामला उच्च न्यायालय नागपुर में विचाराधीन है।

बोधगया टेंपल एक्ट 1949 समाप्त करने की मांग

ज्ञापन में बोधगया महाबोधि महाविहार से संबंधित बोधगया टेंपल एक्ट 1949 को समाप्त करने की मांग भी की गई। संगठन ने इसे संविधान में प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के संदर्भ में उठाया और एक्ट की संवैधानिक वैधता पर सवाल खड़े किए।इसके अलावा बौद्ध गया टेंपल एक्ट 1949 को रद्द करने, नागपुर के अडम स्तूप और भंडारा जिले के पवनी स्तूप को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग से संरक्षित कराने तथा बौद्ध विरासतों की सुरक्षा की मांग की गई।

धरोहरों के संरक्षण की मांग, आंदोलन की चेतावनी

ज्ञापन में बौद्ध ऐतिहासिक स्थलों एवं विरासतों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि बौद्ध विरासतों के संरक्षण की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।इस दौरान प्रदेश प्रभारी रामदास ठवकर, जिलाध्यक्ष नर्मदा नागवंशी, सदाशिव हरिणखेड़े, रुपसिंह उईके, संतोष उईके,विमल कुमार,सरीता उके, राखी दमाहे, आरजू डुंडे, मोनालिसा मेश्राम, कैवल्य देशभ्रतार,राजू खोबरागड़े, विजय कुमार उके, उषा गजभिये, विनोद बागड़े, अजय वासनिक, प्रफुल्ल जी, मुरलीधर जी, संजय जी, छुल्लाल वरकड़े, सूरजलाल उईके एवं अन्य साथी गण रैली प्रदर्शन में उपस्थित रहे।

20 दिन बाद फिर बरसे बदरा, झमाझम बारिश से सड़कों पर पानी

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। करीब 20 दिनों के लंबे इंतजार के बाद मंगलवार को बालाघाट में मौसम ने अचानक करवट ली। दोपहर बाद आकाशीय गर्जना के साथ शुरू हुई झमाझम बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी। तेज बारिश के कारण सड़क किनारे बनी नालियों से पानी की निकासी नहीं हो सकी और कई स्थानों पर सड़कों पर पानी जमा हो गया। बाजारों में भी ग्राहकी प्रभावित रही और बारिश के चलते लोग घरों से निकलने से बचते नजर आए।मौसम विभाग के अनुसार जिले में मौसम की स्ट्रांग एक्टिविटी के चलते बारिश का दौर बना हुआ है और आगामी दिनों में भी बारिश होने की संभावना है। हालांकि बारिश के बावजूद चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिला वर्षा के आंकड़े में पीछे चल रहा है। 1 जून से 22 सितंबर तक जिले में करीब 42 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो वर्ष 2025 की इसी अवधि की तुलना में करीब 5 इंच कम है।

सामान्य औसत से करीब 12 इंच कम बारिश

जिले की सामान्य औसत वर्षा करीब 57 इंच है। इस लिहाज से 22 सितंबर तक जिले में करीब 54 इंच के आसपास बारिश हो जानी चाहिए थी, लेकिन अब तक के आंकड़ों के अनुसार वर्षा सामान्य से करीब 12 इंच कम है। तहसीलवार बारिश के आंकड़ों में भी बड़ा अंतर सामने आया है।

बालाघाट तहसील में सबसे ज्यादा, कटंगी सबसे पीछे

अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय से जारी आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 22 सितंबर तक बालाघाट तहसील में सबसे अधिक 55 इंच बारिश दर्ज की गई है। वहीं कटंगी तहसील में सबसे कम 27 इंच बारिश हुई है।

तहसीलवार बारिश का आंकड़ा—

बालाघाट — 55 इंच
वारासिवनी — 53 इंच
बैहर — 45 इंच
किरनापुर — 44 इंच
लांजी — 42 इंच
परसवाड़ा — 40 इंच
बिरसा — 39 इंच
खैरलांजी — 36 इंच
तिरोड़ा/तिरोड़ी — 35 इंच
कटंगी — 27 इंच

पिछले साल कई तहसीलों में ज्यादा बरसे थे बदरा

वर्ष 2025 में 22 सितंबर तक की स्थिति से तुलना करें तो कई तहसीलों में इस वर्ष बारिश कम दर्ज हुई है। पिछले वर्ष इसी अवधि तक बालाघाट में 56, वारासिवनी में 59, बैहर में 57, लांजी में 31, कटंगी में 44, किरनापुर में 48, खैरलांजी में 19, लालबर्रा में 53, बिरसा में 39, परसवाड़ा में 63 और तिरोड़ी में 47 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

मंगलवार को हुई बारिश ने जहां लोगों को गर्मी और उमस से राहत दी, वहीं लंबे अंतराल के बाद हुई तेज बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की स्थिति भी सामने ला दी। सड़कों पर पानी जमा होने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शास्त्री भवन-कृषि भवन की जगह बनेंगे नए सरकारी दफ्तर

नई दिल्ली। दिल्ली के दो पुराने और बड़े सरकारी कार्यालयों शास्त्री भवन और कृषि भवन को 30 सितंबर तक खाली किया जाएगा। इन दोनों जगहों पर अब कर्तव्य भवन 4 और 5 बनाए जाएंगे। ये नए सरकारी कार्यालय होंगे। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने संबंधित अधिकारियों से कहा है कि 30 सितंबर तक दोनों इमारतों को खाली करके जगह विभाग को सौंप दी जाए। नए भवनों के निर्माण का ठेका पहले ही दिया जा चुका है। सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली के डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड पर कर्तव्य भवन 4 और 5 बनाए जाएंगे। इन नए भवनों के लिए जो जगह तय की गई है, वह अभी शास्त्री भवन और कृषि भवन के पास है। इसलिए सीपीडब्ल्यूडी ने दोनों इमारतों को खाली करने और जगह सौंपने को कहा है। इसके बाद निर्माण करने वाली एजेंसी को जगह मिल जाएगी और काम शुरू हो सकेगा।

3,155 करोड़ रुपये खर्च होंगे

कर्तव्य भवन 4 और 5 बनाने में करीब 3,155 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है, इसमें पांच साल तक इन भवनों के रखरखाव और संचालन का खर्च भी शामिल है, इन भवनों को बनाने में करीब 24 महीने लगेंगे।

शासकीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज़। हट्टा । मध्यप्रदेश शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय हट्टा , जिला बालाघाट में सेवा संकमय अधियान के तहत 17 सितम्बर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 के अंतर्गत सामूहिक दीपों का प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ ,प्रभारी प्राचार्य अंशुल मेश्राम की उपस्थिति में किया गया। उन्होंने अपने उदबोधन में सेवा संकल्प अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुये विधायिर्थयों को समाज सेवा एवं उच्च आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में दिनाक 21/09/2026 को समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं विधार्थियों द्वारा परिसर की सफ़ाई कर श्रम दान कर प्लास्टिक-मुक्त जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती सरूपा मरकाम एव समस्त शैक्षणिक स्टाफ पूर्ण निष्ठा और सक्रियता के साथ इस आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई । अगामी माह 17 अक्टूबर तक अन्य विविध गतिविधियों का आयोजन कर समाज सेवा, जनसेवा, जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी प्रचार - प्रसार तथा विकसित भारत के संकल्प आदि का संदेश दे कर विद्यार्थीओं को जागरूक किया जायेगा।

विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी बैगा परिवारों तक पहुंचने का प्रयास किया

पद्मेश न्यूज। बैहर। बैहर क्षेत्र के बैगा बाहुल्य वनांचल में पिछले कुछ समय से बच्चों के बीमार होने और मौतों का मामला चिंता का विषय बना हुआ है। विभिन्न रिपोर्टों में प्रभावित क्षेत्र में अब तक 30 से 32 बच्चों की मौत का उल्लेख किया गया है, जबकि कई बच्चे बीमारी से प्रभावित हुए हैं। इसी परिस्थिति को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद जिला बैहर ने प्रभावित गांवों में ग्राम संपर्क अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत ग्रामीण परिवारों तक पहुंचकर स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा और साफ पेयजल के प्रति जागरूक करने के साथ जरूरतमंद परिवारों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। परिषद ने 100 बैगा आदिवासी परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है।

विश्व हिंदू परिषद जिला बैहर के कार्यकर्ताओं ने बीमारी प्रभावित ग्राम कोरका, बोंदारी, अडोरी, कुंडेकसा, धर्मशाला, गठिया, मातला, इंडोदेही, मछुरदा और रजना सहित अन्य गांवों में संपर्क किया। इस दौरान ग्रामीणों से स्वास्थ्य परीक्षण कराने, आसपास स्वच्छता बनाए रखने, स्वच्छ पानी से स्नान करने तथा पीने के लिए साफ पानी का उपयोग करने का आग्रह किया गया। स्थानीय जरूरतमंद परिवारों को खाद्य एवं आवश्यक सामग्री का वितरण भी किया गया। ग्राम संपर्क अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। बड़े-बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों से स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने का आग्रह किया गया। प्रभावित गांवों में लगातार संपर्क कर लोगों के बीच स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के दौरान दिवंगत बच्चों के स्मृति स्थल पर पहुंचकर उन्हें आदरांजलि अर्पित की गई अभियान में विश्व हिंदू परिषद महाकौशल क्षेत्रीय धर्म प्रसार प्रमुख ललित पारधी,बैहर जिला अध्यक्ष मनीष दीक्षित, जिला मंत्री दीपक शरणागत, जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र गौतम, धर्म प्रसार जिला प्रमुख चेतन मरकाम, दिनेश बिपाचे, जिला गौ रक्षा प्रमुख प्रहलाद शिव, बैहर नगर अध्यक्ष निरंजन छाबड़ा, उकवा प्रखंड अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, बिरसा प्रखंड धर्म रक्षक सुरेश यादव, प्रखंड धर्म रक्षक धनीराम जी, अनिल विश्वकर्मा, बालाघाट जिला उपाध्यक्ष विधान जोगी, जिला धर्म प्रसार प्रमुख शैलेंद्र बिसेन एवं लेखराम खरे सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। उक्त जानकारी विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री छत्रपाल पारधी ने दी।

नवरात्र में मांस-मछली बिक्री पर रोक और विसर्जन में अश्लील गानों पर प्रतिबंध की मांग को लेकर विहिप ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज़। लांजी। नवरात्र पर्व को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद प्रखंड लांजी ने एसडीएम लांजी, नगर निरीक्षक लांजी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी लांजी को ज्ञापन सौंपकर नवरात्र के नौ दिनों तक नगर में मांस एवं मत्स्य विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। परिषद ने दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान तेज आवाज में फिल्मी एवं अश्लील गाने बजाने पर रोक लगाने की भी मांग रखी है। ज्ञापन में विश्व हिंदू परिषद ने कहा कि नवरात्र हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण पर्व है। मां दुर्गा की स्थापना से लेकर विसर्जन तक नौ दिनों तक श्रद्धालुओं द्वारा विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। परिषद का कहना है कि धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए नवरात्र के दौरान नगर में मांस एवं मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

विसर्जन में डीजे की आवाज और गानों पर भी आपत्ति

परिषद ने दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अत्यधिक उपयोग पर भी आपत्ति जताई। ज्ञापन में कहा गया कि कुछ समितियों द्वारा विसर्जन के समय तेज आवाज में फिल्मी गाने बजाए जाते हैं। परिषद ने इसे धार्मिक आयोजन की गरिमा और आस्था के विपरीत बताते हुए ऐसे गानों पर रोक लगाने की मांग की है। इसके साथ ही नवरात्र के दौरान आयोजित होने वाले गरबा कार्यक्रमों को लेकर भी परिषद ने सुझाव दिया कि गरबा आयोजन दुर्गा माता के पंडाल परिसर में ही किए जाएं, न कि किराये के व्यावसायिक भवनों में।

समितियों के पदाधिकारियों की बैठक बुलाने की मांग

विश्व हिंदू परिषद ने नगर निरीक्षक से आग्रह किया कि नगर की सभी दुर्गा समितियों के पदाधिकारियों को बुलाकर बैठक आयोजित की जाए और नवरात्र तथा विसर्जन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएं, ताकि पर्व के दौरान धार्मिक आस्था, अनुशासन और शांति बनी रहे। ज्ञापन सौंपने के दौरान विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अध्यक्ष ललित अग्रवाल, प्रखंड मंत्री महेंद्र रणदिवे और प्रखंड संयोजक राजू रामटेककर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

किरनापुर प्रकरण में मरार समाज की नई रणनीति अब पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे की भी हुई एंट्री

एसआईटी रिपोर्ट सार्वजनिक कराने आईजी से मिलेगा समाज का प्रतिनिधिमंडल, मांग नहीं मानी तो बालाघाट में होगी प्रदेश स्तरीय बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर प्रकरण को लेकर मरार समाज एक बार फिर लामबंद होता दिखाई दे रहा है। 22 सितंबर को आयोजित समाज की बैठक में पूरे घटनाक्रम को लेकर आगे की रणनीति तय की गई। इस बार बैठक की खास बात यह रही कि भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे भी बैठक में शामिल हुए। अब तक इस प्रकरण से अपेक्षाकृत दूरी बनाए रखने वाले कावरे की बैठक में मौजूदगी के बाद मामले ने नया राजनीतिक और सामाजिक मोड़ ले लिया है। समाज के पदाधिकारियों के साथ कावरे भी अब इस प्रकरण से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं।

बैठक में तय किया गया कि किरनापुर प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक कराने की मांग को लेकर जल्द ही समाज का प्रतिनिधिमंडल पुलिस महानिरीक्षक, बालाघाट जोन से मुलाकात करेगा। प्रतिनिधिमंडल द्वारा यह भी पूछा जाएगा कि समाज की ओर से पूर्व में सौंपे गए ज्ञापन पर अब तक क्या कार्रवाई हुई और एसआईटी की जांच में क्या निष्कर्ष सामने आए हैं। समाज का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद उसकी रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि पूरे मामले की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। बैठक में 2 सितंबर की रात किरनापुर थाने में मरार समाज की महिला सावित्री चौधरी और उनके पति कैलाश चौधरी के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा कथित मारपीट के मामले पर विस्तार से चर्चा हुई। समाज ने इस घटना को गंभीर बताते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग दोहराई। दूसरी ओर 15 सितंबर को किरनापुर में आयोजित धरना-प्रदर्शन के दौरान थाने में हुए उपद्रव और उसके बाद दर्ज किए गए प्रकरणों को लेकर भी समाज पदाधिकारियों ने अपनी बात रखी। समाज पदाधिकारियों का आरोप है कि 15 सितंबर की घटना में समाज के किसी भी पदाधिकारी की भूमिका नहीं थी, इसके बावजूद कई पदाधिकारियों तथा ऐसे लोगों के नाम भी प्राथमिकी में दर्ज किए गए जो उनके अनुसार घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। इसी को लेकर बैठक में समाज के पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्रकरण वापस लेने की मांग किए जाने पर सहमति बनी। इधर, इस पूरे घटनाक्रम में अब 63 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज हो गयी हैं । इनमें स्वयं सावित्री चौधरी के पति कैलाश चौधरी का नाम भी आरोपी के तौर पर दर्ज होने की जानकारी दी गई है। समाज से जुड़े कुछ जनप्रतिनिधियों और सामाजिक लोगों के नाम भी प्रकरण में शामिल होने की बात कही जा रही है। यही बिंदु अब समाज की आगामी रणनीति में महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। अब तक इस मामले से दूर रहे भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे का समाज की बैठक में शामिल होना भी चर्चा का विषय बन गया है। बैठक में उनकी मौजूदगी के बाद समाज की मांगों को लेकर आगे की गतिविधियां अधिक व्यापक रूप लेती दिखाई दे रही हैं। हालांकि इस मामले में पुलिस और प्रशासन की ओर से दर्ज प्रकरणों तथा एसआईटी की रिपोर्ट को लेकर अंतिम स्थिति संबंधित आधिकारिक दस्तावेज और पुलिस पक्ष से स्पष्ट होना बाकी है। बैठक में समाज पदाधिकारियों ने कहा कि यह प्रकरण केवल एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे समाज की सामाजिक छवि भी प्रभावित हुई है। इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, एसआईटी रिपोर्ट सार्वजनिक करने और समाज के लोगों के खिलाफ दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की मांग को प्रमुखता से उठाया जाएगा। समाज ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में पुलिस महानिरीक्षक से मुलाकात के बाद यदि उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती है तो बालाघाट में प्रदेश स्तरीय मरार समाज की बैठक बुलाई जाएगी। इस बैठक में आगे की रणनीति पर सामूहिक निर्णय लिया जाएगा। ऐसे में अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आईजी से होने वाली मुलाकात के बाद किरनापुर प्रकरण किस दिशा में आगे बढ़ता है और एसआईटी की रिपोर्ट को लेकर प्रशासन का रुख क्या रहता है।

तुमसर-बालाघाट ट्रेन में मिला यात्री का शव

पहचान बनी पहेली,कटंगी से बालाघाट की टिकट जेब में मिली, ब्रम्हनी बंजर के दादूलाल टेकाम के नाम की पर्ची भी बरामद

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। मंगलवार बालाघाट रेलवे स्टेशन में उसे वक्त हड़कंप मच गया जब तुमसर से बालाघाट पहुंची लोकल ट्रेन क्रमांक 78814 के एक यात्री डिब्बे में एक यात्री का शव दिखाई दिया। बताया गया की,चेकिंग के दौरान सीट पर एक यात्री अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। गार्ड द्वारा सूचना दिए जाने के बाद रेलवे पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक यात्री की मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

गार्ड ने सीट पर करवट हालत में देखा शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेन के बालाघाट स्टेशन पहुंचने के बाद रवानगी से पहले गार्ड शेंड द्वारा डिब्बों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक डिब्बे की सीट पर यात्री करवट लिए पड़ा दिखाई दिया। गार्ड ने उसे उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने ड्यूटी स्टेशन प्रबंधक आशीष कुमार को इसकी सूचना दी। स्टेशन प्रबंधक द्वारा तत्काल रेलवे पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी गई। इसके बाद वहां हड़कंप मच गया।

पुलिस-रेलवे कर्मियों ने डिब्बे से उतारा शव

उधर सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस अधिकारी डी.एस. काकोडिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसी दौरान पायलट रितेश नेवारे और ईएमटी सीमा बागड़े भी एम्बुलेंस लेकर स्टेशन पहुंच गए। रेलवे कर्मचारियों और पुलिस की मदद से यात्री को डिब्बे से नीचे उतारा गया, लेकिन जांच में उसकी मौत की पुष्टि हो गई।

जेब में बालाघाट की टिकट, पर्ची में दादूलाल का नाम

रेलवे पुलिस ने मृतक की तलाशी ली तो उसकी जेब से कटंगी से बालाघाट की रेलवे टिकट मिली। इसके अलावा एक पर्ची भी बरामद हुई, जिस पर मंडला जिले के ब्रम्हनी बंजर निवासी दादूलाल टेकाम का नाम लिखा हुआ है। ऐसे में पुलिस के सामने यह सवाल है कि मृतक वास्तव में दादूलाल टेकाम ही है या पर्ची किसी अन्य व्यक्ति से संबंधित है।

पहचान के बाद साफ होगी मौत की वजह

रेलवे पुलिस अधिकारी डी.एस. काकोडिया के अनुसार, फिलहाल मृतक की पहचान की जा रही है। शव को जिला अस्पताल भेजा जा रहा है। परिजनों के पहुंचने और पहचान की पुष्टि के बाद ही मृतक की वास्तविक पहचान तथा उसकी मौत कब, कैसे और किन परिस्थितियों में हुई, इसकी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल रेलवे पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

दहेज में दो लाख रुपये और बाइक की मांग का आरोप

पति पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दहेज में दो लाख रुपये नगद और मोटरसाइकिल की मांग को लेकर विवाहिता को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने, गाली-गलौज व मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तिरोड़ी पुलिस ने महिला के पति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत अपराध कायम कर विवेचना शुरू कर दी है ।तिरोड़ी थाने के ग्राम लिंगापौनार निवासी 30 वर्षीय महिला ने अपने बड़े भाई के साथ 20 सितंबर 2026 को थाना तिरोड़ी पहुंचकर लिखित शिकायत प्रस्तुत की। शिकायत में महिला ने अपने पति धनराज तरंडे 35 वर्ष निवासी ग्राम महालगांव जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) पर दहेज को लेकर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। जानकारी के मुताबिक मनीषा और धनराज का विवाह 7 जून 2023 को ग्राम लिंगापौनार में सामाजिक रीति-रिवाज से हुआ था। विवाह में मायके पक्ष द्वारा अपनी क्षमता के अनुसार दान-दहेज एवं उपहार दिए गए थे। महिला का आरोप है कि विवाह के करीब आठ दिन बाद से ही पति द्वारा दहेज कम लाने और नगद राशि नहीं लाने की बात को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। पति द्वारा लगातार दो लाख रुपये नगद और मोटरसाइकिल मायके से लाने की मांग की जाती थी। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ कथित तौर पर गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी। उसे यह भी कहा जाता था कि जब तक वह मायके से रुपये और मोटरसाइकिल लेकर नहीं आएगी तब तक उसे इसी तरह प्रताड़ित किया जाएगा। महिला ने आरोप लगाया कि 10 मई 2024 को उसे कमरे में बंद कर दहेज की मांग को लेकर मारपीट की गई। इसके अगले दिन 11 मई को उसे कथित तौर पर घर से बाहर निकाल दिया गया। महिला का यह भी आरोप है कि बाद में पति उसके मायके लिंगापौनार आया और दहेज की राशि लेकर नहीं आने पर दोबारा ससुराल नहीं आने तथा जान से खत्म करने की धमकी दी।14 दिसंबर 2024 को महिला ने पुत्र को जन्म दिया। इसकी सूचना पति को दिए जाने के बावजूद वह कथित तौर पर उसे और बच्चे को देखने नहीं आया। महिला का आरोप है कि उसके भाई को भी पति द्वारा दो लाख रुपये और मोटरसाइकिल लेकर आने की बात कही गई तथा ऐसा नहीं करने पर उसके साथ जीवन नहीं बिताने और उसे तथा उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी दी गई। परिवार एवं समाज की ओर से कई बार बैठक कर दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया गया लेकिन पति के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। इसके बाद विवाहिता ने पुलिस की शरण लेते हुए कार्रवाई की मांग की ।तिरोड़ी पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी धनराज तरंडे के विरुद्ध अपराध क्रमांक 242/2026 दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 296(बी), 115(2), 351(3), 3(5) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डॉ. राजेश राहंगडाले ने हासिल किया प्रदेश में 9 वां स्थान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कभी मलाजखंड की खदानों में मजदूरी करने वाले हाथों ने आज सफलता की ऐसी इबारत लिखी है, जिसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। कभी घर-घर अखबार बांटकर और दुकानों में काम कर पढ़ाई का खर्च जुटाने वाले डॉ. राजेश कुमार राहंगडाले ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) की सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) परीक्षा-2024 में प्रदेश की मुख्य सूची में 9वां स्थान हासिल किया है। उनकी यह सफलता केवल एक प्रतियोगी परीक्षा में मिली उपलब्धि नहीं, बल्कि अभावों, संघर्ष और लगातार प्रयासों के बीच अपने सपनों को जीवित रखने की कहानी है। वर्तमान में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, लालबर्रा में उच्च माध्यमिक शिक्षक (वाणिज्य) के रूप में कार्यरत डॉ. राजेश की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उनकी जिंदगी का सफर बताता है कि आर्थिक परिस्थितियां कठिन हो सकती हैं, लेकिन दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत के सामने मंजिल दूर नहीं रहती।

तालाब में मिला 40 वर्षीय व्यक्ति का शव

चांगोटोला थाना क्षेत्र के ग्राम घुनाड़ी की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला थाना क्षेत्र के ग्राम घुनाड़ी में तालाब में डूबने से 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान ऋषि कुमार भगत पिता स्वर्गीय रूपलाल भगत के नाम से की गई । वह रविवार दोपहर घर से गुटखा लेने दुकान जाने की बात कहकर निकला था लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटा। करीब 12 घंटे बाद उसका शव गांव के टाकी तालाब में मिला। चांगोटोला पुलिस ने शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषि कुमार भगत चार भाइयों में संझला था। सभी भाई अपने-अपने परिवार के साथ अलग अलग रहते हैं। ऋषि कुमार खेती-किसानी के साथ छोटा पान ठेला संचालित करता था। इसके अलावा वह ग्राम पंचायत में नल जल योजना के तहत भी काम करता था ।बताया गया कि 20 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे ऋषि कुमार अपनी पत्नी शानू भगत को गुटखा लेने दुकान जाने की बात कहकर घर से निकला था। वह अपना मोबाइल घर पर ही छोड़ गया था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। दुकान पर जाकर देखने पर उसकी मोटरसाइकिल दुकान के सामने खड़ी मिली जबकि दुकान पर ताला लगा हुआ था। परिजनों ने सोचा कि वह किसी काम से कहीं गया होगा और वापस आ जाएगा लेकिन देर रात तक उसके नहीं लौटने पर चिंता बढ़ गई ।21 सितंबर को सुबह करीब 10:30 बजे परिजन दोबारा उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान गांव के टाकी तालाब में ऋषि कुमार का शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलने पर चांगोटोला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाया ।तालाब के समीप रहने वाले दलपत सिंह उइके ने पुलिस को बताया कि 20 सितंबर को ऋषि कुमार ने उनसे कोचई के पत्ते मांगे थे। उन्होंने पत्ते तोड़कर उसकी गाड़ी में रख दिए थे। इसके बाद वे अपने घर चले गए थे। संभावना जताई जा रही है कि पत्ते कम होने पर ऋषि कुमार स्वयं तालाब की पार पर कोचई के पत्ते तोड़ने गया होगा और इसी दौरान पैर फिसलने से वह तालाब में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई ।घटना की सूचना मृतक के बड़े भाई हेमराज भगत ने चांगोटोला थाना में दी। पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट